मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.3	27.0
जमशेदपुर	34.7	26.2
डालटनगंज	31.8	24.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

www.lagatar.in

रांची, शनिवार 06 जुलाई 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3 ● वर्ष : 2, अंक : 88

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

टीम ओलंपिक को पीएम... 10

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,700
चांदी (किलो)	97,000

ब्रीफ खबरें

सुनक की हार, स्टार्मर ब्रिटेन के नए पीएम

लंदन। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर शुक्रवार को बकिंघम पैलेस में महाराजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं. ब्रिटेन के आम चुनाव में उनकी पार्टी ने जीत हासिल की है. स्टार्मर की लेबर पार्टी ने ब्रिटेन की 650 में से 400 से अधिक सीटें जीत ली हैं. निवर्तमान पीएम ऋषि सुनक ने चुनाव में अपनी कंजरवेटिव पार्टी की हार स्वीकार कर ली है. इस चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी को इतिहास की सबसे बुरी चुनावी हार का सामना करना पड़ा है. -पेज 12 भी देखें

संघ के प्रांत प्रचारकों की बैठक 12 से रांची में

नयी दिल्ली। आरएसएस के सभी प्रांत प्रचारकों की वार्षिक बैठक अगले सप्ताह रांची में होगी, जिसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत भी भाग लेंगे. आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि 12 जुलाई से शुरू होने वाली तीन दिवसीय बैठक में प्रांत प्रचारक मई-जून में हुए संघ के प्रशिक्षण शिविरों की समीक्षा करेंगे. आरएसएस की संरचना के अनुसार उसके देशभर में 46 प्रांत हैं. आंबेकर ने कहा कि प्रांत प्रचारक आने वाले साल के लिए योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी बातचीत करेंगे.

लक्ष्मीकांत वाजपेयी फिर भाजपा के झारखंड प्रभारी

नयी दिल्ली। भाजपा ने झारखंड, बिहार, हरियाणा, उत्तराखंड, एमपी और ओडिशा जैसे राज्यों समेत देश भर के 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपने प्रभारी और सह-प्रभारी घोषित कर दिए हैं. बिहार में विनोद तावड़े प्रभारी होंगे, उनके साथ सह-प्रभारी के तौर पर दीपक प्रकाश रहेंगे. यूपी में भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे लक्ष्मीकांत वाजपेयी को फिर झारखंड का प्रभारी बनाया गया है. -पेज 11भी देखें

चंद्रबाबू ने वित्त मंत्री से मांगी वित्तीय मदद

नयी दिल्ली। केंद्रीय बजट पेश होने से पहले आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और कर्ज में डूबे राज्य की वित्तीय मदद करने का आह्वान किया.

रक्षा उत्पादन में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज हुई

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि देश ने 2023-24 में रक्षा उत्पादन में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले वित्तीय वर्ष से 16.8 प्रतिशत बढ़कर 1,26,887 करोड़ रुपए रहा है.

जिस केस में गिरफ्तार किया गया उसमें...

शायद हेमंत मुजरिम नहीं

हेमंत सोरेन जमानत पर जेल से बाहर आ चुके हैं. तीसरी बार मुख्यमंत्री पद का शपथ ले चुके हैं. तीन-चार माह बाद झारखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं. बहुत कम लोग जानते हैं कि हाईकोर्ट के जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय के 55 पनें के जजमेंट हेमंत सोरेन के लिए एक तरह से सर्टिफिकेट है, जिसके मुताबिक जिस केस में उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, उस केस में शायद वह मुजरिम नहीं हैं. जजमेंट में क्या लिखा है, फैजान मुस्तफा ने डिटेल में वीडियो तैयार किया है. पढ़ें, उनका यह विश्लेषण...

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय ने 55 पन्नों का जो जजमेंट दिया है, उस केस में एक सिटिंग चीफ मिनिस्टर हेमंत सोरेन की जांच की गई. उन्हें गिरफ्तार किया गया. हेमंत सोरेन एक युवा ट्राइबल लीडर हैं. अपने बूते चुनाव लड़ा. सरकार बनाई. उन पर आरोप है 8.86 एकड़ जमीन के मामले की कांस्पिरेसी में वह शामिल थे. 26 जून 2023 को इस मामले में सीआर दर्ज किया गया था. ईडी ने हेमंत सोरेन के आवास को जनवरी 2024 में दो बार सर्च किया था. हम जानते हैं जमानत के बारे में डिटेल की जरूरत नहीं है. लेकिन जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय ने बहुत ही रिसर्च कर फैसला सुनाया है. इस जजमेंट में कई जगह ऐसी चीजें आ गई हैं, जो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी मदद कर सकती है.

एक मैच्योर लीगल सिस्टम वही होता है, जहां किसी को कस्टडी में उतनी ही देर रखा जाए, जितनी की जरूरत हो. नागरिक सुरक्षा संहिता जो पहली जुलाई से लागू हुई है, उसकी तारीफ में भी यही कहा जा रहा है कि बेल विल बी द रूल, जेल विल बी द एक्सपेसंस. मतलब, बेल में बहुत ना ही लिबरल होने की जरूरत है, ना ही ज्यादा सख्त. कई मामले ऐसे रहे हैं, जिनमें जज बहुत सख्त रहे हैं, बेल देने में.

हेमंत सोरेन का मामला 8.86 एकड़ जमीन का मामला है. आरोप है कि उन्होंने सरकारी दस्तावेज व रेवन्यू रिकॉर्ड में टेंपरिंग की है. वह रिकॉर्ड जो हेमंत सोरेन के पजेशन में नहीं थे. वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, मीनाक्षी अरोड़ा ने अच्छी जिरह की. बड़ी अजीब बात है कि किसी डॉक्यूमेंट में, कहीं पर भी, किसी से भी मिला है, उसमें हेमंत सोरेन या उनके परिवार के किसी सदस्य का नाम नहीं है. ऑर्डर को पढ़ने से यह अंदाजा लगता है कि जितनी सख्ती कुछ जजेज पीएमएलए में बेल देने में कर रहे हैं, सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट्स में वो सख्ती नहीं

जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय ने आदेश में लिखा-हम जानते हैं कि जमानत के बारे में डिटेल की जरूरत नहीं है...

है. मदन लाल का जजमेंट, तरुण कुमार का जजमेंट, रंजीत सिंह का जजमेंट समेत बहुत सारे जजमेंट का उल्लेख किया है जस्टिस मुखोपाध्याय ने. क्योंकि आपको पता है कि सेक्शन 45 के मामले में एक ट्वीन टेस्ट है, जिसे सैटिस्फाई करना है. टेस्ट है कि क्या रीजनेवल ग्राउंड्स हैं, जज को यह विश्वास करने की, कि अभियुक्त दोषी नहीं है. मुजरिम पर जुर्म साबित नहीं होगा. क्या ऐसी रिजनेबल ग्राउंड्स हैं.

दूसरा, थोड़ा आसान मामला है कि क्या बेल के दौरान आरोपी कोई और जुर्म करेगा ? इसमें भी सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई और जुर्म का मतलब, कोई भी जुर्म नहीं है. सुप्रीम कोर्ट ने स्टेट ऑफ मध्य प्रदेश के केस में नरेंद्र लाल के मामले में कहा कि क्या कोई भी जुर्म का मतलब कोई माईनर क्राईम भी, कोई मेजर क्राईम भी. कोर्ट ने उदाहरण दिया कि क्या कोई रेस ड्राइविंग की संभावना भी बेल से इंकार करने में इस्तेमाल होगी. कोर्ट ने कहा कि ऐसा नहीं है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है सेक्शन 45 में जो रिस्ट्रिक्शन कोर्ट की पावर पर लगायी गई है.. दे आर नॉट टू बी पुस टू फार.. मुझे लगता है कि कई जजेज, जिनके सामने बेल के मामलात आये हैं, उन्होंने इस रिस्ट्रिक्शन को बहुत की सख्त माना है और बहुत स्ट्रिक्टली लिया है. कोर्ट ने कहा है कि किसी भी जुर्म का मतलब होना चाहिए, कोई सिमिलर अपराध. कोर्ट ने आगे कहा है कि जज के मन में आना चाहिए कि जो अभियुक्त सामने खड़ा है, उसका माइंड एगफोल्ड था. आपको पता है कि क्रिमिनल लॉ के दो एलिमेंट हैं किसी क्राइम के. अगर मैंने एक मोबाइल चोरी की, उठाकर जेब में रख लिया, यह फिजिकल एक्ट ऑफ क्राइम

बड़ी अजीब बात है कि किसी डॉक्यूमेंट में, कहीं पर भी हेमंत सोरेन या उनके परिवार के किसी सदस्य का नाम नहीं है

है, सिर्फ इतने से चोरी नहीं होती. चोरी होने के लिए गिल्टी माइंड होना चाहिए. यानी बेईमानी के इरादे से किया गया. इसलिए कोर्ट ने यह भी कहा कि फाइंडिंग ऑफ नॉट गिल्टी है, तो क्या यह ट्रायल हो रहा है. आपको पता है कि अरविंद केजरीवाल को निचली अदालत की एक लेडी जज ने बेल दे दी थी. हाईकोर्ट ने उसे स्टे किया और हाईकोर्ट ने उसके जजमेंट के उस सेंटेंस (जिनमें हजारो दस्तावेज हैं) जिसमें जाने की जरूरत नहीं है को आधार बनाया. जस्टिस मुखोपाध्याय ने अपने आदेश में यही कहा है, बेल का मतलब ट्रायल नहीं हो रहा है. सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि यहां जो उद्देश्य है कि वह गिल्टी नहीं है. वह सिर्फ एक ऑब्जेक्टिव स्टडी कर ले, जिस जज के सामने बहस हो रही है, उसे लगे कि दोषी है या नहीं. ब्रॉड प्रोबेबिलिटीज क्या है. दोषी है या नहीं. अगर लगता है कि ब्रॉड प्रोबेबिलिटी दोषी पाए जाने की नहीं हो, तो सेक्शन 45 की कंडीशन पूरी हो गयी. जमानत दी जा सकती है.

जस्टिस मुखोपाध्याय ने कल्याण चंद्र सरकार का जजमेंट भी कोट किया है. जो साक्ष्य हेमंत सोरेन के खिलाफ है, वह सीधे-

हाईकोर्ट के इस आदेश से अरविंद केजरीवाल के लिए भी राहें खुल सकती हैं. वह इसे नजीर बना सकते हैं...

सीधे उन पर नहीं है. जमीन के पास जाते हैं, तो कोई बूढ़ी औरत कह देती है कि यह हेमंत सोरेन की जमीन है. कोई और आदमी यह कह देता है कि मंत्री जी इसके मालिक हैं. जो साक्ष्य है हेमंत सोरेन के खिलाफ, उसमें कहा जा रहा है वह आदमी जो इस मामले का किंगपिन, मुख्य अभियुक्त भानू प्रताप प्रसाद, जो कि एक सरकारी अफसर है रेवन्यू का, कि वह इस काम को करता रहा है. उसने किसी मनोज सीओ के कहने पर वेरिफिकेशन किया, जिसमें यह आ गया कि यह जमीन हेमंत सोरेन की है. भानू के मोबाइल से जमीन की तस्वीर मिली है, यह साक्ष्य है. एक और कैरेक्टर है, विनोद सिंह. हेमंत सोरेन की उससे कुछ वाट्सएप चैट हुई है. उसमें किसी बैंक्वेट हॉल की बात है. और ईडी ने कंनक्लूड किया कि उस जमीन पर उतने बड़े बैंक्वेट हॉल की जो जगह है, वह वही जमीन है. इसलिए हेमंत सोरेन इसमें शामिल हैं. कोर्ट ने माना है कि इस मामले में हेमंत सोरेन की जो रिप्लाई है, वह उतनी कंविंशिंग नहीं है.

सरकमटांशियल एविडेंस. सुप्रीम कोर्ट कल्याण चंद्रा सरकार केस में कह चुका है, कोई आरोप है किसी के खिलाफ, यह काफी नहीं है, किसी को जेल में रखने के लिए. बेल के वक्त डिटेल एग्जामिनेशन ऑफ एविडेंस जरूरी नहीं है. इस आदेश के पारा 16 में सुप्रीम कोर्ट ने कह दिया कि सरकमटांशियल एविडेंस के बेसिस पर अगर मामला है, जज ने जब हेमंत सोरेन मामले में इसे देखा तो पाया कि बहुत से रजिस्टर देखे गए, जो रिकॉर्ड है, जो भानू प्रताप प्रसाद के पास से मिले हैं, उसमें हेमंत सोरेन का नाम कहीं नहीं है. उसके परिवार का नाम कहीं नहीं है. रंजीत सिंह केस में ब्रॉड प्रोबैबिलिटी की बात सुप्रीम कोर्ट कर चुका है. और इन सारी बातों को देखते हुए कहा जा रहा है कि हेमंत सोरेन सीएम हैं, उनके घर से क्या मिल रहा है, बीएमडब्यू. 36 लाख रुपये व कुछ कागजात. एक महिला का बयान, एक संतोष मुंडा, जिसने कहा मंत्री जी जमीन के मालिक हैं, एक अमीन है महतो, जो कह रहा है आई केम टू नो कि हेमंत सोरेन की प्रॉपर्टी है. वो भानू प्रसाद, जो इस पूरे केस का किंगपिन है, उसने अपने सबसीक्वेंट स्टेटमेंट में हेमंत सोरेन का नाम नहीं लिया.

केस जिस तरह से बनाया गया, हाईकोर्ट के बेल ऑर्डर को पढ़ कर यह अंदाजा होता है कि आशीष जायसवाल, विष्णु कुमार, भीमा सिंह ने 1985 में इस जमीन को खरीदा था. हेमंत सोरेन पर आरोप है कि वर्ष 2009-10 में उन्होंने जबरदस्ती उन लोगों को जमीन से बेदखल कर दिया और अपनी पहुंच का इस्तेमाल कर पुलिस में शिकायत दर्ज कराने नहीं दिया. कोर्ट ने कहा कि यह कन्विंशिंग बात नहीं है कि कोई केस नहीं करेगा. बेल ऑर्डर में साफ कहा गया है कि ऐसा नहीं है. फिर यह कहा जा रहा है कि इस जमीन का असली मालिक पाहन परिवार है, उनको 19 जनवरी 2024 को एक आदेश के जरिये जमीन रेस्टोर कर दिया गया. ईडी की इस बात को कोर्ट ने नहीं माना कि यह ऑर्डर भी हेमंत सोरेन ने करा दिया. मनीष सिसोदिया के केस में यह बात कहा गया था कि यह स्टेटमेंट कोई ट्रूथ नहीं है. आपको पता है उस केस में स्टेटमेंट कांट्राडिक्टरी है. कोर्ट ने कहा, वह ट्रायल में देखा जाएगा.

मैं यह समझता हूं कि जो बेल का ऑर्डर है, जस्टिस मुखोपाध्याय का, हेमंत सोरेन को बेल देने का, यह बड़ा इंपार्टेंट है. इस आदेश से अरविंद केजरीवाल के लिए भी राहें खुल सकती हैं. क्योंकि इस आदेश में जो कानून डिस्कस किया गया है, सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट को कोट करते हैं, वह बहुत ही वेल रिसर्च्ड है. -शेष पेज 11 पर

हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस ने ली शपथ

संवाददाता। रांची

न्यायमूर्ति विद्युत रंजन सारंगी ने शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट के 15वें चीफ जस्टिस के तौर पर शपथ ली. एक सादे समारोह में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राजभवन में सारंगी को पद की शपथ दिलाई. समारोह में सीएम हेमंत सोरेन, विस अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो के अलावा कई जज और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी मौजूद थे. कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने राष्ट्रपति द्वारा जारी नियुक्ति पत्र पढ़ा.

न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा के 28 दिसंबर, 2023 को सेवानिवृत्त होने के बाद से हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का पद रिक्त था. केंद्रीय विधि और न्याय मंत्रालय ने तीन जुलाई को सारंगी को चीफ जस्टिस नियुक्त करने के संबंध में अधिसूचना जारी की थी. राज्यपाल राधाकृष्णन ने

विद्युत रंजन सारंगी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाते राज्यपाल.

कहा, राज्य को नये चीफ जस्टिस मिल गये हैं. हम न्याय के लिए मिलकर काम करेंगे और सबसे गरीब व्यक्ति तक भी न्याय पहुंचाएंगे. हेमंत सोरेन ने कहा, आखिरकार नए चीफ जस्टिस मिल गये हैं. यह पद महत्वपूर्ण होता है. सुप्रीम कोर्ट ने सात-आठ माह पहले ही चीफ जस्टिस के तौर पर नियुक्ति की घोषणा कर दी थी, लेकिन मुझे नहीं पता कि केंद्र सरकार ने उन्हें यहां भेजने में इतनी देर क्यों की. उनकी नियुक्ति पहले भी की जा सकती थी. ओडिशा के नयागढ़ में 20 जुलाई 1962 को जन्मे सारंगी इससे पहले ओडिशा हाईकोर्ट में जज थे. उनकी शादी निरुपमा सारंगी से हुई और उनकी दो बेटियां हैं. वह दिसंबर 1985 में बार में शामिल हुए और हाईकोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस की. संवैधानिक, श्रम राजस्व, सेवा और अन्य क्षेत्रों के केस लड़े. उन्हें 2002 में ओडिशा हाईकोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया. इस पदोन्नति के बाद 20 जून 2013 को सारंगी ने ओडिशा के स्थाई न्यायाधीश के रूप में शपथ ली.

जिम्मेदारी

- राजभवन में राज्यपाल ने दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ
- **समारोह में सीएम हेमंत सोरेन, विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो व कई जज भी हुए शामिल**
- आखिरकार हमें चीफ जस्टिस मिल ही गये : हेमंत सोरेन

अगस्त में गिर सकती है मोदी सरकार: लालू

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने दावा किया है कि केंद्र की मोदी सरकार कमजोर है. अगले महीने गिर सकती है. लालू ने राजद के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में यह दावा किया. उन्होंने कहा, मोदी सरकार अगस्त में गिर सकती है. इस दौरान लालू के छोटे बेटे तेजस्वी यादव मौजूद थे. लालू ने कार्यकर्ताओं से किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने का आग्रह करते हुए कहा कि हाल के लोस चुनावों में राजद ने अपनी सीटों की संख्या और वोट में सुधार किया है. तेजस्वी यादव के नेतृत्व में हम अब चुनाव लड़ेंगे. अब तेजस्वी कमान संभालेंगे. उन्होंने यह टिप्पणी तब की, जब एनडीए के नेता भाजपा के एक कार्यक्रम में थे, जहां बिहार से नवनियुक्त केंद्रीय मंत्रियों को सम्मानित किया जा रहा था.

- अब तेजस्वी संभालेंगे पार्टी की कमान, उन्हीं के नेतृत्व में लड़ेंगे चुनाव

राहुल का हाथरस हादसे के पीड़ितों के जख्मों पर मरहम, कहा

प्रशासनिक चूक तो हुई ही है मुआवजा राशि बढ़ाई जाए

हाथरस हादसे के पीड़ितों से मुलाकात करते राहुल गांधी.

एजेंसी। हाथरस (उप्र)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाथरस में भगदड़ की घटना के संबंध में शुक्रवार को कहा कि प्रशासन की ओर से चूक हुई थी. साथ ही कहा, वह राजनीतिक रंग नहीं देना चाहते. गांधी ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से पीड़ितों के लिए बिना देरी के अधिकतम मुआवजा जारी करने का भी आग्रह किया.

पीड़ित परिवारों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में गांधी ने कहा, दुख की बात है कि इतने लोगों ने अपनी जान गंवा दी. मैं राजनीतिक नजरिए से बात नहीं करूंगा, लेकिन प्रशासन की ओर से कुछ चूक हुई है. गलतियां हुई हैं और उनकी पहचान की जानी चाहिए. राहुल गांधी ने यह भी कहा कि उन्होंने (मृतकों) परिजनों के साथ खुद बात की. परिजनों ने कहा, प्रशासन की ओर से चूक हुई है. पुलिस की जो व्यवस्था होनी चाहिए थी वो नहीं थी. वे दुखी व सदमे में हैं. मैं स्थिति को समझने की कोशिश कर रहा हूं. हाथरस में पीड़ित परिवारों से मुलाकात से पहले गांधी अलीगढ़ में भी पीड़ित परिवारों से मिले. राहुल के साथ अजय राय, अविनाश पांडे, सुप्रिया श्रीनेत आदि भी मौजूद थे. - नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोको पायलटों की सुनी समस्याएं- पेज 12 पर

पीड़ितों ने क्या कहा

हाथरस के नाई का नगला के हरि मोहन ने कहा राहुल ने हमसे बात की, संवेदनाएं व्यक्त कीं. वे पीड़ितों के लिए मुआवजे की राशि बढ़ाने का प्रयास करेंगे. मोहन ने भगदड़ में अपनी बुआ ओमवती को खो दिया. त्रासदी में अपनी नानी आशा देवी को खोने वाले मृत्युंजय भारती ने कहा, उन्होंने (राहुल गांधी) हमसे बात की और हमारे मुद्दों को समझने की कोशिश की. उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों.

अच्छी खबर नीट यूजी मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

नीट पीजी एग्जाम का डेट घोषित, 11 अगस्त को दो शिफ्ट में परीक्षा

एजेंसी। नयी दिल्ली

पीजी मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम एनईईटी पीजी 2024 डेट की खबर आ गई है. परीक्षा कराने वाली संस्था एनबीईएमएस यानी नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेस ने नीट पीजी एक्जाम डेट का ऐलान कर दिया है.

एनबीई द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार नीट पीजी 2024 एग्जाम की नई तारीख 11 अगस्त तय की गई है. ये दिन रविवार है. इस दिन दो शिफ्ट में नीट पीजी का एग्जाम लिया जाएगा. गौरलतब है कि नीट पीजी 2024 परीक्षा पहले 23 जून को होने वाली थी. लेकिन स्वास्थ्य मंत्रालय ने नीट और यूजीसी नेट पेपर लीक व परीक्षा धांधली के मामले देखते हुए एहतियात के तौर पर इसे स्थगित कर दिया था.

15 अगस्त ही रहेगी कटऑफ एज लिमिट

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड ने नीट पीजी की ऑफिशियल वेबसाइट natboard.edu.in पर इस संबंध में नोटिस जारी कर दिया है. इसमें 5 प्वाइंट्स में जरूरी जानकारी दी गई है.

1 एनबीईएमएस के 22 जून 2024 के नोटिस के क्रम में नीट पीजी 2024 परीक्षा की नई डेट तय की गई है.

2 नीट पीजी एग्जाम 2024 का आयोजन अब 11 अगस्त 2024 को दो पालियों में आयोजित किया जाएगा.

3 नीट पीजी परीक्षा 24 में उपस्थित होने की पात्रता के उद्देश्य से कटऑफ डेट 15 अगस्त 2024 ही रहेगी.

4 दो पालियों में परीक्षा के आयोजन के बारे में आगे की डिटेल एनबीईएमएस की वेबसाइट

natboard.edu.in पर बाद में अपलोड की जाएगी.

5 किसी भी सवाल/ स्पष्टीकरण या सहायता के लिए कैंडिडेट्स एनबीई की वेबसाइट पर लिख सकते हैं. इसके लिए डायरेक्ट लिंक ये है- नीट पीजी हेल्पलाइन.

नीट पीजी एडमिट कार्ड कब आएगा

परीक्षा की नई तारीख के साथ-साथ अब एनबीई नीट पीजी 2024 एडमिट कार्ड भी दोबारा जारी करेगा. परीक्षा से पहले वाले सप्ताह में नीट पीजी हॉल टिकट 2024 डाउनलोड करने के लिए ऑनलाइन अपलोड कर दिया जाएगा. आप nbe.edu.in 2024 neet pg से अपना नीट पीजी हाल टिकिट डाउनलोड कर पाएंगे.

नीट-यूजी रद्द करना तर्कसंगत नहीं ईमानदार छात्रों के हित प्रभावित होंगे

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में हलफनाम दाखिल कर कहा कि विवादों से घिरी नीट-यूजी परीक्षा को रद्द करना तर्कसंगत नहीं होगा और इससे उन लाखों ईमानदार छात्रों के भविष्य के लिए गंभीर खतरा पैदा होगा, जो परीक्षा में शामिल हुए थे. नीट-यूजी उम्मीदवारों, कोचिंग संस्थानों और अभिभावकों द्वारा दायर विभिन्न याचिकाओं के जवाब में दायर अपने हलफनामे में, शिक्षा मंत्रालय ने कहा, सीबीआई को कथित धांधली की व्यापक जांच करने को कहा गया है. इसके साथ ही यह भी दलील दी जाती है कि परीक्षा में गोपनीयता के उल्लंघन के सबूत के अभाव में, पूरी परीक्षा और घोषित परिणामों को रद्द करना उचित नहीं होगा. केंद्र सरकार ने कहा, किसी परीक्षा में, प्रतिस्पर्धी अधिकार होते हैं ताकि ऐसे छात्रों के हितों को नुकसान नहीं हो जो परीक्षा में कोई अनुचित तरीका नहीं अपनाते हैं. परीक्षा को रद्द करने से लाखों छात्रों को नुकसान होगा. सुप्रीम कोर्ट 8 जुलाई को इस मामले में दायर की गई कई याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा.

राजनीतिक फिजां में चुनावी रंग बिखरना शुरू, सज रहे मैदान

चुनावी मोड में आ रहे झारखंड के राजनीतिक दल, बना रहे रणनीति

संवाददाता। रांची

झारखंड की राजनीतिक फिजा में चुनावी रंग घुल रहा है. विधानसभा चुनाव को लेकर धीरे-धीरे मैदान सज रहे हैं. सभी पार्टियों ने अपनी चुनावी तैयारी शुरू कर दी है. पक्ष-विपक्ष के नेताओं के भाषण और मिजाज चुनावी हैं. साथ ही जमीनी स्तर पर चुनाव की तैयारी भी शुरू है. जेल से निकलने के बाद राज्य में एक बार फिर हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बन गयी है. हेमंत सोरेन के पास स्पष्ट बहुमत भी है. तीसरी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन को एक सप्ताह के अंदर विश्वासमत हासिल करना है. राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने नयी सरकार को एक सप्ताह के अंदर विश्वासमत हासिल करने का निर्देश दिया है.

झारखंड विधानसभा में कुल 77 विधायक हैं. पांच विधायक इस बार सदन में नहीं होंगे. चार विधायकों में दो भाजपा और दो झामुमो के विधायक लोकसभा का चुनाव जीतकर संसद पहुंच गये हैं. इसमें भाजपा के मनीष जायसवाल, ढुल्लू महतो और झामुमो के नलिन सोरेन व जोबा मांझी हैं. वहीं, झामुमो विधायक सीता सोरेन ने भाजपा में शामिल होने को बाद इस्तीफा दे दिया था. वर्तमान विधानसभा में बहुमत के लिए 39 विधायकों का संख्या बल चाहिए. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अगुवाई वाली सरकार के पास बहुमत का मजबूत आंकड़ा है. झारखंड विधानसभा में इंडी गठबंधन के साथ 47 विधायक हैं. मनोनीत विधायक को भी वोटिंग का अधिकार है. मनोनीत ग्लेन जोसेफ गॉलस्टन हेमंत सोरेन सरकार का समर्थन करेंगे. वहीं, एनडीए गठबंधन के पास फिलहाल 27 वोट है.

77 विधायक हैं झारखंड विधानसभा में

भाजपा विधायक जेपी पटेल भले ही सदन में विरोधी पक्ष में बैठाये जायेंगे लेकिन उनका वोट हेमंत सोरेन के पक्ष में ही होगा. निर्दलीय सरयू राय और अमित मंडल साथ आये, तब भी एनडीए आंकड़ा से काफी दूर है.एनडीए के खाते में 27 विधायक होंगे. सदन में हेमंत सोरेन सरकार को विश्वासमत के दौरान किसी तरह की परेशानी नहीं दिख रही है. झामुमो के खिलाफ लोबिन हेंब्रम ने मोर्चा खोल रखा है. झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम सरकार के खिलाफ वोटिंग कर सकते हैं लेकिन इससे इंडी गठबंधन की सेहत में कोई असर नहीं पड़ने वाला है. वहीं, भाजपा विधायक जेपी पटेल सरकार के साथ आये, तो हिसाब बराबर हो जायेगा. विधायक चमरा लिंडा को लेकर भी असमंजस की स्थिति है. चमरा लिंडा बुधवार को गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं हुए.

दोनों दलों के नेता कमर कसकर मैदान में

विधानसभा चुनाव को लेकर इंडी और एनडीए गठबंधन दोनों दलों के नेताओं ने कमर कसकर मैदान में उतर गए हैं. विधानसभा में रणनीति के तहत ही झामुमो ने आनन-फानन में चंपाई सोरेन से इस्तीफा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ताजपोशी हुई. दूसरी ओर, भाजपा ने विधानसभा चुनाव को देखते हुए तीन महीने का खाका तैयार किया है. इसमें विस्तारित कार्यसमिति से लेकर घोषणा पत्र व आरोप पत्र तैयार करने के लिए कमेटी बनायी गयी है. कांग्रेस आलाकमान ने भी प्रदेश के आला नेताओं के साथ विधानसभा चुनाव को लेकर बैठक की. इसमें प्रदेश के नेताओं को चुनावी टिप्स दिये गये और ब्लू प्रिंट बनाने को कहा गया है.

माना जा रहा है कि झारखंड में निर्धारित समय से पूर्व विधानसभा चुनाव होने की अटकलें लग रहीं हैं. वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल पांच जनवरी तक है. राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि झारखंड में हरियाणा व महाराष्ट्र के साथ अक्टूबर में चुनाव हो जाये. चुनाव आयोग भी अक्टूबर को समय सीमा मानकर तैयारी में जुटा है. वर्ष 2019 में झारखंड में नवंबर-दिसंबर में चुनावी प्रक्रिया पूरी हुई थी. छह नवंबर को पहले फेज के लिए अधिसूचना निकाली गयी थी. वहीं, 30 नवंबर से 20 दिसंबर तक पांच चरणों में विधानसभा चुनाव हुए थे.

पांच महीने में जो प्यार और सहयोग मिला, उसका ऋण आजीवन लौटा नहीं पाऊंगा

जनता के लिए बहुत कुछ करना शेष है, तेजी से काम शुरू करूंगा : हेमंत

कौशल आनंद। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गत दिवस जब प्रोजेक्ट भवन से वापस लौट रहे थे, तब उन्होंने अपना संदेश राज्यवासियों के लिए अपनी पत्नी कल्पना सोरेन से रिकार्ड कराया. जिसे शुक्रवार को कल्पना सोरेन ने हेमंत सोरेन के एक्स हैंडल से उसे जारी किया. हेमंत सोरेन की बातों को पढ़ें उनकी जुबानी.

दोस्तों सभी को जोहार, नमस्कार, आदाब, शतश्री अकाल. अंतोगत्वा षड़यंत्र पर विजय पाकर हमलोग पुनः राज्य के विकास का स्टैयरिंग अपने हाथ में लिया है. बहुत सारी सोच है राज्य के प्रति हमारी, यहां के आदिवासी, मूलवासी, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यकों, गरीब, किसान, महिलाएं, युवाओं, जल, जंगल और जमीन. साथियों झारखंड देश में अपने आप में एक अलग राज्य है. लोग तो इसे सोने की चिड़िया कहते हैं, मगर दुख होता है कि दो वक्त के रोटी के लिए संघर्ष करते हैं, पलायन करते हैं. इतने सालों तक चाहे किसी की भी सरकार रही हो. मेरी अनुभव में बहुत संवेदनाशिलता जो राज्य के प्रति होनी चाहिए थी, वह नहीं रही. 2019 में आपने हमें राज्य की दिशा देने का जिम्मा दिया. तुरंत कोरोना माहामारी आया. पूरे देश दुनिया लॉक डाऊन के चपेट में आ गया. ऐसे में देश की हालत क्या थी, पता है, हमारे राज्य में क्या स्थिति थी आपको पता है. दवा, चिकित्सा की कमी, सीमित संसाधन में दवा और डॉक्टरों की भारी कमी के बीच काम किया. हमारे दो-दो मंत्री शहीद हो गए. क्योंकि यह इस संकट में भी सड़क पर उतरकर काम करते रहे. इस बीच कई अवरूद्ध हुआ. सरकार गिराना. विधायकों को खरीदना. एक अजीब से राजनीतिक चली. इसका शिकार मैं भी हुआ. इसके कारण मुझे भी पांच महीने जेल में रहना पड़ा. मगर जो ताकत आपने मुझे 2019 में दिया था. मैं सरकार को खरोंच भी नहीं आने दिया. मैं जेल चला गया. आदरणीय चंपाई सोरेन जी को सत्ता सौंप दिया और मैं जेल चला गया. पांच महीने बाद न्यायालय के आदेश के बाद मैं बाहर आया. फिर से मैं राज्य को दिशा देने और जो संकल्प मैने 2019 में लिया था, उसे पूरा करने आया हूं. पांच साल कई चुनौतियों के साथ पार किया. कई जंग लड़े, जंग जीते भी. चाहे वह करोनो हो, राजनीतिक साजिश है, हमारे विपक्ष के द्वारा. इन सबसे लड़ कर सामने आया हूं. बहुत सारी चुनौती इस राज्य में है. बहुत सारी विषयों पर काम करने की जरूरत है. चाहे वह किसानों के लिए हो, चाहे वह नौनौहालों के स्कूलों हो या फिर ग्रामीणों को, हमारे पढ़े लिखे नौजवानों को लेकर हो. चाहे आधारभूत संरचनाओं के लिए. आप देख रहे हैं कि केंद्र सरकार के नीतियों के कारण रोजगार दिन प्रतिदिन घट रहे हैं. छोटे और मंझोले उद्योग बंद हो रहे हैं. देश छोड़कर जा रहे हैं, हमारे यहां के नौजवान भटकने के लिए मजबूर हों.

राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत सारी विषयों पर काम करना होता है. हमारे कार्यकाल में, आपको जरूरी एहसास होगा कि वर्तमान सरकार को सोच और उद्देश्य क्या है. किस रास्ते आगे बढ़ेगी. हमारा मूल वादा झारखंड के आदिवासी-मूलवासियों के प्रति है प्राथमिकता इनके प्रति है. हम हर हाल में राज्य के हर लोगों के लिए काम तेजी से करेंगे. आपका हक आपके दरवाजे तक पहुचाएंगे. झारखंड के लोग बहुत सवाभिमानी होत हैं यह राज्य, भूमि वीर-वीरांगानाओं की है. जिसकी मूर्तियां आपको चौक-चौराहों पर देखने को मिलेंगे. पुन : मैं वीरों सपूतों को नमन करते हुए फिर से तैयार हुआ हूं. हमें बहुत बड़े पैमाने पर काम करने की जरूरत है. जो आपके सहयोग और आशीर्वाद की जरूरत है. मेरे जेल में रहते हुए भी जो प्यार और सम्मान दिया है, उसका मैं आभार प्रकट करता हूं.इसका ऋण में चुका नहीं पाऊंगा. मैं अपने कर्त्तव्यों का निर्वाहन करते हुए अपनी जिम्मेवारी निभाऊंगा.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मां बागलामुखी मंदिर में पूजा-अर्चना की

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन शुक्रवार को महात्मा गांधी मार्ग (काली स्थान रोड) रांची स्थित मां बगलामुखी मंदिर पहुंचकर शीश नवाया .मौके पर मुख्यमंत्री ने मां बगलामुखी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर समस्त राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि व उन्नति की कामना की.

अपनी तुलना गुरुजी से होने पर हेमंत ने किया भावुक पोस्ट, कहा

मेरे बाबा मुझसे कहीं अच्छे दिखते हैं, मैं तो बस प्रतिबिंब हूं...

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने नये लुक को लेकर एक भावुक पोस्ट किया है. एक्स पर उन्होंने अपने पिता शिबू सोरेन की तस्वीर भी पोस्ट की है और लिखा है कि लोग कहते हैं मैं अब बाबा के जैसा दिखता हूं, पर मेरे बाबा मुझसे कहीं अच्छे दिखते हैं.उनकी आंखों में वो ज्ञान की चमक,उनके चेहरे पर वो अनुभव की लकीरें,उनकी मुस्कान में वो जीवन का रस,मैं तो बस उनका उभरता प्रतिबिंब हूं. गौरतलब है कि हेमंत सोरेन पांच महीने तक जेल में रहने के दौरान अपनी बाल और दाढ़ी बढ़ा ली. पहली बार उनका यह लूक तब सामने आया था जब वह अपने चाचा के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पेरोल पर बाहर आये थे. उस समय ही लोगों ने कहना शुरु कर दिया कि हेमंत बिलकुल शिबू सोरेन की तरह दिख रहे हैं. तब झामुमो ने सारे पोस्टर में हेमंत की यही तस्वीर लगायी थी. लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी इसी तस्वीर का इस्तेमाल किया गया. फिर जब हेमंत अब जमानत पर बाहर आये हैं तो उन्होंने इसी लुक को बरकार रखा है.

लैब टेक्नीशियन, वार्ड ब्वॉय, अटेंडेंट, ऑफिस स्टाफ रखे गए हैं

राज्य भर के जिला अस्पतालों की व्यवस्था सुधरेगी आउटसोर्सकर्मियों के लिए विभाग ने दिए 144 करोड़

संवादादाता। रांची

स्वास्थ्य विभाग राज्य भर के जिला अस्पतालों (सदर अस्पतालों) में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है. मरीजों को पैथोलॉजिकल से लेकर हर तरह की जांच की सुविधा अस्पताल में ही उपलब्ध कराने के लिए विभाग ने आउटसोर्स स्टाफ रखने को कहा है. अस्पतालों में पहले से भी आउटसोर्स स्टाफ रखे गए हैं, ताकि मरीजों को इलाज व जांच के लिए किसी दूसरी जगह जाने की जरूरत न पड़े. इसके तहत अलग-अलग विभाग के लिए आउटसोर्सिंग कंपनियों के जरिए मैनपावर रखे गए हैं. जहां अतिरिक्त मैनपावर की जरूरत है, वहां नए सिरे से पैनपावर की व्यवस्था करने रका निर्देश स्वास्थ्य विभाग ने दिया है. अब विभाग ने आउटसोर्स पर काम कर रहे मैनपावर के लिए 144,71,51,000 रुपये आवंटित किये हैं. वहीं जिलों में जरूरत के हिसाब से राशि का आवंटन कर दिया गया है. बता दें कि सदर अस्पतालों के अलावा अन्य जिला अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ाई हैं. इसके अंतर्गत लैब टेक्निशियन, वार्ड ब्वॉय, वार्ड अटेंडेंट, डायग्नोस्टिक सेंटर, ऑफिस स्टाफ इसके अंतर्गत आते हैं.

- सदर अस्पतालों के अलावा अन्य जिला अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ायी गयी हैं, ताकि लोगों को आसानी से इलाज की सुविधा मिल सके

जिला व अन्य अस्पतालों के लिए राशि आवंटित

बोकारो	5,64,56,000
गिरिडीह	8,86,48,000
हजारीबाग	12,06,60,000
कोडरमा	3,72,83,000
चतरा	5,51,44,000
गढ़वा	4,57,37,000
पलामू	10,77,17,000
रामगढ़	5,48,96,000
देवघर	8,31,04,000
धनबाद	73,65,000
गोड्डा	6,61,90,000
पूर्वी सिंहभूम	6,26,50,000
खूंटी	4,03,87,000
सरायकेला-खरसावां	6,61,94,000
पश्चिमी सिंहभूम	6,48,19,000
पाकुड़	3,73,68,000
जामताड़ा	4,30,66,000
रांची	16,66,35,000
गुमला	80,20,000
लातेहार	5,38,79,000
लोहरदगा	2,61,34,000
सिमडेगा	4,38,12,000
साहिबगंज	3,91,10,000
दुमका	6,62,60,000
आयुष निदेशालय, नामकुम, रांची	7,92,000
राजकीय फार्मेसी संस्थान, बरियातू	25,34,000
इटकी आरोग्यशाला, इटकी, रांची	22,91,000

रांची डिवीजन की कल 10 ट्रेनें रद्द रहेंगी

संवाददाता। रांची

रांची डिवीजन में विकास कार्यों के मद्देनजर 10 ट्रेनों को सात जुलाई के लिए रद्द कर दिया गया है. वहीं कुछ ट्रेनों को शॉर्ट डायवर्टेड किया गया है. रेलवे ने रद्द की गई ट्रेनों की लिस्ट जारी कर दी है.

ये ट्रेनें रद्द : 08641/08642 आद्रा-बरकाकाना-आद्रा मेमू पैसेंजर, 13303/13304 धनबाद-रांची-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस, 03598/03597 आसनसोल-रांची-आसनसोल मेमू स्पेशल, 08696/08695 रांची-बोकारो स्टील सिटी-रांची पैसेंजर स्पेशल, 13319/13320 दुमका-रांची-दुमका एक्सप्रेस, 13504/13503 हटिया-बर्धमान-हटिया मेमू एक्सप्रेस, 18085/18086 खड़गपुर-रांची-खड़गपुर मेमू एक्सप्रेस, 18036/18035 हटिया-खड़गपुर-हटिया एक्सप्रेस, 18602/18601 हटिया-टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस, 12365/12366 पटना-रांची-पटना एक्सप्रेस.

ट्रेनों का डायवर्जन

22824 नयी दिल्ली-भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस 6 जुलाई 2024 को शुरू होकर बोकारो स्टील सिटी-पुरुलिया-टाटानगर के रास्ते डायवर्टेड रूट पर चलेगी. वहीं, 18310 जम्मूतवी-संबलपुर एक्सप्रेस 5 जुलाई 2024 को शुरू होकर बरकाकाना-मेसरा-टाटीसिलवे-रांची के रास्ते डायवर्टेड रूट पर चलेगी.

राज्यपाल से मिले केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, विधायक लंबोदर महतो

रांची। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शुक्रवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से राजभवन में शिष्टाचार भेंट की. वहीं विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने भी राजभवन में भेंट कर विभिन्न विषयों से संबंधित ज्ञापन सौंपा. उन्होंने राज्यपाल से बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय अंतर्गत पर्जन्य बीएड कॉलेज से संबंधित मामले पर बातचीत की. राजकीय डिग्री महाविद्यालय, गोमिया में झारखंड ओपन यूनिवर्सिटी का अध्ययन केंद्र खोलने, गोमिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गोमिया, कसमार व पेटरवार प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों को उत्क्रमित करने की पहल करने का आग्रह किया.

योजना मुख्यमंत्री बहन-बेटी मई-कुई स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना लागू

लाभार्थियों को प्रतिमाह एक हजार रुपये मिलेंगे

संवाददाता। रांची

राज्य में महिला सशक्तीकरण के लिए मुख्यमंत्री बहन-बेटी मई-कुई स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना लागू कर दी गयी है. कैबिनेट के फैसले के बाद महिला, बाल विकास विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है. इस योजना के तहत राज्य की 45 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये प्रोत्साहन राशि मिलेगी. इसका लाभ 21 से 50 वर्ष की उम्र वाली गरीब महिलाओं को दिया जाएगा. इस योजना का लाभ लेने के लिए योग्यता भी तय की गयी है. आर्थिक लाभ प्राप्त करने लिए आवेदिका के पास पहचान पत्र, आधार कार्ड, परिवार का अंत्योदय अन्न योजना कार्ड, पीला राशन कार्ड, गुलाबी कार्ड या सफेद राशनकार्ड धारी होना जरूरी है. उन्हें ही योजना का लाभ मिलेगा.

इनकम टैक्स भरने वाले, सरकारी नौकरी करने वाले परिवार को इसका लाभ नहीं मिलेगा. ईपीएफ धारी महिला इस योजना की पात्र नहीं होगी. अन्य किसी योजना से पेंशन पा रही महिला को भी इसका लाभ नहीं मिलेगा.

महिला विकास विभाग ने योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आधार की आवश्यकता को अनिवार्य किया है और बैंक खाता या पोस्ट ऑफिस का खाता से आधार लिंक कराना होगा. हालांकि, जिनका आधार लिंक नहीं है वे भी दिसंबर तक इस योजना का लाभ उठा सकते हैं. सरकार का मानना है हर माह 1000 रुपये की राशि से महिलाओं का शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण सहित हर छोटी-छोटी जरूरतें पूरी की जा सकेंगी. आवेदन के लिए जल्द ही पोर्टल जारी किया जाएगा.

खास बातें

- विभाग की ओर से जारी कर दी गयी अधिसूचना
- आवेदन के लिए जल्द ही पोर्टल जारी किया जाएगा

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 06 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 88 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND
सत्यमेव जयते

समस्त झारखण्ड एवं समस्त देशवासियों को

हूल जोहार

सत्यमेव जयते!

प्रिय झारखण्डवासियों,

आपके अटूट समर्थन और विश्वास के लिए हम आभारी हैं।
आपके भरोसे पर खरा उतरने का निरंतर प्रयास पूर्व की भांति जारी रहेगा। हम पुन: एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं,
एक ऐसा युग जहाँ विकास और समावेशिता साथ साथ चलेंगे।

श्री हेमंत सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

शहर में आज

1. झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, राष्ट्रपति के नाम स्मार पत्र पेश करेगा, राजभवन के समक्ष, दोपहर 12 बजे
2. स्टार्टअप इकोसिस्टम पर चैंबर का कार्यक्रम, आर्यभट्ट सभागार में दिन के 10 बजे
3. जैप 1 डोरंडा के शौर्य ऑडिटोरियम में सुबह 10 बजे से रांची माइंड फेस्ट
4. प्रदेश कांग्रेस की प्रेस वार्ता, कांग्रेस भवन में दोपहर 1 बजे

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

जोबा लोस में झामुमो संसदीय दल की नेता

रांची। सिंहभूम लोकसभा सीट से सांसद जोबा माझी लोकसभा में झारखंड मुक्ति मोर्चा संसदीय दल की नेता चुनी गयी हैं. झामुमो संसदीय दल की बैठक में इनके नाम पर शुक्रवार को निर्णय लिया गया. लोकसभा में झामुमो के तीन सांसद हैं. मनोहरपुर की विधायक रहीं जोबा मांझी पहली बार सांसद बनी हैं.

सरफराज रास में बने संसदीय दल के नेता

रांची। राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद राज्यसभा में झामुमो के संसदीय दल के नेता होंगे. इसको लेकर पार्टी केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन ने एक पत्र राज्यसभा के सभापति को लिखा है. सोरेन ने अपने पत्र में लिखा है कि झारखंड से झामुमो के राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद को झामुमो संसदीय दल का नेता चुना गया है. यह निर्णय शुक्रवार को पार्टी संसदीय दल की बैठक में इसका निर्णय लिया गया. डॉ. सरफराज पार्टी के वरीय नेता हैं के साथ-साथ अनुभवी नेता हैं.

वंचितों को न्याय दिलाना प्राथमिकता : सत्यानंद

रांची। शुक्रवार को राजद प्रदेश कार्यालय में पार्टी के स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया. बतौर मुख्य अतिथि सत्यानन्द भोक्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया. कार्यक्रम को सम्बोधित करते सत्यानन्द भोक्ता ने कहा राजद अपनी स्थापना के साथ ही गरीबों-शोषितों-वंचितों को न्याय दिलाने और सामाजिक न्याय को काम कर रहा है. पार्टी के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना है. उक्त मौके पर झारखंड प्रभारी सह पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश यादव, प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव, पूर्व विधायक संजय यादव राजद नेता सुभाष यादव समेत अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे.

पदाधिकारियों संग सुदेश ने की बैठक

रांची। लोहरदगा जिला अंतर्गत केंद्रीय, जिला और अनुषंगी इकाई के पदधारियों के साथ आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने अपने कांके रोड स्थित आवासीय कार्यालय में बैठक की. सुदेश महतो निर्देश देते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर संवाद एवं समन्वय स्थापित कर संगठन के विस्तार और मजबूती के लिए काम करें सभी पदाधिकारी. उन्होंने लोहरदगा विधानसभा में सांगठनिक स्थिति की समीक्षा की. उन्होंने संगठन के विस्तार तथा संगठन को गति देने और चूल्हा प्रमुख शपथ ग्रहण समारोह व युवा सम्मेलन जैसे पार्टी के भावी कार्यक्रमों को लेकर एक संयोजक मंडली का गठन किया.

ऑनलाइन चालान जमा नहीं होने से आम लोगों को करना पड़ रहा परेशानियों का सामना

ट्रैफिक चालान भरना जंग से कम नहीं, लोगों के छूट रहे पसीने

शुभम किशोर। रांची

राजधानी में ट्रैफिक चालान भरने में लोगों के पसीने छूट रहे हैं. ऑनलाइन चालान जमा नहीं होने से जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. ऑफलाइन चालान जमा करने के लिए घंटों कतार में प्रतिक्षा करना पड़ रहा है. वर्तमान में रांची में केवल कचहरी चौक स्थित ट्रैफिक कंट्रोल के परिसर में ट्रैफिक चालान जमा हो रहा है. वहां भी केवल एक ही काउंटर है, जिसमें एक चालान जमा करने में लगभग 10 मिनट का समय लग रहा है. वो भी तब, जब इंटरनेट और सर्वर की स्पीड ठीक रहे. महिला और पुरुष दोनों के लिए एक ही कांउटर है. स्वविवेक से दो लाइन लगायी जा रही है, जहां सैंकड़ों लोग बारी का इंतजार करते हैं.

चालान भरने के लिए लाइन में खड़े लोग.

लोग बोले-तीन साल पुराने चालान का अब आया मैसेज

ट्रैफिक चालान भरने के कतार में खड़े लोगों का कहना था कि दो से तीन साल पुराना चालान अभी भेजा गया है. ऊपर से ऑनलाइन चालान जमा नहीं होने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. कुछ लोगों ने कहा कि सुबह आठ बजे से चालान भरने के लिए लोग आ जा रहे हैं. शाम 6 बजे तक चालान जमा लिया जाता है. वहां मौजूद एक सज्जन ने कहा कि वो दो दिन से चालान भरने आ रहे है. अभी भी कतार में ही लगे हुए हैं.

लोगों की परेशानी कम करने की कोशिश की जाएगी : ट्रैफिक एसपी

इस मामले पर जब रांची ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि पुराने चालान बहुत पेंडिंग थे. उसमें तेजी लायी गई है, इसलिए पुराने चालान लोगों को मिल रहे हैं. ऑनलाइन चालान जमा नहीं होने के पीछे ट्रैफिक एसपी ने कहा कि जो चालान रेड लाइट उल्लंघन के हैं, उनका चालान ऑफलाइन ही जमा होता है. इसके लिए लोगों को निर्धारित सेंटर से चालान जमा करना होगा. उन्होंने कहा कि लोगों को जो परेशानी हो रही है, उसे कम करने का प्रयास करेंगे. साथ ही अभी एक ही सिस्टम है, जिस कारण एक काउंटर है, उसे बढ़ाया जाएगा.

सीएम से लेकर मुख्य सचिव तक मांगें पूरी करने की लगाई गुहार

शिक्षा हित में राज्यकर्मियों की सेवानिवृत्ति उम्र 62 वर्ष हो

रेहान अहमद। रांची

झारखंड के शिक्षकों (प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक) सहित अन्य राज्यकर्मियों की सेवा निवृत्ति उम्र 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष करने की मांग सरकार से झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ की है. मालूम हो राज्य के मुख्यमंत्री सहित मुख्य सचिव को मांगपत्र भी सौपा है. शिक्षकों का कहना है कि यदि विश्वविद्यालय के शिक्षक 65 वर्ष तक पठन पाठन कर सकते हैं तो राज्य के शिक्षक क्यों नहीं, क्या उनमे ये क्षमता या योग्यता की कमी है. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का बुनियादी आधार अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों के बलबुते संभव हो सकता है क्योंकि इनके द्वारा लगातार शिक्षा हित में प्रयास किये जा रहे हैं. वहीं झारखंड के साथ साथ छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड राज्य का निर्माण हुआ जहां शिक्षकों की सेवानिवृति उम्र 62 वर्ष कर दी गई है, इसके अलावे दूसरे राज्यों जैसे मध्यप्रदेश तथा उत्तरप्रदेश में भी शिक्षकों की सेवानिवृति उम्र पूर्व से ही 62 वर्ष है. इस लिये झारखंड सरकार को भी इस ओर गौर करने की जरूरत है. अपने राज्य में भी शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सेवानिवृति उम्र 60 वर्ष से 62 वर्ष किया जाना एक बेहतर कदम होगा.

विश्वविद्यालय के शिक्षक यदि 65 वर्ष तक सेवा दे सकते हैं,तो विद्यालय के शिक्षक क्यों नहीं?

झारखंड सरकार को इस पर गौर करने की जरूरत

झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ के केंद्रीय महासिचव अमीन अहमद ने कहा कि यदि विश्वविद्यालय के शिक्षक 65 वर्ष तक पठन पाठन कर सकते हैं, तो राज्य के शिक्षक क्यों नहीं, कर सकते हैं, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड राज्य का निर्माण हुआ जहां शिक्षकों की सेवानिवृति उम्र 62 वर्ष कर दी गई है.

कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति उम्र 62 होनी चाहिए

राज्य माध्मिक शिक्षक संघ दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडली सचिव मो कुर्बान अली ने कहा कि हमारे राज्य में स्कलू शिक्षकों की सेवानिवृत उम्र 60 वर्ष है. जबकि विश्विवद्यालय के शिक्षकों की सेवानिवृति उम्र 65 है, इस लिये हमारी उम्र सीमा यदि 65 नहीं कर सकते तो कम से कम 62 होनी चाहिये.

सेवानिवृत्ति उम्र 62 वर्ष करने की मांग जायज है

झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ के केंद्रीय प्रवक्ता शहजाद अनवर ने 62 वर्ष के सेवानिवृति उम्र को जायज मांग बताते हुए कहा कि पूर्व में झारखंड के मदरसा एवं संस्कृत शिक्षकों का सेवानिवृत्ति 62 वर्ष में होता था, इसलिए इस सुविधा को दुबारा बहाल करने की जरूरत है.

विवि व विद्यालय के शिक्षकों का काम एक जैसा

रामगढ़ कालेज उर्दू विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. वकील अहमद रिजवी ने कहा कि मैं यह कहना चाहता हूं कि विवि और विद्यालय के शिक्षकों का कार्य एक जैसा है इसलिए राज्य के अन्य शिक्षकों का भी विवि के शिक्षकों के तर्ज पर सेवानिवृत्ति उम्र को बढ़ाना एक बेहतर कदम होगा.

शिक्षक एवं कर्मियों की सेवानिवृत्ति उम्र 62 वर्ष करना हितकारी : अरुण

झारखंड प्रदेश संयुक्त शिक्षक मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी अरुण कुमार दास ने कहा कि झारखंड राज्य में लगातार सेवानिवृत्ति से रिक्त हो रहे पदों पर न नियुक्ति हुई और न ही वर्षों से कार्यरत शिक्षकों को किसी प्रकार का विभागीय प्रोन्नति दी गई है. ऐसे ही शिक्षक और कर्मचारी वर्ग अवसाद के शिकार हो रहे हैं, सरकार द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसे अहम योजना को सफलीभूत करने के लिए अनुभवी एवं दक्ष शिक्षक एवं कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति उम्र 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष किया जाना अवश्य हितकारी होगा.

शिक्षकों की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ानी चाहिए : विजय

झारखंड प्रदेश संयुक्त शिक्षक मोर्चा के प्रदेश संयोजक विजय बहादूर सिंह ने कहा कि झारखंड राज्य में अनुभवी एवं योग्य शिक्षक एवं राज्य कर्मियों की लगातार कमी होती जा रही है, जिसका असर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ साथ राज्य के विभागीय कार्यों के बेहतर संपादन में भी पड़ रहा है. राज्य सरकार को इस कमी को पूरा करने के लिए शिक्षकों के सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ाई जानी चाहिए.

सरकार को दोहरे मापदंड खत्म करने की जरूरत

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, झारखंड प्रदेश के प्रांत संयोजक आशुतोष कुमार ने कहा कि जब राज्य के विश्वविद्यालय में शिक्षकों की सेवानिवृत्ति 65 वर्ष में होती है, तो उसके बाद प्लस 2 स्तर तक के शिक्षकों का सेवानिवृत्ति 60 वर्ष में ही क्यों हो जाती है? सरकार को ऐसे दोहरे मापदंड को खत्म करते हुए सबों के साथ एकरूपता अपनाने की आवश्यकता है.

मनाया गया राजद का 28वां स्थापना दिवस

रांची। राजद के प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल का 28 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया. पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड के प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव के जरिये झंडोतोलन और दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. मौके पर झारखंड प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव ने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने गरीबों, पिछड़ों दलितों अल्पसंख्यकों ओर वंचित के कल्याण के लिए और न्याय दिलाने के उद्देश्य से राजद का गठन किया था. उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने वंचितों के कल्याण के लिए उनके सम्मान के लिए कड़े संघर्ष और मेहनत के साथ सामाजिक न्याय के लोगों को न्याय दिलाने का काम किया. भाजपा ने लाख षड्यंत्र कर हमारे नेता लालू को फंसाने का काम किया. लेकिन लालू प्रसाद यादव ने हमेशा कहा कि मैं मिट्टी में मिल जाऊंगा लेकिन सांप्रदायिक ताकतों से कभी समझौता नहीं करूंगा. उन्होंने कहा कि हर हाल में भाजपा को देश से भागना है यही संकल्प लेकर यहां से जाना है और राष्ट्रीय जनता दल के संगठन को पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तर पर और प्रदेश स्तर पर मजबूत करना है. हमें मजबूत और संगठित रहने की आवश्यकता है. झारखंड में राष्ट्रीय जनता दल संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है. प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने कहा कि संगठन को धारदार और मजबूत करना है. लालू की जो नीति और सिद्धांत है तेजस्वी यादव का जो नीति और सिद्धांत है उसे जन-जन तक पहुंचाने का काम करना है. संगठित होकर झारखंड में संगठन को मजबूत करना है और आने वाले विधानसभा के चुनाव में भाजपा से डटकर मुकाबला करना है और उसे झारखंड से समाप्त करना है. यही संकल्प लेकर के राजद के नेताओं और कार्यकर्ताओं को जाना चाहिए.

कोर्ट के आदेश के बाद सरकार ने लिया निर्णय

सूबे में ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड के गठन को दी मंजूरी

विशेष संवाददाता। रांची

अब झारखंड में ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड का गठन होगा. महिला, समाज, बाल कल्याण विभाग ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है. अब राज्य में निवास करने वाले ट्रांसजेंडर समुदाय के विभिन्न समस्याओं का सामधान हो सकेगा. इस बोर्ड के अध्यक्ष मुख्य सचिव झारखंड होंगे. जबकि पुलिस महानिदेशक इसके सदस्य होंगे. सरकार ने यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के बाद लिया है. इस बोर्ड में सदस्य सचिव के रूप में महिला बाल विकास विभाग के सचिव, योजना एवं विकास विभाग, वित्त विभाग, कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा, श्रम, कार्मिक, नगर विकास, ग्रामीण विकास, सचिव झारखंड राज्य मानवाधिकार आयोग होंगे. इसके अतिरिक्त अध्यक्ष के अनुमोदन पर ट्रांसजेंडर समुदाय का दो सामाजिक कायर्कता को इसमें आमंत्रित सदस्य बनाया गया है.

उपायुक्त की अध्यक्षता में बनेगी समिति : क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर उपायुक्त की अध्यक्षता में एक समिति बनायी जाएगी. इस बोर्ड का महिला बाल विकास विभाग नोडल विभाग होगा. बोर्ड समय-समय पर नीति को लेकर सुझाव के साथ संशोधन करने के लिए सुझाव देगा. राज्य के ट्रांसजेंडरों का सर्वे भी कराया जाएगा. उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में काम किया जाएगा. यह बोर्ड राज्य स्तरीय ट्रांसजेंडर सपोर्ट यूनिट भी बनाएगा, जो उनके समस्त मुददों और समस्या को देखने का काम करेगी.

यह है बोर्ड का उद्देश्य

- झारखंड राज्य में ट्रांसजेंडर समुदाय की समस्याओं के अध्ययन करना.
- उसके निराकरण के लिए विशिष्ट नीति तैयार करना
- कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन, निगरानी और देखरेख करना
- ट्रांसजेंडर समुदाय के व्यक्तियों को प्राप्त संवैधानिक अधिकार और उनके हितों की रक्षा करते हुए उन्हें सरकार द्वारा बनायी गयी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए नीति का निर्धारण करना.
- समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए ट्रांसजेंडरों को रोजगारपरक प्रशिक्षण की सुविधा दी जाएगी.
- राज्य विधिक सेवा प्राधिकार से समन्वय स्थापित कर ट्रांसजेंडर के संवैधानिक अधिकारों की हर हाल में रक्षा की जाएगी.
- ट्रांसजेंडर के साथ कार्यस्थल और सार्वजनिक स्थलों पर हो रही हिंसा, उनका शोषण रोकने लिए भी काम किया जाएगा.

सीसीएल का निरीक्षण अभियान शुरू

संवाददाता। रांची

कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया लिमिटेड के तत्वावधान में निरीक्षण अभियान शुरू किया गया. सीवीओ पकंज कुमार के नेतृत्व मे सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सतर्कता विभाग द्वारा संचालन विभाग के सहयोग से सीसीएल खदानों में एक विशेष निरीक्षण अभियान शुरू किया गया. चार जुलाई को शुरू हुई यह पहल अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगी. अभियान के दूसरे दिन सीसीएल सीवीओ पंकज ने सतर्कता अधिकारियों की एक टीम के साथ बरका-सयाल क्षेत्र की उरीमारी खदानों का निरीक्षण किया और निवारक सतर्कता बढ़ाने के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए. इसके तहत सीसीएल के 10 कमांड क्षेत्रों के 12 खदानों में निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा. जिसमें विशेष टीमें किसी भी सुरक्षा उल्लंघन की पहचान करने और उसे सुधारने के लिए गहन निरीक्षण करेंगी. इस अभियान का मुख्य उद्देश्य खदानों के भीतर अनाधिकृत प्रवेश और निकास का जांच करना है. इस निवारक कदम से कोयला संसाधनों की सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा और सीसीएल की महत्वपूर्ण संसाधन एवं संपत्तियों की सुरक्षा होगी. सीवीओ ने कहा कि इस निरीक्षण अभियान से हमारी सतर्कता बढ़ाने के साथ ही हमारी संपत्तियों को अवैध गतिविधियों से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा. बता दें कि अनाधिकृत प्रवेश और निकास बिंदुओं की निगरानी के लिए सीसीएल के विभिन्न खदानों में ड्रोन कैमरे लगाए गए हैं.

खदानों का निरीक्षण करते सीसीएल के पदाधिकारी.

सरकार भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दे रही : आजसू

रांची। आजसू पार्टी ने हल्ला बोल कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को विभिन्न प्रखंड व नगर इकाई कार्यालयों में संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन के माध्यम से आम लोगों को आ रही समस्याओं के त्वरित निष्पादन के लिए आग्रह किया गया. आजसू कार्यकर्ताओं ने कहा कि जनता की परेशानी से राज्य सरकार को कोई लेना-देना नहीं है. सरकार भ्रष्टाचार को बढ़ावा और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने में व्यस्त है. राज्य में व्याप्त कथित अराजकता के खिलाफ आजसू पार्टी का हल्ला बोल कार्यक्रम शुक्रवार को नौवें दिन रांची के रातू और ओरमांझी, गिरिडीह जिला के गिरिडीह, रामगढ़ के मांडू, हजारीबाग के बड़कागांव, दुमका के दुमका प्रखंड, बोकारो के जरीडीह और नावाडीह, पूर्वी सिंहभूम के जमशेदपुर आदि शहरों में किया गया.

कोर्ट की खबरें

निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल से जुड़े मामले में हुई गवाही

रांची। मनरेगा घोटाले की राशि का मनी लाउंड्रिंग के आरोप में जेल में बंद निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल से जुड़े मामले में पीएमएलए कोर्ट में शुक्रवार को गवाही दर्ज हुई. ईडी की ओर से जारी गवाह पंतजलि मिश्रा की गवाही दर्ज की गई. गवाही पूरी होने के बाद बचाव पक्ष की ओर से जिरह किया गया. गवाह ने ईडी को दिए बयान को कोर्ट में कहा. गवाही के दौरान जेल में बंद पूजा सिंघल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थिति होकर सुन रही थीं. अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 10 जुलाई निर्धारित की है. ईडी ने मामले में अब तक 13 गवाहों को प्रस्तुत कर चुकी है. पूजा सिंघल 25 मई 2022 से जेल में है.

छवि सहित समेत सात की हिरासत अवधि बढ़ी

रांची। चेशायर होम रोड की एक एकड़ जमीन की बिक्री से जुड़े मनी लाउंड्रिंग मामले में आरोपित रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन सहित सात की न्यायिक हिरासत अवधि पीएमएलए कोर्ट ने दो सप्ताह के लिए बढ़ा दी है. इससे पूर्व जेल में बंद आरोपितों को वीडियो कांफ्रेंसिग के माध्यम से शुक्रवार को पेश किया गया. अदालत ने अगली पेशी की तिथि 19 जुलाई निर्धारित की है. वर्तमान में यह मामला आरोप गठन के बिंदु पर सुनवाई पर लंबित है. आरोपितों को पुलिस पेपर सौंप दिया गया है. मामले में रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, प्रेम प्रकाश, भरत प्रसाद, राजेश राय, इम्तियाज अहमद, अफसर अली और मो सद्दाम न्यायिक हिरासत में है. जबकि कारोबारी विष्णु अग्रवाल को हाई कोर्ट से जमानत प्राप्त है. वहीं एक आरोपित पुनीत भार्गव फरार चल रहा है.

धौनी से 15 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में कोर्ट में हाजिर नहीं हुए आरोपी

रांची। पूर्व भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धौनी से धोखाधड़ी को लेकर दर्ज मामले में सिविल कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई. समन जारी होने पर भी न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडेय की अदालत में अरका स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड एंड मैनेजमेंट लिमिटेड के मिहिर दिवाकर और उसकी पत्नी सौम्या दास ने उपस्थिति दर्ज नहीं कराई. अदालत ने अगली उपस्थिति की तिथि 20 जुलाई निर्धारित की है. उस दिन स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से अदालत में पक्ष रखने को कहा है. अदालत ने पिछली सुनवाई में आरोपितों के खिलाफ पर्याप्त सबूत रहने के कारण संज्ञान लिया था. दोनों आरोपितों पर धोखाधड़ी करके धौनी को 15 करोड़ रुपए की आर्थिक क्षति पहुंचाने का आरोप है. धौनी की ओर से सीमांत लोहानी ने शिकायतवाद दर्ज कराया है. दूसरी ओर, इस मामले में आरोपितों को पूर्व में न्यायायुक्त की अदालत से अग्रिम जमानत याचिका की सुविधा मिल चुकी है.

मो. इरशाद की जमानत पर सुनवाई पूरी

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े बड़गाईं की 8.86 एकड़ जमीन घोटाला मामले के आरोपित मोहम्मद इरशाद की जमानत याचिका पर शुक्रवार को कोर्ट में सुनवाई हुई. पीएमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत में दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी हो गई. मामले में कोर्ट 10 जुलाई को फैसला सुनाएगा. उल्लेखनीय है कि 16 अप्रैल को जमीन कारोबारी मोहम्मद इरशाद, विपिन सिंह, प्रियरंजन सहाय और जेएमएम नेता अंतू तिर्की को ईडी ने गिरफ्तार किया था. इससे पहले 15 अप्रैल को ईडी ने जेएमएम नेता अंतू तिर्की सहित कई जमीन कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की थी. गिरफ्तारी के बाद से ये सभी जेल में बंद हैं. मो. इरशाद की ओर से गत 15 जून को जमानत याचिका दाखिल की गयी है.

दाहू यादव के बेटे की बेल पर 19 को सुनवाई

रांची। साहिबगंज जिला में हुए 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा के अवैध खनन मामले में दाहू यादव के बेटे राहुल यादव की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई. आंशिक सुनवाई के बाद कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 19 जुलाई की तिथि निर्धारित की है. राहुल को बेल देने से रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट इनकार कर चुका है. जिसके बाद उसने हाईकोर्ट में गुहार लगाई है. राहुल फिलहाल न्यायिक हिरासत में है.

तैयारी विश्व आदिवासी दिवस पर 9-10 अगस्त के कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

कार्यक्रम के लिए इवेंट टीम का होगा गठन: राहुल सिन्हा

संवाददाता। रांची

जिले के डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने समाहरणालय में 9 से 10 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में प्रस्तावित राज्य स्तरीय समारोह को लेकर बैठक की. कार्यक्रम का आयोजन भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में किया जायेगा. बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा और तैयारी को लेकर विचार-विमर्श किया गया. इस कार्यक्रम के लिए कोषांग और इवेंट टीम का जल्द गठन करने की बात कही गई. डीसी ने आयोजन स्थल पर पिछले वर्ष के अनुभवों के साथ और बेहतर तैयारी किस प्रकार हो इस पर मंथन किया. कार्यक्रम के दौरान यहां लगने वाले स्टॉल, फ़ूड स्टॉल, पार्किंग व्यवस्था, साफ-सफाई, बिजली व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, अग्निशमन व्यवस्था अन्य सभी व्यवस्था, दूसरे जिलों से कार्यक्रम में शामिल होने आये कलाकारों के भोजन, पानी, रहने की व्यवस्था की समीक्षा की गई.

बैठक में विश्व आदिवासी दिवस पर दो दिवसीय जनजातीय महोत्सव में अन्य राज्यों की जनजातीय संस्कृति, संगीत, नृत्य, साहित्य, इतिहास, कला एवं हुनर, उनकी अलग-अलग आर्थिक क्रिया, खेलकूद क्षेत्र की विशेषताओं के समायोजन पर भी चर्चा की गयी. डीसी ने कहा कि यह कार्यक्रम झारखंड की लोक संस्कृति, यहां के लोगों की ऐतिहासिक विरासत को विश्व के मानचित्र पर दिखाने के लिए बहुत बड़ा माध्यम है. इसके लिए इसे भव्य बनाने के लिए हर व्यवस्था बेहतर कराने को लेकर तैयारी शुरू करने को कहा. लोग दूसरे देशों की जनजातीय संस्कृति को देख सकें इसके लिए डीसी ने कार्यक्रम के दौरान एक प्रदर्शनी लगाने को कहा. जिससे झारखंड और अन्य राज्यों से आए लोग दुनिया के कई देशों की जनजातीय संस्कृति से रूबरू हो सकें.

राज्यस्तरीय समारोह को लेकर बैठक करते उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा.

कार्यक्रम के स्वरूप में नवीनता लाने का प्रयास करें

डीसी ने कहा कि कार्यक्रम के स्वरूप में नवीनता लाने का प्रयास करें. इसके लिए दूसरे देशों के जनजातीय समूह को भी इस राज्यस्तरीय कार्यक्रम में शामिल करने का प्रयास करें, बैठक में आदिवासी कल्याण आयुक्त अजयनाथ झा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर आईटीडीए संजय कुमार भगत, उप निदेशक आदिवासी कल्याण आयुक्त कार्यालय संगीता शरण, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक, जिला नज़ारत उप समाहर्ता सुदेश कुमार आदि उपस्थित थे.

तापमान
29.2° अधिकतम | 23.5° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, शनिवार 06 जुलाई 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 2, अंक : 88 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

- दर्शन-पूजन को उमड़ेंगे श्रद्धालु
- 108 दीपो से होगी मंगल आरती
- मालपुआ और मिष्टान्न लगेगा भोग

नेत्रदान आज, दर्शन देंगे भगवान जगन्नाथ

राजन बॉबी। रांची

आषाढ़ शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा शनिवार को जगन्नाथ स्वामी का एकांतवास समाप्त होगा. भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा संग भगवान मंदिर के गर्भ गृह से बाहर आयेंगे. शाम चार बजे विग्रहों का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नेत्रदान अनुष्ठान किया जायेगा. शाम पांच बजे प्रभु के सर्वदर्शन शुलभ होते ही पुजारी 108 दीपों से मंगल आरती उतारेंगे, जगन्नाथ अष्टकम और गीता के द्वादश अध्याय का पाठ कर भगवान की स्तुति करेंगे. भगवान जगन्नाथ को मालपुआ सहित अन्य मिष्ठान्नों का भोग लगाया जायेगा, इसमें भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ेंगे. दोपहर बाद से ही मंदिर में दर्शनार्थियों का तांता लगा रहेगा. भक्तगण रात नौ बजे तक अपने इष्ट का दर्शन-पूजन करेंगे. रात नौ बजे शयन आरती के बाद पट बंद हो जायेगा. भगवान दर्शन मंडप पर ही रात्रि विश्राम करेंगे. मंदिर के पुजारी कौस्तुभ मिश्रा ने बताया कि एकातंवास के दौरान शिल्पकार विग्रहो का नेत्र नहीं बनाते. 15वें दिन विग्रहो का नेत्रदान अनुष्ठान पुरोहितो ही संपन्न कराते हैंः यह परंपरा वर्षो से चली आ रही है.

घुरती रथ यात्रा 17 को : मौसी बाड़ी में 16 जुलाई तक भगवान जगन्नाथ का दर्शन-पूजन चलेगा. 17 जुलाई को घुरती रथ यात्रा निकाली जायेगी. इसी के साथ भगवान जगन्नाथ का ऐतिहासिक रथयात्रा उत्सव संपन्न हो जायेगा. मंदिर के पुजारी रामेश्वर पाढ़ी ने बताया कि इस दौरान सुबह छह बजे मंगल आरती उतारी जायेगी. बाल भोग लगाया जायेगा. दोपहर 12 बजे अन्न भोग लगेगा.

भगवान जगन्नाथ 15 दिनों के एकांतवास के बाद आज आएंगे बाहर

भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ 15 दिनों के एकांतवास के बाद शनिवार को बाहर आएंगे. इतने दिनों तक भगवान की प्रतिमा का अलौकिक श्रृंगार किया गया. शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नेत्रदान होगा. फिर भगवान भक्तों को दर्शन देंगे। भगवान के दर्शन के लिए दोपहर दो बजे से भक्तों की भीड़ जुटने लगेगी. शाम चार बजे नेत्रदान अनुष्ठान शुरू होगा. फिर 108 दीपों से मंगलआरती, जगन्नाथ अष्टकम, गीता के द्वादश अध्याय का पाठ और भगवान की स्तुति की जाएगी. भगवान जगन्नाथ को मालपुआ सहित अन्य मिष्ठानों का भोग लगाया जाएगा. शनिवार को भगवान रात नौ बजे तक दर्शन मंडप में दर्शन देंगे और यहीं रात्रि विश्राम करेंगे.

कल निकलेगी रथ यात्रा, मौसी घर जाएंगे भगवान

आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया सात जुलाई को श्रीजगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलराम रथारूढ़ हो मौसी बाड़ी जायेंगे. पुरोहित कौस्तुभ मिश्र ने बताया कि सुबह चार बजे महाआरती उतारी जायेगी. पांच बजे से पूजन और दर्शन का सिलसिला शुरू होगा, जो दोपहर बाद तक चलेगा. दिन के दो बजे सभी विग्रहों को बारी-बारी से रथारूढ़ किया जायेगा. रथ के ऊपर सभी विग्रहों का श्रृंगार होगा. श्रीविष्णु सहस्त्रनाम अर्चना की जायेगी. शाम पांच बजे रथयात्रा शुरू होगी. भक्त रस्सी के सहारे रथ को खींच कर मौसीबाड़ी लायेंगे, जहां महिलाएं भगवान की पूजा करेंगी. शाम सात बजे तक सभी विग्रहों को मौसीबाड़ी में रखा जायेगा. फिर आरती और भोग निवेदन होगा. रात आठ बजे भगवान का पट बंद कर दिया जायेगा.

सज-धज कर तैयार हुआ जगन्नाथपुर मेला परिसर, तीन हजार दुकानें

शुभम किशोर। रांची

राजधानी रांची के धुर्वा में रविवार से ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेला शुरू होने वाला है. लगभग दो किलोमीटर क्षेत्र में तीन हजार छोटी-बड़ी दुकानें और 30 से ज्यादा झूले लगे हैं. झूले लगाने और दुकानें सजाने का कम लगभग पूरा हो चुका है. मिठाइयों और बर्तन की दुकानें सज चुकी हैं. इस बार मेले का टेंडर 1.92 करोड़ में पटना की कंपनी मार्केटिंग एंड एंटरटेनमेंट ने ली है. दुकानदारों से उनकी दुकान के साइज के अनुसार दो से तीन हजार रुपये रनिंग फीट की दर से किराया वसूला जा रहा है. मौसीबाड़ी क्षेत्र में दो हजार से से तीन हजार रुपये रनिंग फीट, न्यू कॉलोनी क्षेत्र में 2500 रुपये रनिंग फीट लिया जा रहा है. जानकारी के अनुसार झूला वालों से प्रॉफिट का 60 प्रतिशत लेने पर सहमित बनी है. वहीं फुटपाथ पर दुकान लगाने के लिए एक हजार रुपये रनिंग फीट लिया जा रहा है. इस बार गोलगप्पा, चाउमिन, छोला भटुरा लगाने वाले ठेला के लिए किराया तय कर दिया गया है. जानकारी के अनुसार गोलगप्पा और चाउमिन के ठेले से 12 हजार और छोला भटुरा वालों से 15 हजार रु लिए जायेंगे. वहीं फेरी वालों से 100 रुपये वसूले जायेंगे.

30 से ज्यादा झूले

पहली बार मेले में फ्रीसबी व सुनामी झूले, टोरा-टोरा, ब्रेक डांस, ड्रेगन भी

जगन्नाथपुर रथ मेला में इस साल पहली बार फ्रीसबी और सूनामी झूला लगाया गया है. इसके अलावा आसमानी झूला, दो मौत का कुआं, टोरा-टोरा, ब्रेक डांस, ड्रेगन, नाव, ट्रेन, बच्चों के लिए घोड़ा गाड़ी, मिक्की माउस झूले भी लगाये गये हैं.

सुरक्षा को लेकर लगाए गए हैं 50 सीसीटीवी कैमरे

सात जुलाई को रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे. रथ यात्रा के दौरान मंदिर परिसर और मेले में लगभग एक हजार से अधिक महिला- पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी. इसके अलावा 12 से अधिक दंडाधिकारी भी तैनात रहेंगे. सुरक्षा को लेकर सात जगहों पर बैरिकेडिंग की जा रही है. 50 सीसीटीवी कैमरे, चार ड्रोन और पांच वॉच टावर से मेले की निगरानी की जाएगी. राजकीय मध्य विद्यालय को अग्निशमन केंद्र बनाया गया है.

अब मेले में झूला झूलने के लिए 80 से 100 रुपये तक खर्च करने होंगे

इस बार झूले का लुत्फ उठाने के लिए भी मेला घूमनेआने वालों को ज्यादा पैसों का भुगतान करना होगा. यानि झूला झूलना थोड़ा महांगा होगा. जानकारी के अनुसार बड़े झूलों के टिकट की कीमत 80 से 100 रुपये तक रहेगी, जबकि छोटे झूले का आनंद 20 से 60 रुपये खर्च कर उठा सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

राज्यपाल ने विस के विशेष सत्र को दी मंजूरी

रांची। राजपाल सीपी राधाकृष्णन ने झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र आठ जुलाई को आहूत करने के लिए मंजूरी दे दी है. विधानसभा का विशेष सत्र पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होगा. इस दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बहुमत साबित करेंगे. एक दिन चलने वाले विशेष सत्र के संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है.

डीएवी की अदिति, सृष्टि और मधुर पुरस्कृत हुए

रांची। डीपीएस बोकारो के तत्वावधान में आयोजित आर्य भट्ट मैथ्स ओलंपियाड में एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल, पुंदाग की नवम कक्षा की छात्रा अदिति कुमारी ने प्रथम पुरस्कार स्वरूप 1500 रुपए प्राप्त करके विद्यालय का मान बढ़ाया. साथ ही ब्लूम्स स्कूल ओलंपियाड 2023 – 2024 में तृतीय कक्षा की सृष्टि सिंह ने इंग्लिश ओलंपियाड में राष्ट्रीय स्तर पर ताम्र पदक तथा चतुर्थ कक्षा के मधुर सिन्हा ने राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक प्राप्त करके विद्यालय का मान बढ़ाया.

हाथरस हादसे का मुख्य आरोपी मधुकर गिरफ्तार

रांची/ दिल्ली। हाथरस भगदड़ के बाद हुए हादसे का मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर को शुक्रवार की रात दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया. उसे दिल्ली के उत्तम नगर से गिरफ्तार किया गया है. उस पर पुलिस ने एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया था. मधुकर कथावाचक सूरज पाल उर्फ भोले बाबा का मुख्य सेवादार है. भोले बाबा के वकील एपी सिंह ने हालांकि दावा किया है कि मधुकर को यूपी पुलिस और एसटीएफ के सामने सरेंडर कराया गया है. वकील ने कहा कि वह हार्ट का मरीज है. उसका इलाज दिल्ली में चल रहा था.

अप्रैल से शुरू हो चुका है सत्र, किताबें शिक्षा विभाग के कार्यालय में पड़ी हैं

सरकारी स्कूलों में नहीं बंट पाईं किताबें

कौशल आनंद। रांची

वर्तमान सत्र का करीब चार महीने पूरे होने को हैं. मगर अब तक जैक बोर्ड के अधीन चलने वाले रांची जिले के सरकारी स्कूलों में बच्चों को किताबें नहीं दी गयी हैं. यह किताबें अप्रैल में नया सत्र शुरू होते ही मार्च-अप्रैल के बीच बंट जानी चाहिए. मगर अब नहीं बंट पायी. इससे जैक के अधीन संचालित सरकारी स्कूलों के बच्चों का भविष्य क्या होगा. समझा जा सकता है. यानी राज्य के सरकारी स्कूलों के बच्चे बिना किताब के ही पढ़ाई करने को विवश हैं.

फरवरी से ही किताबें छप कर आनी शुरू हो गयी, मगर चुनाव का बहाना बनकार इसे नहीं बांटा गया : मिली जानकारी के अनुसार सरकारी स्कूल के लिए किताबें छप कर फरवरी से आनी शुरू हो गयी थी. विभिन्न जिलों में उसे पहुंचना भी शुरू हो गया था. मार्च तक करीब-करीब सारे जिलों में किताबें पहुंच चुकी थी. इसके बाद भी इसे नहीं बांटा गया. इसके बारे में जिम्मेवार अफसर से जब बात की गयी तो उन्होंने बताया कि चुनाव एवं अन्य कारणों के कारण इसके बंटने में देरी हुई.

जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय परिसर में पड़ी हैं किताबें : रांची जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय के संकूल भवन परिसर में किताबें पड़ी हैं. पहले तो यह खुले में पड़ी थी, मगर जब बारिश शुरू हुई तो उसे प्लास्टिक से ढंग दिया गया. इसके बावजूद बारिश से किताबों को भींगने का खतरा बना हुआ है. यानी की सरकारी स्कूल के बच्चों की किताबें कार्यालय परिसर की शोभा बढ़ा रही हैं.

रांची में इतने हैं सरकारी स्कूल

रांची में करीब माध्यमिक- हाई स्कूल,गैर सरकारी मान्यता प्राप्त और उत्क्रमित मिलाकर 139 सरकारी विद्यालय हैं. वहीं प्राइमरी विद्यालयों की संख्या करीब 164 हैं. यानी कि इतने स्कूल के बच्चे अब तक बिना किताबों के पढ़ने को विवश हैं.

क्या कहते हैं जिला शिक्षा पदाधिकारी

धीरे-धीरे बंट रही हैं. सारी किताबें एक बार छप कर नहीं आती हैं. बीच में लोकसभा चुनाव था. जिसमें अफसर और कर्मचारी व्यस्त थे. अगले 15 दिनों के अंदर सारी किताबें बंट जाएगी.

-विनय सिंह, डीईओ

दो अपराधी समेत चार गिरफ्तार

रांची। सीआईडी डीएसपी सरिता मुर्मू से कचहरी चौक के पास बाइक सवार अपराधियों ने गले से चेन लूट लिया था. एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल दो अपराधी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है. जिनमें लूट की घटना में शामिल फरहान अंसारी और जाहिद खान को गिरफ्तार किया गया है. वहीं लूटी हुई चेन खरीदने के आरोप में राजेश सोनी और मुकेश कुमार को भी रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया है. मामले में अजय सोनी अभी भी फरार है. गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही से लूटी हुई सोना के चेन के साथ 11500 रुपए को भी जब्त किया गया है.एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा और सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी.

सीआईडी डीएसपी से लूटकांड का खुलासा

हाईकोर्ट की कड़ी टिप्पणी

बिना दिमाग लगाये मजिस्ट्रेट ने आदेश पर साइन कर दिया, ट्रेनिंग पर भेजें

विधि संवाददाता। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय ने जमशेदपुर सिविल कोर्ट के एक न्यायिक दंडाधिकारी (ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट) के आदेश के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए गंभीर टिप्पणी की है. अदालत ने अपने आदेश में ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट को आदेश पारित करने से पहले सावधानीपूर्वक विचार करने पर जोर देने के साथ रविवार और अन्य छुट्टियों पर मजिस्ट्रेट के लिए प्रशिक्षण का सुझाव दिया है. दरअसल जमशेदपुर सिविल कोर्ट ने दुष्कर्म के एक आरोपी के खिलाफ कुर्की का इश्तेहार और वारंट जारी किया था. जिसके खिलाफ आरोपी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी.

आदेश को जारी रखना कानून की प्रक्रिया का दुरूपयोग होगा : इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में हुई. अदालत ने कुर्की के इश्तेहार और वारंट को रद्द करते हुए कहा कि अदालत को यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ने सीआरपीसी की धारा 82 के तहत इश्तेहार जारी करके अवैधता की है. उन्होंने कानून की अनिवार्य आवश्यकताओं का पालन किये बिना आदेश पारित किया है इसलिए, यह कानून में टिकाऊ नहीं है और इसे जारी रखना कानून की प्रक्रिया का दुरूपयोग होगा.

आदेश की कॉपी जमशेदपुर सिविल कोर्ट के प्रधान जिला जज को भेजने का निर्देश

अदालत ने अपने आदेश में गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि इस आदेश पर बिना दिमाग लगाये हस्ताक्षर कर दिये गये हैं, हाईकोर्ट ने रजिस्ट्रार जनरल को अपने इस आदेश की एक कॉपी जमशेदपुर सिविल कोर्ट के प्रधान जिला न्यायाधीश को भेजने का निर्देश दिया, और उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि संबंधित न्यायिक मजिस्ट्रेट भविष्य में इस तरह की जल्दबाजी और गैर-विचारणीय कार्रवाई से बचें.

रिम्स शनिवार को ओपीडी सुबह नौ से दोपहर 2 बजे तक खुला रहेगा, 24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं

ओपीडी से लेकर इनडोर तक एमआर की नो-इंट्री

आकर्ष अनिकेत। रांची

राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स में मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रबंधन ने कमर कस ली है. मरीजों के हित में और बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रबंधन निर्णय ले रहा है. इस क्रम में रिम्स प्रबंधन ने दवा कंपनियों के मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एमआर) की इंट्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी है. अस्पताल में ओपीडी से लेकर इनडोर तक मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव नहीं जा सकेंगे. दवा कंपनियों के एमआर के लिए सिर्फ शनिवार का दिन तय किया गया है. दोपहर दो बजे के बाद ही एमआर डॉक्टरों से मिल सकेंगे. शनिवार को ओपीडी दोपहर 2 बजे तक ही चलेगा. इसके बाद एमआर डॉक्टरों से मिल सकते हैं. हालांकि इमरजेंसी सेवाएं 24 घंटे जारी रहेंगी.

- **सिर्फ शनिवार को दिन के दो बजे के बाद ही ओपीडी में डॉक्टरों से मिल सकेंगे**

मरीजों के हित में रिम्स प्रबंधन ने ये निर्णय भी लिए

- एम्स, नई दिल्ली की तरह ही रिम्स का ओपीडी शनिवार सुबह नौ बजे से दोपहर 2 बजे तक खुला रहेगा.
- **रिम्स कैंपस के सभी मेडिकल स्टोर शनिवार की भी शाम 5 बजे तक खुले रहेंगे.**
- सेंट्रल इमरजेंसी में आनेवाले मेडिको लीगल केस वाले मरीजों का रेडियोलॉजिकल टेस्ट (एक्स-रे/सी.टी. स्कैन) नि:शुल्क किया जाएगा.
- **किसी भी तरह की जांच के अभाव में ट्रॉमा मरीजों को भर्ती करने और उनका इलाज करने से किसी भी कीमत पर रोका नहीं जाएगा.**

- मेडिकल सुपरिंटेंडेंट के अलावा एक एडिशनल मेडिकल सुपरिंटेंडेंट और एक डिप्टी मेडिकल सुपरिंटेंडेंट की नियुक्ति की जाएगी.
- **नाक, कान एवं गला विभाग में ऑडियोमेट्री जांच सुविधा के लिए दो ऑडियोमेट्री मशीन की खरीदारी की जाएगी.**
- मशीन चलाने के लिए योग्यतानुसार प्रशिक्षित कर्मी की नियुक्ति आउटसोर्स एजेंसी के जरिए या कांट्रैक्ट पर की जाएगी.
- **आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों को हर हाल में बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी.**
- जरूरत के अनुसार आउटसोर्स व्यवस्था के तहत 15 कंप्यूटर ऑपरेटर,12 लैब टेक्निशियन और 25 वार्ड अटेंडेंट रखे जाएंगे.

सेना भर्ती रैली 27 जुलाई से 10 अगस्त तक खेलगांव में

सदर एसडीओ ने किया निरीक्षण

रांची । सेना भर्ती की सभी तरह की तैयारियों का जायजा लेने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) रांची उत्कर्ष कुमार और अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक ने आयोजन स्थल खेलगांव पहुंचे. उन्होंने भर्ती रैली को लेकर जरूरी तैयारियों के संबंध में जानकारी ली. झारखंड के युवाओं के लिए सेना भर्ती रैली 27 जुलाई से 10 अगस्त 2024 तक रांची में आयोजन होना है. यह भर्ती रैली वर्ष 2024-25 के लिए होगी. सेना भर्ती रैली की तैयारी जोर शोर से शुरू हो गई है. सेना भरती कार्यालय रांची और जिला प्रशासन साथ मिलकर ग्राउंड और रेस्ट एरिया, मार्शलिंग, रन ट्रैक, डॉक्यूमेंटेशन स्थल, मेडिकल जांच स्थल का चयन किया गया. सेना भर्ती रैली में जिला प्रशासन की ओर से पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया गया. इस दौरान निदेशक सेना भर्ती रांची कर्नल विकास भोला, जिला नज़ारत उप समाहर्ता डॉ सुदेश कुमार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

हाथियों के झुंड ने दर्जनों किसानों का बिचड़ा रौंदा

तमाड़। प्रखंड क्षेत्र के सारजमडीह गांव में 12 हाथियों के झुंड नेदर्जनों किसानों के तैयार धान के बिचड़े को खाने के साथ रौंदकर नष्ट कर दिया. हाथियों ने गुरुवार की रात लगभग 10 बजे से दो बजे तक उत्पात मचाया. पीड़ितों में जिला परिषद सदस्य दिलीप सेठ, भूसा अहीर, दिलीप सेठ, संजय सेठ, प्रदीप सेठ और बुधराम सेठ सहित दर्जनों किसान शामिल हैं.

सांसद से पानी टंकी बनवाने की मांग रखी

रातू। राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश को ज्ञापन सौंपकर लोगों ने रातू चट्टी स्थित पीएचईडी कार्यालय प्रांगण में जलमीनार बनाने की मांग की. ज्ञापन में कहा गया है क्यों 1975 से रांची के चार पंचायतों में घर-घर जलापूर्ति की जाती थी. जर्जर पंप हाउस एवं पाइप में व्यापक टूट फूट के बावजूद यहां से आज तक लगभग 10 घरों में जलापूर्ति की जा रही है.

कांके में हुई चोरी के एक आरोपी को लोगों ने दबोचा

कांके। थाना क्षेत्र के जयपुर गांव में डेढ़ लाख रुपये नगद सहित साढ़े तीन लाख का जेवरात चुराकर भाग रहे आरोपी को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. वहीं उसका साथी दिलीप कुमार महतो भाग निकला. घटना मंगलवार की शाम पांच बजे की है. पकड़ा गया आरोपी अरुण कुमार शर्मा रांची के मधुकम निवासी है.

ओरमांझी के उपमुखिया की मां का निधन, शोक

ओरमांझी। ओरमांझी पंचायत के उपमुखिया संतोष गुप्ता के मां चमेली देवी का निधन हो गया. सूचना प्राप्त होते ही राज्य सभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू, पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, पूर्व विधायक रामकुमार पहान, शिव शिष्य परिवार के अर्चित आनंद, प्रमुख अनुपमा देवी, पूर्व उपप्रमुख जयगोविंद साहू,सांसद प्रतिनिधि राजेश गुप्ता, मुखिया दीपक बडाईक आदि ने शोक व्यक्त किया .

स्वास्थ्य कर्मियों को लक्ष्य हासिल करने के दिए निर्देश

मांडर। प्रखंड मुख्यालय में शुक्रवार को आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम को लेकर रांची के सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने स्वास्थ्यकर्मियों के साथ बैठक की. उन्होंने ने स्वास्थ्यकर्मियों को मांडर प्रखंड में चार जुलाई से 30 सितंबर तक नीति आयोग के संपूर्णता अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग के अधीन तीन सूचकांक को शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए दिशा-निर्देश दिया.

67 विद्यार्थियों के बीच साइकिल का वितरण

बुढ़मू। प्रखंड मुख्यालय में शुक्रवार को कल्याण विभाग के मद से 67 विद्यार्थियों के बीच विधायक समरीलाल ने साइकिल बांटी. उन्होंने छात्र-छात्राओं को शिक्षा का महत्व समझाते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया. मौके पर प्रमुख सत्यनारायण मुंडा, बीडीओ धीरज कुमार, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी नंदकिशोर जायसवाल, जिप सदस्य मनोज वाजपेयी और रामजीत गंझू आदि शामिल थे.

दो बाइक के बीच हुई टक्कर,दो घायल

अनगड़ा। अनगड़ा-गेतलसूद मार्ग के नारायण सोसो के पास दो बाइक की टक्कर में दोनों चालक गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना शुक्रवार की शाम लगभग साढ़े छह बजे की है. वहीं रास्ते से गुजर रहे भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेन्द्र कुमार ने घायलों को शालिनी अस्पताल में भर्ती कराया है. बताया जाता है कि झरना पानी निवासी विजय मुंडा बाइक से अनगड़ा सेगेतलसूद की ओर जा रहा था.

ओरमांझी बाजार को मॉडल डेली मार्केट बनाने की मांग

ओरमांझी । पार्टी के कार्यक्रम में आए केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को ओरमांझी पंचायत के मुखिया दीपक बडाईक, अमरनाथ चौधरी, दिलीप मेहता व ग्राम प्रधान दिनदयाल के संयुक्त नेतृत्व में मांग पत्र सौंपा. मांगपत्र में ओरमांझी थाना के पास आधुनिक मॉडल डेली मार्केट बाजार बनाने की मांग की है . कहा गया कि इस डेली मार्केट बनाएं जाने से किसानों को सुविधा तो होगी .

राहे में साईं पेट्रोल पंप का हुआ उद्घाटन

राहे । प्रखंड के बड़ा तालाब के सामने शुक्रवार को भारत पेट्रोलियम के अधीन साई पेट्रोल पंप का विधिवत उद्घाटन विधायक सुदेश महतो ने किया. इस अवसर पर विधायक सुदेश महतो ने कहा कि पेट्रोल पंप खुलने लोगों को काफी सहूलियत होगी. लोगों को अब पेट्रोल - डीजल के लिए 15 किमी दूर नहीं जाना पड़ेगा.

रांची पुलिस ने दो ज्वेलरी शॉप लूटकांड में शामिल चार अपराधियों की तस्वीर जारी की

सुराग देने वाले को मिलेगा 50-50 हजार का इनाम

संवाददाता। रांची

पंडरा और डेली मार्केट थाना क्षेत्र स्थित ज्वेलरी शॉप में हुए लूटकांड में शामिल चार अपराधियों की रांची पुलिस ने तस्वीर जारी की है. एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए ने लूटकांड में शामिल अपराधियों की तस्वीर जारी की है. जून 2022 में डेली मार्केट थाना में हुए अरविंद ज्वेलर्स में लूटकांड और मालिक राजेश पॉल की हत्या में शामिल एक अज्ञात अपराधी की तस्वीर जारी की गयी है. वहीं पंडरा ओपी क्षेत्र के बजरा स्थित पंचवटी ज्वेलर्स में हुए लूटकांड में से शामिल तीन अपराधियों की तस्वीर जारी कर इनाम की घोषणा की गई है. जिन अपराधियों की तस्वीर जारी की गयी है, उसमें पलामू जिले का रहने वाला आनंद कुमार, मोनू सोनी और बाबूलाल चंद्रवंशी शामिल है. इन सभी अपराधियों पर 50-50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है.

अपराधियों की पुलिस ने जारी की तस्वीर.

जानकारी देने की अपील : एसएसपी चंदन सिन्हा ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा है कि यह अपराधी आपके क्षेत्र में या आपके आसपास नजर आते हैं, तो इसके संबंध में रांची पुलिस को सूचना दें और इन अपराधियों के बारे में सही सूचना देने वाले व्यक्ति को रांची पुलिस के द्वारा 50 हजार रूपया का इनाम दिया जाएगा. साथ ही सूचना देने वाले का नाम पता गोपनीय रखा जाएगा.

पंडरा से 40 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

रांची। पंडरा ओपी पुलिस ने जतरा मैदान के समीप से 40 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर संदीप तिर्की को गिरफ्तार किया है. वह पंडरा के बजरा का रहने वाला है. इसके पास से 40 पुडिया ब्राउन शुगर, 5340 रुपये नकद और एक मोबाईल फोन बरामद किया गया है. एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पंडरा के जतरा मैदान के समीप ब्राउन शुगर की बिक्री की जा रही है. सूचना के बाद कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया. टीम ने उक्त स्थान पर छापेमारी की.

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में कैदी ने आत्महत्या कर ली

संवाददाता। रांची

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में एक विचाराधीन कैदी ने शुक्रवार को आत्महत्या कर लिया. कैदी की पहचान मंगरा उरांव नाम के रूप में हुई है. वहां साल 2017 से ही जेल में बंद था. उस पर अपनी पत्नी की हत्या का आरोप था. खेलगांव पुलिस शव को कब्जे में लेकर इस मामले की जांच में जुट गयी है. मंगरा उरांव ने शुक्रवार को जेल के बाथरूम में आत्महत्या कर ली. जेल प्रशासन के अनुसार, मंगरा उरांव 2017 से ही जेल में बंद था. शुक्रवार की सुबह मंगरा उरांव बाथरूम गया था. काफी देर तक जब वह बाथरुम से बाहर नहीं निकला, तब दूसरे कैदियों ने अंदर जाकर देखा तो वह बाथरूम की खिड़की पर वह बेजान अवस्था में मिला. इस मामले की जानकारी मिलने के बाद खेलगांव पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मजिस्ट्रेट की निगरानी में पोस्टमार्टम के लिए रिम्स अस्पताल भेज दिया है. लोहरदगा जिला का रहने वाला मंगरा उरांव अपनी पत्नी के हत्या के आरोप में जेल में बंद था. पत्नी की हत्या के आरोप में उसे गिरफ्तार किया गया था, अभी वह अंडर ट्रायल ही था.

सोने की चेन छिनतई का आरोपी गिरफ्तार

रांची। बरियातू थाना पुलिस ने महिला से सोने की चेन छिनतई करने के मामले में एक अपराधी को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधी का नाम मो. आसिफ अंसारी है. वह लोअर बाजार थाना क्षेत्र के कसाई मुहल्ला का रहने वाला है. एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को बताया कि गत 24 मार्च को बरियातू निवासी प्रभात कुमार झा की पत्नी निशा झा के गले से अज्ञात अपराधियों ने सोने की चेन छीन कर फरार हो गये थे. मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया. टीम ने अनुसंधान के क्रम में रिम्स कैम्पस से आरोपित को गिरफ्तार किया.

काम के दौरान करंट लगने से निर्माण मजदूर की मौत

संवाददाता। रांची

निर्माण मजदूर सौरभ कुमार भदानी, पिता विजय कुमार गुप्ता उम्र 22 वर्ष की मौत आज काम के दौरान विद्युत करंट लगने से हो गई. वह गिरिडीह जिला के राजधनवार थाना अन्तर्गत डोरंडा का रहने वाला था. कोकर के विवेकानन्द कॉलोनी में शिव शंकर सिंह के घर में विगत 5 जुलाई को विद्युत करंट लगने से वह गंभीर रुप से घायल हो गया था. घायल अवस्था में इसे तुरन्त इलाज के लिए रिम्स ले जाया जहां दुसरे दिन उनकी मौत हो गई. मिस्त्री सौरभ की मौत के बाद रिम्स परिसर में ही मृतक के परिजनो निर्माण मजदूर यूनियन के नेताओं की मौजूदगी में समझौता हुई मृतक के परिजनो को दो लाख रूपये भुगतान किया गया, तब जाकर परिजनो ने शव को अंत्येष्ठि के लिए अपना गांव गिरिडीह लेकर गए.यूनियन प्रदेश महासचिव भुवनेश्वर केवट, और भीम साहू ने बताया की सेफ्टी कीट और सुरक्षा मानकों की जानकारी के आभाव में मजदूर मौत के शिकार हो रहे हैं. मजदूरों को कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों के बारे में जागरूक करना जरूरी है.

माओवादियों के दो बड़े जोनल कमांडर ने किया आत्मसमर्पण

आशीष टैगोर। लातेहार

लातेहार पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. माओवादियों के दो बड़े जोनल कमांडर नीरज सिंह खरवार उर्फ संजय खरवार और सालमन उर्फ लोकेश गंझू उर्फ राजकुमार गंझू ने शुक्रवार को पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया. दोनों पर 10-10 लाख रुपए का इनाम था. दोनों नक्सली कमांडरों पुलिस डीआईडी पलामू वाईएस रमेश, उपायुक्त गरिमा सिंह व एसपी अंजनी अंजन के समक्ष पुलिस मुख्यालय में सरेंडर किया. मौके पर सीआरपीएफ के कमाडेंट केडी जोशी व बीपी त्रिपाठी मुख्य रूप से मौजूद थे.

डीआईजी व अन्य अधिकारियों ने इन दोनों माओवादियों को बुके और शॉल भेंट कर सम्मानित किया और समाज की मुख्यधारा में लौटने की बधाई दी. मौके पर दोनों माओवादियों के परिजन मौजूद थे. सालमन ने पुलिस को बताया कि वह पिछले 22 सालों से माओवादियों के साथ रहा. माओवादियों के द्वारा लगातार दबाव दिये जाने के कारण वह भाकपा माओवादी में शामिल हुआ था. वह 2016 से बूढ़ा पहाड़ में छोटू खरवार के साथ काम कर रहा था. उसने लातेहार व लोहरदगा क्षेत्र के कई घटनाओं को अंजाम दिया है. जबकि नीरज गंझू ने बताया कि वह वर्ष 2004 में भाकपा माओवादी में शामिल हुआ था. 2013 में जोनल कमांडर बनाया गया. उसने 2013 में मेदिनीनगर-रांची मुख्य पथ पर पतकी जंगल में आइइडी लगाने, 2018 में बारेसांढ़ के कुजरूम जंगल में झारखंड जगुआर के साथ मुठभेड़ और अन्य कई प्रमुख वारदातों में शामिल रहा है.

दोनों पर है 10-10 लाख के इनाम

दोनों माओवादियों को मिले 10-10 लाख रुपए के चेक.

माओवादी कमजोर हुए हैं: एसपी

एसपी अंजनी अंजन ने कहा कि दोनों के सरेंडर करने से माओवादी कमजोर हुए हैं. कहा कि नक्सलियों और उग्रवादियों के विरुद्ध जिले में कई अभियान चलाया गया है. प्रमुख नक्सलियों को हथियार सरेंडर के लिए मजबूर किया. ऑपरेशन डबल बुल के दौरान रिजनल कमेटी सदस्य रवींद्र गंझू के दस्ते को सुरक्षा बलों ने पूरी तरह से तोड़ दिया है. अब तक दर्जनों माओवादियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है.

अन्य माओवादी भी कर दें सरेंडर: रमेश

डीआईजी वाईएस रमेश ने अन्य माओवादियों से भी सरकार की नई पुर्नवास नीति के तहत सरेंडर करने की अपील की. कहा कि नक्सलियों का सफाया हो चुका है. जो बचे हैं, वो रडार पर हैं. अगर सरेंडर नहीं करते, तो गोली के शिकार होंगे. डबल बुल और ऑपरेशन ऑक्टोपस क्षेत्र में चलाया गया है और इसमें माओवादियों को काफी क्षति उठानी पड़ी है. इस अभियान में सीआरपीएफ, कोबरा व झारखंड जगुआर व जिला बल की कंपनियां शामिल रही हैं.

मनरेगा कर्मियों ने सिल्ली विधायक को मांग पत्र सौंपा

सिल्ली/मुरी। मनरेगा कर्मियों ने शुक्रवार के दिन झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह सिल्ली विधायक को मांग पत्र सौंपा. मांग पत्र में कहा कि राज्य के मनरेगा कर्मियों की सेवा शर्त नियमावली में सुधार कर सेवा स्थायीकरण एवं वेतनमान का प्रावधान किया जाए.अपनी मांगों को लेकर हम सभी मनरेगा कर्मी तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल 18 जुलाई से 20 जुलाई तक करेंगे. वहीं स्थानीय विधायक ने मनरेगा कर्मियों को आश्वस्त किया कि हम आप लोगों के साथ हैं तथा सरकार को पत्राचार कर आप लोगों की मांगों से अवगत कराएंगे.

बेड़ों में सड़क हादसे में स्कूटी सवार की मौत

बेड़ो। थाना क्षेत्र के दिघिया गांव के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक स्कूटी सवार की मौत हो गई। घटना शुक्रवार की रात लगभग पौने 10 बजे की है. सूचना मिलने पर बेड़ो थाना के एएसआई अक्षय सिंह मौके पर पहुंचे और घायल युवक को 108 एंबुलेंस से सीएचसी बेड़ो भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद अज्ञात युवक को मृत घोषित कर दिया. वहीं पुलिस ने घटनास्थल से स्कूटी और शव बरामद कर थाने ले लाई. पुलिस युवक की पहचान करने में जुटी है.

मालवाहक वाहनों के कारण नहीं लगता है जाम,एंट्री मिले: जेसीपीडीए

- एसएसपी-डीएसपी से मिल कर डिलीवरी वैन को नो एंट्री से मुक्त करने का आग्रह किया : जेसीपीडीए

संवाददाता। रांची

आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति कार्य में संलग्न तीन पहिया मालवाहक वाहनों को शहर में नो इंट्री के समय प्रवेश और परिचालन की अनुमति मिलने में विलंब होने पर चिंता जताते हुए जेसीपीडीए ने कहा कि हाल के दिनों में डिलीवरी वैन से लूटपाट की घटनाएं घटित होने के बावजूद प्रशासन द्वारा इसपर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है. जेसीपीडीए के अध्यक्ष संजय अखौरी ने कहा कि संध्या 5 बजे से 7 बजे तक नो इंट्री के कारण मालवाहक वाहनों का परिचालन बाधित रहता है, नो इंट्री के कारण माल की आपूर्ति करने व गाड़ी वापस आने में भी देरी होती है, देर होने के कारण हाल ही में डोरंडा में एक डिलीवरी वैन से लूटपाट की घटना भी चिंतनीय है. जेसीपीडीए ने एसएसपी ट्रैफिक एवं डीएसपी ट्रैफिक से मिलकर डिलीवरी वैन को नो एंट्री से मुक्त करने का आग्रह किया गया था. ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रैफिक जाम लगने की आशंका के कारण ही अनुमति नहीं दी जा रही होगी, लेकिन राजधानी में ट्रैफिक जाम का कारण डिलीवरी वैन नहीं हैं, इसके अन्य कारण हैं. शहर में करीब 100 की संख्या में तीनपहिया मालवाहक वाहन हैं,जो अलग-अलग रूट पर चलते हैं.

कैबिनेट के निर्णय के बाद वित्त विभाग में जारी किया संकल्प

अब सरकारी सेवक भी कर सकेंगे हवाई यात्रा

विशेष संवाददाता। रांची

अब सरकारी सेवक भी हवाई यात्रा सरकारी खर्च पर कर सकते हैं. इसको लेकर कैबिनेट की बैठक के बाद वित्त विभाग में संकल्प जारी कर दिया.जारी संकल्प में कहा गया कि सरकारी कर्मी द्वारा समयाभाव के कारण विशेष परिस्थिति में वायुयान से यात्रा की जाती है.

मगर वायुयान से यात्रा करने की अनुमान्यता नहीं होने के कारण भुगतान में कठनाई होती है. जबकि सरकारी सेवा द्वारा सरकारी आदेश से यात्रा की जाती है. प्राकृतिक आपदाओं या विशेष परिस्थिति के दौरान कभी-कभी ऐसी परिस्थितियां होती है जिनके त्वरित समाधान के के लिए सरकार द्वारा प्राप्त निर्देश के आलोक में सरकारी सेवक एवं तकनीकी विशेषज्ञ को वायुयान से यात्रा करना जरूरी हो जाता है. जबकि ऐसी यात्रा की अनुमति नहीं होती है. अपराध नियंत्रण, अपराधियों की गिरफ्तारी तथा उन्हें सजा दिलाने और व्याक न्यायहित में समय की बचत, सुरक्षा के दृष्टिकोण से अपराधों की जांच करने वाली पुलिस टीमों एवं गिरफ्तार अभियुक्तों या आरोपी को वायुयान से यात्रा अनुमति देने का अनुरोध किया है. इसको देखते हुए अब सरकार ने सरकारी सेवक और कर्मी को अब वायुयान यात्रा की अनुमति प्रदान की है. इसको लेकर तत्कालीन चंपाई सोरेन सरकार ने 28 जून को कैबिनेट से निर्ण लिया था.

इस प्रकार मिलेगी सुविधा

पे लेवल/ग्रेड वेतन	किस श्रेणी में यात्रा
लेबल 15, 16 एवं 17 वेतनमान वाली सेवक	एज्क्युटीव श्रेणी
लेबल 12, 13,, 13 ए एवं 14 वेतनमान वाले सेवक	इकोनॉमी श्रेणी
लेबल 10 एवं 11 वेतनमान वाले सेवक	इकोनॉमी श्रेणी की यात्रा

विभागीय प्रधान के सचिव के शर्तों एवं नियमों के अनुसार

आयोजन विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया, सर्वसम्मति से रामा उरांव बने अध्यक्ष

विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जिम्मेवारी लेनी होगी : रामा उरांव

संवाददाता। लापुंग

विद्यालय विकास के लिए जब सरकार की नजरें और उम्मीद विद्यालय प्रबंधन समिति पर टिकी है तो हमारा भी कर्त्तव्य बनता है कि विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य के रुप में विद्यालय में आमूलचूल परिवर्तन, बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए हम काम करें. उक्त बातें शुक्रवार को लापुंग प्रखंड के ककरिया संकुल अन्तर्गत राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय खटंगा में विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामा उरांव ने कही. उन्होंने कहा कि जब सभी सदस्य मिल जुलकर काम करेंगे तो हमारे विद्यालय का भी विकास होगा. राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय खटंगा में विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन के लिए आयोजित आम सभा के सभापति के रूप में पूर्व अध्यक्ष एमियल खलखो ने बैठक की अध्यक्षता की जबकि संचालन विद्यालय के प्रधान शिक्षक और विद्यालय के संयोजक विनोद लकड़ा ने किया. इसके पूर्व विभागीय पर्यवेक्षक संकुल साधन सेवी सुनील कुमार गुप्ता की देखरेख में सर्वसम्मति से विद्यालय के विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया. सर्वसम्मति से रामा उरांव को अध्यक्ष, विनोद लकड़ा को पदेन संयोजक, पंचायत प्रतिनिधि के रूप में वार्ड सदस्य सरोज खलखो, बाल संसद के प्रधानमंत्री रिंची कुमारी, वरीय शिक्षक सदस्य के रूप में सहायक शिक्षक चमरू उरांव, अभिभावक सदस्य (माता-पिता) के रुप में एमियल खलखो,अंतु लोहरा, फूलचंद उरांव, विकास भगत, लुईस खलखो, सुनीता बरला, सलगी मिंज, बिरसी खलखो, बिरसी कुमारी, पुनी कुजूर, गोयंदी खलखो को सर्वसम्मति से सदस्य चुन लिया गया. इस मौके पर मंगता धान, रतिया भगत, भुटका उरांव, बंधनु उरांव, पौलूस तिर्की, सोमा उरांव, माया उरांव सहित दर्जनों लोगों ने बैठक में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन के बाद संकल्प लेते सदस्य और चयनित पदाधिकारी.

न्यूज अपडेट

चोरी के मोटर-पंखा के साथ छात्र समेत चार गिरफ्तार

अनगड़ा। थाना क्षेत्र की पुलिस ने मोटर, पंखा और सबमर्सिबल पंप की चोरी के आरोप में बीटेक के छात्र समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है. पकड़े गए लोगों में गेतलसूद निवासी रोहित नायक, बीसा निवासी रोहित बड़ाइक, नितेश बड़ाइक और चोरी का सामान खरीदने का आरोपी बुकी गेतलसूद का दुकानदार गणेश मुंडा शामिल है. नितेश बीटेक का छात्र है.बताया जाता है कि चोरी के तीन मोटर, दो पंखे और एक सबमर्सिबल दुकानदार गणेश मुंडा ने 2500 रुपये में खरीदा था. इससे पहले बीसा निवासी राहुल बड़ाइक ने अज्ञात के खिलाफ गुरुवार को मोटर चोरी होने से संबंधित प्राथमिकी अनगड़ा थाने में दर्ज कराई थी. पुलिस ने 24 घंटे के अंदर चारों आरोपियों को धर दबोचा.

देवी मड़ई में बलि के साथ अषाढी पूजा संपन्न

कांके। आषाढ़ कृष्ण पक्ष अमावस्या पर बोड़ेया गांव के विश्वकर्मा पहान के नेतृत्व में विधि विधान,बाजे गाजे के साथ देवी मड़ई में बकरे की बलि देकर आषाढी पूजा की गई. मौके पर जनजाति सुरक्षा मंच झारखंड सह अध्यक्ष रांची जिला मुखिया संघ सोमा उरांव, परना उरांव, असवानी टोप्पो, मकल नायक,दिलीप पहान, ढ़िपचु उरांव,प्रदीप टोप्पो,अमन पहान, आशीष पहान,एवं पवन नायक वगैरा उपस्थित थे.

इटकी थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

इटकी। थाना परिसर में शुक्रवार को रथयात्रा को लेकर शांति समिति की बैठक हुई. बीडीओ शशि नीलिमा डुंगडुंग की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में रथयात्रा के दौरान शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए कई प्रस्ताव पर निर्णय लिए गए. मौक़े पर डीएसपी अखिल नितीश कुजूर , थाना प्रभारी अभिषेक कुमार, पूर्व जिप सदस्य लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव,उप प्रमुख परवेज राजा सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

सर जे.सी अकादमी में मनाया गया फाउंडर्स डे

बुढ़मू । स्व. जनार्दन चौबे के जयंती पर ठाकुर गांव स्थित सर जे.सी. अकादमी स्कूल परिसर में श्रद्धांजलि दी गयी. इस अवसर परए समाज के जरूरतमंद लोगों तथा अनाथ आश्रम के बच्चों को भोजन कराया गया. मौक़े पर ठाकुर गांव थाना प्रभारी विनीत कुमार,यूको बैंक के शाखा प्रबंधक दीपेन टोप्पो,स्कूल की निदेशक श्रीमती शिव कुमारी देवी, प्रेस क्लब मैनेजिंग कमेटी सदस्य विजय मिश्रा, पत्रकार दिलीप सोनी को स्कूल प्रबंधक ने सम्मानित किया.

माउंट कार्मेल स्कूल में योगासन प्रतियोगिता आयोजित

ओरमांझी। माउंट कार्मेल स्कूल ओरमांझी में शुक्रवार को रांची जोनल योगासन प्रतियोगिता आयोजित हुआ. प्रतियोगिता में बिपिन पांडेय,जेनरल सेक्रेटरी,योगासन स्पोर्ट एसोसिएशन झारखंड मुख्य अतिथि उपस्थित हुए. प्रतियोगिता में 13 आईसीएसई रांची जोन के विद्यालय ने भाग लिया. प्रतियोगिता में 233 बच्चों ने भाग लिया. प्रतियोगिता माउंट कार्मल विद्यालय में पहली बार आयोजित किया गया.

खलारी प्रखंड कार्यालय में आजसू ने किया हल्ला बोल

डकरा। आजसू पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को खलारी प्रखंड कार्यालय में हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में आजसू ने खलारी बीडीओ को 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा. हल्ला बोल कार्यक्रम में खलारी प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार.रांची जिला उपाध्यक्ष नागेश्वर महतो. खलारी प्रखंड प्रभारी रामजीत गंझू.राजकुमार गुप्ता.रामविलास गोप.प्रभात गिरी.सदन महतो. इम्तियाज अंसारी.भूषण यादव. अमरदीप कुमार.मनदीप चौहान सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे.

पंचायती राज्य निदेशक को जिप ने सौंपा मांगपत्र

अनगड़ा। जिप उपाध्यक्ष बिना चौधरी के नेतृत्व में पंचायती राज्य निदेशक निशा उरांव से जिप सदस्य राजेन्द्र शाही मुंडा, अनुराधा मुंडा, परमेश्वर भगत, मंजु सिंह ने नौ सूत्री मांगपत्र सौंपा . नौ सूत्री मांगपत्र जिसमें जिले के सभी जिला परिषद को अब तक उनके कार्य और दायित्व को लेकर कोई प्रशिक्षण नहीं दिया गया. जिप सदस्यों के लिए दी जाने वाली 15वें वित्त् की सभी मद की राशि को बढ़ाया जाए .

डीएवी बचरा में मनाया गया वन महोत्सव

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में शुक्रवार को वन महोत्सव मनाया गया .कार्यक्रम में कक्षा बाल वाटिका से कक्षा द्वितीय तक के छात्र-छात्राओं ने गमले में पौधे लेकर आए .इस मौके पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने प्रकृति के प्रति प्रेम दिखाने को लेकर सभी छात्र-छात्राएं हरी पोशाक पहनकर विद्यालय आए इस दौरान हरी पोशाक पहने बच्चे काफी काफी उत्साहित थे .

लापुंग के रायटोली में धान की रोपनी शुरू

लापुंग। लापुंग प्रखंड में पिछले दिनों हुई बारिश से किसानों में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ. शुक्रवार को लापुंग प्रखंड के रायटोली में बारिश का इंतजार कर रहे किसानों ने धान की रोपनी शुरू कर दी. रायटोली गांव में धान की रोपनी के लिए आमंत्रित की गई लापुंग की जिला परिषद सदस्य हिंदिया टोप्पो ने तैयार धान के बिचड़ा का रोपनी कर धान की रोपनी का शुभारंभ किया.

आजसू का भ्रष्टाचार के खिलाफ हल्ला बोल

रातू। प्रखंड मुख्यालय में शुक्रवार को आजसू पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन किया. प्रखंड अध्यक्ष अर्जुन महतो के नेतृत्व में काठीटाड़ चौक से प्रखंड मुख्यालय तक रैली निकाल कर सीओ सह बीडीओ रवि कुमार को 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया. कार्यक्रम को जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, केंद्रीय सदस्य राजीव मिश्र, जिला सचिव संजय गोप, सुंडील मुखिया लीला तिर्की, पंचायत समिति सदस्य जीतेंद्र कांशी, सलगी उरांव, रूपा देवी, अन्नूदेवी, योगेंद्र उरांव, विशाल साहू, मीना गाड़ी नेभी संबोधित किया.

पिपरवार में मुहर्रम को लेकर ग्रामीणों ने की बैठक

पिपरवार। राय मदरसा में मुहर्रम को लेकर ग्रामीणों की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता राय अंजुमन के सदर जुल्फिकार अली व संचालन सेक्रेटरी राजू खान ने किया.बैठक में राय में मुहर्रम मनाने को लेकर विचार विमर्श किया गया.बैठक में जुल्फिकार अली,राजू खान, साबिर अंसारी,शाहनवाज आलम,मोहम्मद शोएब आलम उर्फ गोल्डन,सहीम अंसारी,मुमताज अहमद आदि शामिल थे.

वार्ड सदस्य ने मुखिया पर लगाया कमीशनखोरी का आरोप

खलारी। खलारी प्रखंड के बुकबुका पंचायत के वार्ड 14 के वार्ड सदस्य अर्जुन एक्का ने बीडीओ को आवेदन देकर पंचायत के मुखिया पारसनाथ उरांव की शिकायत की है.वार्ड सदस्य ने पंचायत के विकास कार्यो में धांधली एवं कमीशन खोरी का आरोप मुखिया पर लगाया है. इस संबंध में उन्होंने बीडीओ से पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग किया है. मामले पर पंचायत के मुखिया पारसनाथ उरांव ने कहा है कि वार्ड सदस्य ने जो आरोप लगाया है बे बुनियाद है. बीडीओ संतोष कुमार से इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने कहा कि वार्ड सदस्य के लगाये गये आरोप निराधार लगता है . क्योंकि कोई भी जनप्रतिनिधि पंचायत की विकास योजनाओं के कार्य को स्वयं से नहीं सकता.

अमावस्या पर बालाजी मंदिर में विशेष अनुष्ठान

रांची। श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर तिरूपति बालाजी मंदिर में आषाढ़ मास अमावस्या पर शुक्रवार को विशेष अनुष्ठान किया गया. सुबह साढ़े चार बजे दैनिक-पूजन आरती के बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रभु का दूध, दही, हल्दी, चंदन, शहद, गंगाजल, नारियल युक्त जल आदि से महाभिषेक किया गया. श्रृंगार-पूजन कर आरती उतारी गयी. अर्चकों ने घंटानाद के साथ खीर, पोंगल, फल और मेवा का बालभोग निवेदन किया. संजय और सुनीता चौधरी ने इसमें मुख्य यजमान के रूप में हिस्सा लिया. सत्यनारायण गौतम, गोपेश आचार्य, नारायण दास ने पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराया. रामअवतार नारसरिया, प्रदीप नारसरिया, अनूप अग्रवाल, राजेश सुल्तानिया, रंजन सिंह ने इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लिया.

दुर्गा जागरण मंडली के साथ दिल्ली के पंकज राज ने बहायी भजनों की गंगा

भक्ति गीतों से गुंजायमान रहा श्रीराधाकृष्ण मंदिर

संवाददाता। रांची

श्रीराधाकृष्ण मंदिर, कृष्ण नगर कॉलोनी का परिसर शुक्रवार को देर रात तक भक्ति गीतों से गुंजायमान रहा. यहां मां ज्वाला जी की ज्योत के आगमन की खुशी में माता की चौकी का खास आयोजन किया गया. इसमें स्थानीय दुर्गा जागरण मंडली के साथ दिल्ली के भजन गायक पंकज राज ने भजन रस धारा प्रवाहित कर भक्तों को निहाल कर दिया. भक्तगण नाचते-झूमते और जयकारा लगाते हुए घंटो भक्ति आनंद के महासागर में गोता लगाते रहे. भजन कार्यक्रम शाम सात बजे गणेश वंदना से प्रारंभ हुआ.

श्री राधाकृष्ण मंदिर में भजन प्रस्तुत करता कलाकार.

मंडली के पवन मनुजा, केसर पपनेजा, मनोज किंगर, चंदन सिडाना और ज्योति अरोड़ा संग पंकज राज ने झोली भरेगी मैया झोली भरेगी... जैसे भजन प्रस्तुत कर रात साढ़े 11 बजे तक सब को झुमाया. इस बीच रात नौ बजे से वृहत भंडारा भी चलाया गया. माता की चौकी में विधायक सीपी सिंह, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश सिंह, पूर्व पार्षद अशोक यादव ने भी खास भागीदारी निभायी.

भक्तों संग पाठ कर ब्राह्मणों ने पाया प्रसाद

राधाकृष्ण मंदिर में शुक्रवार को सुबहो शाम दोनो प्रहर श्रीदुर्गा सप्तमी और श्रीदुर्गा चालीसा का पाठ किया गया. तीन सौ ब्राह्मणों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु सस्वर पाठ कर भक्ति में रमे रहे. पाठ समापन के बाद ब्राह्मणों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया. मंदिर कमेटी के प्रधान मनोहर लाल जसूजा ने बताया कि सात जुलाई तक नित्य पाठ चलेगा.

आज निकलेगी कलश यात्रा, स्थापना पूजन कल

राधाकृष्ण मंदिर से शनिवार को सुबह छह बजे कलश यात्रा निकाली जायेगी. अरुण जसूजा बंटा और नरेश पपनेजा ने बताया कि शाम सात बजे से भजन और भंडारा चलेगा. विश्वास राय मुम्बई वाले भक्तों को झुमायेंगे. रविवार को दिन के दस बजे नेम-निष्ठा से मां ज्वाला जी की स्थापना और प्राणप्रतिष्ठा की जायेगी. केशर ने बताया कि दर्शन-पूजन को अष्टप्रहर दरबार खुला रहेगा. रात दस बजे से सारी रात जागरण चलेगा. पंजाब के संदीप सूद और गिरिडीह की स्नेहल सोनी सारी रात भजनों की झड़ी लगायेंगे.

चैंबर प्रतिनिधियों ने की सीएम से मुलाकात

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलते रहे चैंबर के प्रतिनिधि.

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शुक्रवार को उनके आवासीय कार्यालय में फेडरेशन ऑफ़ झारखंड चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की. इस अवसर पर मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को आर्यभट्ट सभागार, रांची विश्वविद्यालय परिसर, में आयोजित होने वाले सृजन स्टार्टअप कॉन्क्लेव में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया. मौके पर फेडरेशन ऑफ़ झारखंड चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष किशोर मंत्री, पूर्व अध्यक्ष विनय अग्रवाल, मनोज नरेडी, उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, सचिव श्री परेश गटानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे.

हेमंत को मिला अंबानी की शादी का न्योता

सीएम को निमंत्रण पत्र देते रिलायंस इंडस्ट्रीज झारखंड के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट.

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को रिलायंस इंडस्ट्री के चेयरमैन मुकेश अंबानी के पुत्र अनंत अंबानी के शादी समारोह में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया गया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट रिलायंस इंडस्ट्रीज झारखंड ने मुलाकात कर विवाह निमंत्रण पत्र भेंट किया. ज्ञातव्य है कि रिलायंस इंडस्ट्री के अध्यक्ष मुकेश अंबानी के पुत्र अनंत अंबानी का विवाह 12 जुलाई को मुंबई एंटीलिया में सम्पन्न होगा.

राजधानी में दो दिवसीय खड़िया भाषा साहित्य सम्मेलन प्रारंभ

भाषा चाहे कोई भी हो, कभी नहीं मरती : माधव कौशिक

संवाददाता। रांची

साहित्य अकादमी नई दिल्ली, प्यारा केरकेट्टा फाउंडेशन और जनजातीय शोध संस्थान रांची के तत्वावधान में दो दिवसीय रांची में खड़िया भाषा साहित्य सम्मेलन प्रारंभ हुआ. मोरहाबादी में रामदयाल मुंडा जनजातीय शोध संस्थान में आयोजित उक्त सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवासन, प्यारा केरकेट्टा फाउडेशन की सचिव वंदना टेटे, खडिया लेखिका इग्नासिया कुल्लू, छत्रपति शिवाजी महाराज विवि के कुलपति केसरी लाल वर्मा, सहित्य अकादमी सामान्य परिषद के सदस्य महादेव टोप्पो शामिल हुए. पहले दिन खडिया लिपि, खडिया भाषा की विशेषता, व्याकरण तथा साहित्य पर चर्चा की गयी. अतिथियों का स्वागत परंपरागत तरीके से हाथ धुला कर तथा खड़िया गमछा भेंट कर किया गया.

इस अवसर पर साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवासराव ने युवाओं को मातृभाषा में बोलने और साहित्य लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए अकादमी की प्रतिबद्धता जाहिर की और भाषा, साहित्य के संरक्षण संवर्धन पर जोर दिया. प्यारा केरकेट्टा फाउंडेशन की सचिव वन्दना टेटे ने खड़िया समुदाय, भाषा और साहित्य पर चर्चा करते हुए कहा कि लिपि ओर व्याकरण, मानकीकरण से ज्यादा जरूरी है. साहित्य लेखन में दूध खड़िया, सबर और डेलकी खड़िया को भी साथ लेना पड़ेगा. तभी सही रूप में खड़िया साहित्य और समाज आगे बढ़ेगा. साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि भाषा चाहे कोई भी हो, कभी नहीं मरती है. चाहे कोई कुछ भी कहे. भाषा बोलिए और भाषा बचाइए. व्याकरण से ज्यादा साहित्य जरूरी है. आदिवासी भाषाएं टाइम कैप्सूल हैं.

केशरी लाल वर्मा ने पारंपरिक ज्ञान को अस्मिता से जोड़ते हुए कहा कि मातृ भाषाएं आत्म गौरव और आत्मसम्मान का विषय है. अपनी मूल भाषा को नजर अंदाज न करें और अपने घर समाज में अपनी भाषा में बात करें.

डॉ. इग्नेशिया कुल्लू ने कहा कि भाषा और उसका साहित्य किसी एक जाति या समुदाय विशेष की उपलब्धि नहीं होती, बल्कि समस्त इंसानी सभ्यता के लिए गर्व का विषय है. साहित्यकार महादेव टोप्पो ने कहा कि खड़िया साहित्य लेखन के क्षेत्र में अधिक से अधिक रचनाओं को सामने लाने की जरूरत है. उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. प्रीति रंजना डुंगडुंग ने किया. मंगलावती इंदवार और टीम ने पुरखा स्मरण किया. धन्यवाद ज्ञापन टीआरआई के सहायक निदेशक राकेश रंजन उरांव ने किया.

साहित्य सम्मेलन में मौजूद लोगों को संबोधित करते साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक.

खास बातें

- खडिया भाषा की विशेषता व्याकरण पर की गयी चर्चा
- लिपि और व्याकरण मानकीकरण से ज्यादा जरूरी

तीन सत्र में हुए कार्यक्रम

दिन भर चले तीन सत्रों में भाषा, साहित्य और संस्कृति पर बंधु भगत, बासिल किड़ो और वंदना टेटे की अध्यक्षता में सुजाता टेटे, ओलिव डुंगडुंग, वंदना सोरेंग, शान्ति कुमारी अनिल वी. कुल्लू, मेरी एस सोरेंग, समीर बिलुंग, रजनी किड़ो ने आलेख प्रस्तुत किया. मौके पर किरण कुल्लू, मीराकल टेटे, इंदु रानी किड़ो समेत सैकड़ों जनजातीय भाषाओं के विद्यार्थियों और शोधार्थी शामिल थे.

रांची माइंड फेस्ट, क्विज व क्रॉसवर्ड प्रतियोगिता का आयोजन आज

- डोरंडा स्थित ऑडिटोरियम में सुबह 9 :30 बजे से ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा
- प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने को शॉर्य ऑडिटोरियम में जुटेंगे डीजीपी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी

संवाददाता। रांची

रांची माइंड फेस्ट का आयोजन शनिवार को शौर्य ऑडिटोरियम, जैप-1 कैंपस डोरंडा में होगा. क्रॉसवर्ड एसोसिएशन ऑफ झारखंड (सीड्ब्लूएजे), झारखंड पुलिस विभाग और लीफैम वेंचर्स की ओर से आयोजित इस एक दिवसीय महोत्सव में क्विज और क्रॉसवर्ड कॉन्टेस्ट का आयोजन किया जाएगा, जिसमें किसी भी आयु वर्ग के प्रतिभागी हिस्सा ले सकते हैं.

बतौर मुख्य अतिथि डीजीपी अजय कुमार सिंह रांची माइंड फेस्ट में उपस्थित रहेंगे. वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और सीड्ब्लूएजे के चीफ मेंटर विवेक कुमार सिंह भी प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाने के लिए आयोजन में शामिल होंगे. इसके अलावा रांची माइंड फेस्ट में एडीजी (हेडक्वॉर्टर) राज कुमार मल्लिक, पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सीएमडी प्रशांत सिंह, जैप-1के कमांडेंट राकेश रंजन,क्रॉसवर्ड एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईएस अधिकारी एपी सिंह , मुख्य आयकर आयुक्त, बिहार-झारखंड आईआरएस कुमार संजय, प्राथमिक शिक्षा निदेशक शशि सिंह, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग केप्रधान सचिव अजय कुमार सिंह, सीएमपीडीआई केएडवाइजर प्रभात कुमार भी हिस्सा लेंगे.

दो स्तरीय होंगी प्रतियोगिताएं

क्विज और क्रॉसवर्ड प्रतियोगिताएं दो स्तरीय होंगी. लिखित प्रीलिम्स में शीर्ष छह प्रतिभागियों को फाइनल राउंड में जगह मिलेगी .दोनों प्रतियोगिता के विजेता तीन श्रेणियों-स्कूल, कॉलेज एवं ओपन में पुरस्कृत किए जाएंगे. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिये जाएंगे. नि:शुल्क ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा प्रतिभागी शौर्य ऑडिटोरियम में रजिस्ट्रेशन काउंटर पर सुबह 9 :30 बजे से प्रतियोगिताओं के लिए नि:शुल्क पंजीकरण करा सकते हैं. प्रतिभागी चाहें तो दोनों प्रतियोगिता के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं .स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित इस रांची माइंड फेस्ट में किसी भी उम्र और शहर के लोग हिस्सा ले सकते हैं.

टीम येलो वॉलीबॉल मीडिया कप का चैंपियन

संवाददाता। रांची

खेलगांव स्थित टाना भगत स्टेडियम में रांची प्रेस क्लब द्वारा आयोजित दो दिवसीय वॉलीबाल मीडिया कप का समापन शुक्रवार को हुआ. टूर्नामेंट के फाइनल में टीम येलो ने टीम ब्लू को कड़े मुकाबले में हराकर मीडिया कप वॉलीबाल टूर्नामेंट के खिताब पर कब्जा जमाया.

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक सह झारखंड वॉलीबॉल संघ के महासचिव शेखर बोस मौजूद थे. विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण सिंह, शशिशेखर, प्रकाश सहाय, विनय वर्मा, शंभूनाथ चौधरी, राघवेंद्र, चंचल भटाचार्य, दीपक ओझा मौजूद थे. सभी अतिथियों को प्रेस क्लब की ओर से एक-एक पौधा व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया.

टूर्नामेंट के दूसरे दिन तीन मुकाबले हुए : टूर्नामेंट के दूसरे दिन शुक्रवार को तीन मुकाबले हुए. पहले मैच में टीम ग्रीन ने टीम रेड को तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 25-17, 23-25, 15-6 से हराया, वहीं दूसरे मुकाबले में टीम ब्लू ने टीम येलो को 25-9, 23-25, 15-6 से हराया.वहीं टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में टीम येलो ने टीम ब्लू को 25-23, 25-23 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया.

टूर्नामेंट के फाइनल में विजयी येलो टीम के खिलाड़ी ट्रॉफी प्राप्त करते हुए.

किकबॉक्सिंग में स्वर्ण जीतने वाले खिलाड़ी सम्मानित

रांची। झारखंड एमेच्योर स्पोर्ट्स किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के छह खिलाड़ियों को नेशनल चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने के लिए खेल मंत्री हफीजुल हसन ने शुक्रवार को सम्मानित किया गया. जिन खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, उनमें अपूर्वो मुखर्जी, तुषार कुमार सिंह, सक्षम कुमार, सचिन कुमार, हर्षदीप सिंह, कृष सिन्हा शामिल हैं. बता दें कि इन खिलाड़ियों ने 10 से 14 जून तक सिलीगुड़ी में आयोजित नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था. हफीजुल हसन से सभी खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें भविष्य में सभी प्रकार का सहयोग देना का आश्वासन दिया. इस उपलब्धि पर झारखंड एमेच्योर स्पोर्ट्स किकबॉक्सिंग एसोशिएशन के अध्यक्ष बीसी ठाकुर व सेक्रेटरी ओवैस आर्फत, सह-अध्यक्ष फरीद खान ,कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी.

न्यूज अपडेट

आनंद जालान को मिला आरडी बर्मन अवार्ड

आनंद जालान को आरडी बर्मन अवार्ड देते बॉलीवुड एक्टर देवेश खान व अन्य.

रांची। मेरी आवाज मेरी पहचान की ओर से फेडरेशन झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स में शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान आनंद जालान को आरडी बर्मन अवार्ड से नवाजा गया. उन्होंने मेरी आवाज मेरी पहचान की पूरी टीम को बधाई दी. बॉलीवुड एक्टर देवेश खान ने उन्हें आरडी बर्मन अवार्ड दिया. मौके पर कुमार गहलोत, किशन अग्रवाल, कविता होरो, सुप्रिया दास, मो परवेज, गुलजार खान, सुशीला लकड़ा, बुलंद अख्तर, विकास बाबू शामिल थे.

कांके रोड में अपना बाजार की प्रदर्शनी प्रारंभ

अपना बाजार की प्रदर्शनी में शामिल महिला उद्यमी व अन्य.

रांची। कांके रोड स्थित पंचवटी अपार्टमेंट के कम्युनिटी हॉल में चल रहे अपना बाजार एग्जीबिशन का उद्घाटन चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने किया. उन्होंने आयोजनकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि महिला उद्यमियों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में यह सराहनीय प्रयास है. आयोजनकर्ता राधा ड्रोलिया ने अवगत कराया कि पिछले वर्ष की सफलता को देखते हुए पुनः इस एक्जिबीशन का आयोजन किया गया है. एक्जीबिशन में हैंडमेड थैला, खाद्य सामग्री, मिलेट्स, भगवान के वस्त्र, राखी, खिलौने, स्टेशनरी, हैंडमेड स्नैक्स, कुर्ती, हैंडमेड पेंटिंग, नाइटशूट, साडी, फैब्रिक्स सहित कई तरह के आकर्षक उत्पादों के स्टॉल महिलाओं के द्वारा लगाये गये हैं.

स्कूली बच्चों ने पेड़ नहीं काटने का दिया संदेश

बैनर के साथ आर्मी पब्लिक स्कूल के बच्चे.

रांची। वन महोत्सव के अवसर पर आर्मी पब्लिक स्कूल रांची में पौधरोपण किया गया. शुक्रवार सुबह की प्रार्थना सभा में बच्चों ने कार्यक्रम पेश किया. बच्चों ने संदेश दिया- हरियाली के लिए पौधे लगाएं, उसकी देखभाल तबतक करें, जबतक पेड़ तैयार न हो जाएं. साथ ही पेड़ों को किसी भी कीमत पर नहीं काटने का संदेश दिया. प्राचार्य अभय कुमार सिंह ने बताया पेड़ पर्यावरण और मानव जीवन के लिए अत्यंत जरूरी हैं. पेड़ों की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति जागरूक होना जरूरी है. पौधे लगाना और पेड़ों के महत्व को समझना हमारी जिम्मेदारी है.

कमेटी ने आंचल शिशु आश्रम में किया सेवा कार्य

कपड़े भेंट करते गुलाम मुस्तफा व अन्य.

रांची। भारतीय एकता कमेटी की ओर से शुक्रवार को बड़ा तालाब स्थित आंचल शिशु आश्रम में गरीब जरूरतमंदों की सेवा के रूप में दो बोरे कपड़ा और मिठाई भेंट स्वरूप दिये गये. कमेटी अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने लोगों से मानव सेवा के रूप में जरूरतमंदों की मदद करने की अपील की है. मौके पर सचिव रामेश्वर राम, बुलंद अख्तर, मो मुजम्मिल अंसारी आदि शामिल थे.

डॉ बीपी शर्मा से मिला एनएसयूआई का प्रतिनिधिमंडल

एसएस मेमोरियल कॉलेज के प्राचार्य डॉ बीपी शर्मा को पौधा देते विद्यार्थी.

रांची। एनएसयूआई के जिला सचिव सरफराज अहमद के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एसएस मेमोरियल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बीपी शर्मा से मिल कर उनका स्वागत किया. छात्र संघ पूर्व उपाध्यक्ष हुसैन अंसारी ने कहा कि आपके आने से कॉलेज का विकास गतिमान होगा. आशा है कि आपके प्रगतिशील नेतृत्व में कॉलेज एक नया मुकाम हासिल करेगा, एनएसयूआइ हर छात्रहित के निर्णय में कॉलेज प्रशासन के साथ है.

लोअर बाजार थाना में शांति समिति की बैठक

रांची। लोअर बाजार थाना परिसर में शुक्रवार को मुहर्रम के अवसर पर शांति समिति की बैठक थाना इंचार्ज दयानंद कुमार की अध्यक्षता में हुई. मौके पर शांति समिति के सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे. थाना इंचार्ज दयानंद कुमार ने कहा कि मुहर्रम के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पुलिस प्रशासन साथ देने के लिए तैयार है और नशा करने वालों व असामाजिक तत्व पर कड़ी नजर रखी जाएगी. उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन हर संभव सहयोग के लिए तैयार है. पानी बिजली पंडाल की पूरी व्यवस्था की जाएगी. आपस में मिलजुल कर मुहर्रम का जुलूस निकालें. मुहर्रम के जुलूस निकालने में हिंदू मुस्लिम भाई मिलजुलकर एकता, भाईचारा, अमन शांति का परिचय दें. मौके पर भारतीय एकता कमेटी के अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा, हाजी मसूक, अकीलुर्रहमान, मो काजिम, मो इस्लाम, संजू भाई, मो शहजाद, बबलू, मो राजा, अफरोज आलम, गुलाम सरवर रिजवी, नन्नू भाई आदि शामिल थे.

तैयारी

इमाम बख्श अखाड़ा की बैठक में तमाम खलीफाओं को दिये गये विशेष निर्देश

मुहर्रम जुलूस में नहीं निकलेगी कोई विवादास्पद झांकी

संवाददाता। रांची

राजधानी में आपसी सौहार्द के साथ इमाम बख्श अखाड़ा में तत्वावधान में मुहर्रम का जुलूस निकाला जाएगा. जुलूस में कोई भी विवादास्पद झांकी नहीं निकाली जाएगी. यह निर्णय शुक्रवार को इमाम बख्श अखाड़ा के तत्वावधान में आयोजित तमाम खलीफाओं की बैठक में किया गया. बैठक प्रमुख खलीफा मो महजूद और सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के सरपरस्त मो सईद की सरपरस्ती में आयोजित हुई, जिसमें इमाम बख्श अखाड़ा के अंतर्गत आनेवाले सभी अखाड़ों के खलीफा एवं सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के प्रमुख पदधारी शामिल हुए.

इमाम बख्श अखाड़ा की बैठक में शामिल राजधानी के विभिन्न अखाड़ों के खलीफा.

निर्णय लिया गया कि सभी अखाड़ा धारी अपने-अपने अखाड़ों के 10-10 सदस्यों का नाम अपने प्रमुख खलीफा को जल्द से जल्द दे देंगे, ताकि अखाड़ा को सुचारू रूप से चलने के लिए संचालन समिति गठित करते हुए मोहर्रम वर्ष 2024 के जुलूस को आपसी सौहार्द के साथ संपन्न किया जा सके. यह भी निर्णय लिया गया के प्रत्येक अखाड़ाधारी समय की पाबंदी का ख्याल रखेंगे और अपने-अपने जुलूस में किसी तरह की ऐसी झांकी या प्रदर्शन नहीं करेंगे, जिससे किसी की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचे. यह भी तय किया गया कि जो भी झांकी बनाएंगे, वह मुहर्रम से संबंधित जो धार्मिक इतिहास है, उस पर आधारित झांकी ही बनाएंगे. कोई भी राजनीतिक या कोई ऐसी झांकी नहीं बनाएं, जिससे विवाद उत्पन्न हो.

इस पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है. मौके पर सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के महासचिव अकीलुर्रहमान, प्रवक्ता मो. इस्लाम, उपाध्यक्ष आफताब आलम, उपाध्यक्ष मो असलम, सह सचिव अफरोज आलम, इमाम बख्श अखाड़ा के प्रमुख खलीफा मो. महजूद, मो. तौहीद, मो. इकराम पप्पू, मो. इकबाल, सरवर खान, सहित इमाम बख्श अखाड़ा के अंतर्गत आने वाले तमाम क्षेत्रीय खलीफा एवं अध्यक्ष सचिव के अलावा प्रमुख शामिल थे.

फादर स्टेन स्वामी की शहादत को किया याद

शहादत दिवस

संवाददाता। रांची

नामकोम बगीचा और मनरेसा हाउस में शुक्रवार को फादर स्टेन स्वामी का तीसरा शहादत दिवस मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई तथा उनके जीवन के संघर्ष को याद किया. सामाजिक कार्यकर्ता सबस्टीन कुजूर ने स्टेन स्वामी की जीवनशैली पर प्रकाश डाला. ईमानदारी और काम के प्रति लगन को याद किया. सामाजिक कार्यकर्ता प्रणव मुखर्जी ने पाश की कविता 'सपनों का मर जाना' पर एकल नाटक प्रस्तुत किया. वकील शिव कुमार सिंह ने कहा कि स्टेन स्वामी से जुडे केस आज भी लंबित हैं.सामाजिक कार्याकर्ता अलोका कुजूर ने कहा कि झारखंड के 23 साल हो गये. आईपीसी धारा में बदलाव हो गया. कानून के प्रति लोगों को जागरूक होना होगा. गोलबंद होने की जरूरत है. स्टेन स्वामी पर लगे केस यूएपीए जल्द हटाये, ताकि स्टेन स्वामी निर्दोष घोषित हो सके. मौके पर एलिना रोज, मधु संगीता बेग, विनोदकुमार, किरण नदिता, प्रफुल्ल लिण्डा, रतन तिर्की, सिराज दत्ता, अफजल, अनीस शामिल थे. मंच संचालन टोनी ने किया.

वहीं दूसरी ओर वर्किंग पीपुल्स एलायंस कार्यालय (मनरेसा हाउस) में फादर स्टेन स्वामी की पुण्यतिथि मनाई गई. इस मौके पर टीएसी के पूर्व सदस्य रतन तिर्की ने कहा कि स्टेन स्वामी मरते दम तक आदिवासियों दलितों और पिछड़ों की संवैधानिक अधिकारों के लिए संघर्षरत रहे. मौके पर वर्किंग पीपुल्स एलायंस के संचालक अधिवक्ता महेंद्र पीटर तिग्गा, अधिवक्ता सिलवंती कुजूर, अधिवक्ता मोनालिसा सोरेंग और निर्मला शामिल थे.

फादर स्टेन स्वामी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते कार्यकर्ता.

लेबर पार्टी की जीत के मायने

धुर दक्षिणपंथ के वैश्विक उभार के बीच ब्रिटेन का चुनाव परिणाम विश्व शांति और सामाजिक लोकतंत्र में यकीन करने वाले विश्व जनमत के लिए राहत भरी खबर है. आर्थिक तौर पर पीछे छूट गए समूहों के लिए भी यह चुनाव परिणाम कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं. यूरोपीयन यूनियन के चुनावों में जिस तरह धुर दक्षिणपंथियों को बढ़त हासिल हुई, उससे दुनिया भर में टकराव का खतरा बढ़ गया है. फ्रांस के संसदीय चुनावों के पहले दौर में जिस तरह धुर दक्षिणपंथी पार्टी ने बढ़त बनायी, उससे दुनिया के गरीब देशों के उन नागरिकों के लिए, जो बड़ी आर्थिक शक्तियों वाले देशों में पनाह लेते हैं, खतरा बढ़ गया है. ब्रिटेन की लेबर पार्टी इस समय एक मध्यममार्गी दल है जिसका झुकाव मानवीय चेहरे वाले आर्थिक नीतियों की ओर है. जेर्मी कोर्बिन ने लेबर पार्टी को मजदूरों, युवाओं और सरकारी कर्मचारियों के हितों वाली पार्टी का रूप दिया था. लेकिन कीर स्टार्मर के नेता बनने के बाद से लेबर पार्टी एक उदार मध्य मार्गी दल की तरह उभरा है. भारत के लिए लेबर पार्टी की भारी जीत से कोई बड़ा फर्क नहीं पड़ने जा रहा है. कश्मीर के मामले में स्टार्मर कह चुके हैं कि वह भारत का आंतरिक मामला है और उसका समाधान द्वीय पक्षीय वार्ता से निकाला जाना चाहिए. यानी कश्मीर के अंतरराष्ट्रीयकरण करने की कोर्बिन की नीतियों को स्टार्मर ने पीछे छोड़ दिया है. इसके साथ ही स्टार्मर ने यह भी कहा है कि वह भारत के साथ बेहतर रिश्ता रखेंगे. इसके साथ ही भारत के साथ खुले व्यापार समझौते की राह और आसान हो सकेगी. लेकिन ऋषि सुनक के टोरी दल के हाल सामान्य नहीं हैं. लेबर पार्टी ने 14 साल बाद सत्ता में वापसी की है और उसने 650 सीटों वाले सदन में 414 सीटों पर जीत दर्ज की है. सुनक की पार्टी को गहरा आघात लगा है. सुनक ने अपनी सीट तो बचा ली है, लेकिन पार्टी को नहीं बचा पाए हैं. ब्रिटेन के मेहनतकश और युवा तबके की भारी नाराजगी का सामना सुनक की पार्टी को करना पड़ा है. भारत की तरह ही ब्रिटेन के नागरिकों ने आर्थिक असमानता और आमजन की तकलीफों में इजाफा करने वाली आर्थिक नीतियों को नकार दिया है. भारत में नरेंद्र मोदी को नागरिकों की नाराजगी के कारण ही अल्पमत की सरकार बनाना पड़ा. उन्हें ध्रुवीकरण की राजनीति ने बचा लिया, लेकिन ब्रिटेन में प्रो-ब्रेक्जिट और नफरत पालने वाली पार्टियों को हार का सामना करना पड़ा है. ब्रिटेन के नतीजे मध्यमार्गी नीतियों को विमर्श के केंद्र में ला दिया है. 7 जुलाई को फ्रांस के संसदीय चुनाव का दूसरा चरण होगा. पहले चरण में धुर दक्षिणपंथी नेशनल रैली पार्टी को 34 प्रतिशत मिले, जबकि वामपंथी गठबंधन को 29 प्रतिशत. मैक्रो की पार्टी 21 प्रतिशत पर सिमट गयी है. दूसरे चरण में देखना है कि मैक्रो के समर्थक धुर दक्षिणपंथ के साथ जाते हैं या वामपंथ के साथ. इतना तो तय है कि दुनिया के विकसित देशों का आर्थिक संकट धुर दक्षिणपंथियों के लिए मददगार साबित हो रहा है. इसका एक मतलब साफ है कि वोटर स्पष्टतः जनता समर्थक आर्थिक नीति चाहते हैं, जो मध्यमार्गी और वाम रूझान के दल देने में कामयाब नहीं हो पा रहे हैं. अमेरिका में ट्रंप के उभार को भी इसी संदर्भ में समझना चाहिए.

> भारत में नरेंद्र मोदी को नागरिकों की नाराजगी के कारण ही अल्पमत की सरकार बनाना पड़ा. उन्हें ध्रुवीकरण की राजनीति ने बचा लिया, लेकिन ब्रिटेने में प्रो-ब्रेक्जिट और नफरत पालने वाली पार्टियों को हार का सामना करना पड़ा है.

सुभाषित

पिबन्ति नद्यः स्वयं एव न अम्भः स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षाः।
न अदन्ति सस्य खलु वारिवाहा परोपकाराय सतां विभूतयः॥

नदी स्वयं के जल को नहीं पीती, वृक्ष स्वयं के फल को नहीं खाते और बादल अपने द्वारा पानी बरसा कर पैदा किए गए अन्न को नहीं खाते. सज्जन हमेशा परोपकार ही करते हैं.

हेमंत की वापसी, राह कांटों भरी

हेमंत चूंकि चार साल से अधिक काल तक लगातार सरकार चलाते रहे, इसलिए ब्यूरोक्रेसी के स्तर पर उनको कोई समस्या नहीं आनेवाली. संगठन उन पर कुर्बान है ही. यहां तक कि गठबंधन के घटक दल कांग्रेस, राजद को भी उनका ही भरोसा है. हेमंत का राज रहा हो कि चंपाई का, वोट बैंक का ध्यान रखकर नीतिगत फैसले लिए जाते रहे. इन्होंने क्षेत्र भ्रमण कर जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय बनाये रखा. असल परेशानी कांग्रेस के साथ पेश आनेवाली है.

• देश-काल

श्याम किशोर चौबे

तीन जुलाई की शाम मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के इस्तीफा और 4 जुलाई को हेमंत सोरेन के शपथ ग्रहण में कुछ भी अजूबा नहीं था. इसी साल होनेवाले विधानसभा चुनाव का यह गेमप्लान है और टूट-फूट से बचाव का रास्ता और जहां गिरफ्तारी हुई थी, वहीं फिर से मुख्यमंत्री का रुतबा हासिल करने की हेमंत की इच्छा. नये सिरे से पद संभालते ही हेमंत ने तीन बार मुख्यमंत्री रहने का अपने पिता शिबू सोरेन और अर्जुन मुंडा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली. वे यह भी कह सकेंगे कि हम ही तीन में भी और तेरह में भी. पहली बार शिबू सोरेन दस दिनों के लिए ही सही, लेकिन झारखंड के तीसरे मुख्यमंत्री बने थे और अब हेमंत इस बार तेरहवें मुख्यमंत्री बन गये. लोकसभा चुनाव के पहले इनको जमीन घोटाला मामले में ईडी ने 31 जनवरी की रात गिरफ्तार किया था. 28 जून को हाईकोर्ट से जमानत मिली. अब उनके सामने विधानसभा चुनाव की बड़ी चुनौती मुंह बाये खड़ी है. इसी साल अंतिम तिमाही में यह चुनाव होना है. यह चुनाव अधिक चुनौतीपूर्ण इसलिए होगा क्योंकि पिछली बार तत्कालीन एनडीए सरकार की, खासकर सीएनटी/एसपीटी एक्ट संबंधी नीतिगत खामियां, आत्ममुग्धता की हद तक का आत्मविश्वास, बड़बोलापन, संगठन और सत्ता में तालमेल की कमी, आजसू को अलग कर दिया जाना जैसी कार्रवाइयों ने महागठबंधन की राह आसान कर दी थी. तत्कालीन रघुवर सरकार का एंटीइंकबेन्सी फैक्टर अब इस सरकार पर लागू होगा. भाजपा हालिया लोकसभा चुनाव में तीन सीटें गंवाकर खार खाये बैठी है, इसलिए विधानसभा चुनाव में वह अधिक आक्रामक रहेगी, इसमें शक की कोई गुंजाइश नहीं है. उसको चुनाव संचालन के लिए शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिस्वा सरमा जैसे दो अनुभवी नेता मिल गये हैं और राज्य के स्तर पर नेताओं-कार्यकर्ताओं की बड़ी फौज विद्यमान है. चुनावी रणनीति पर उसने काम शुरू कर दिया है. घोषणा पत्र बनाने से लेकर महागठबंधन सरकार की खामियां गिनाते हुए आरोप पत्र तैयार करने तक में जानकारों की टीम झोंक दी गई है.

चंपाई सोरेन पुराने नेता हैं. वे हेमंत सोरेन के पिता शिबू सोरेन के जमाने में चलाये गये झारखंड आंदोलन की उपज हैं. उनको पांच महीने मुख्यमंत्री रहने का मौका मिला. यह मौका हेमंत की गिरफ्तारी के कारण ही मिला. निश्चय ही वे एक्सीडेंटल सीएम थे. वे हालांकि मंत्री पद संभालते रहे थे लेकिन मुख्यमंत्री होना और बात होती है. दो सौ यूनिट तक मुफ्त बिजली, 25 साल से अधिक की महिलाओं को भी पेंशन जैसे निर्णय लेकर वे रंग पकड़ ही रहे थे कि इस्तीफा देने की नौबत आ गई. यह ठीक है कि चुनाव के समय दो पॉवर सेंटर नहीं रहने चाहिए. ऐसा होने पर खेल बिगड़ता ही है. दूसरी बात यह कि 2019 का चुनाव हेमंत के नेतृत्व में लड़ा गया था, जिसमें महागठबंधन को अपार सफलता मिली थी. विगत लोकसभा चुनाव में झारखंड में हेमंत एक मुद्दा रहे और इंडिया ब्लॉक दो सीटों से उछाल मारकर पांच सीटों तक जा पहुंचा. इसी लोकसभा चुनाव में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन घर-परिवार की देहरी लांघ कर सार्वजनिक जीवन में उतरीं और स्टार चेहरा बन गईं. उन्होंने खुद गांडेय विधानसभा क्षेत्र का उपचुनाव काफी मार्जिन से जीता. हेमंत की पार्टी झामुमो में अर्बन चेहरेवाले नेतृत्व की कमी वे पूरी कर सकेंगी.

हेमंत चूंकि चार साल से अधिक काल तक लगातार सरकार चलाते रहे, इसलिए ब्यूरोक्रेसी के स्तर पर उनको कोई समस्या नहीं आनेवाली. संगठन उन पर कुर्बान है ही. यहां तक कि गठबंधन के घटक दल कांग्रेस, राजद को भी उनका ही भरोसा है. हेमंत का राज रहा हो कि चंपाई का, वोट बैंक का ध्यान रखकर नीतिगत फैसले लिए जाते रहे. इन्होंने क्षेत्र भ्रमण कर जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय बनाये रखा. असल परेशानी कांग्रेस के साथ पेश आनेवाली है. खूंटी और लोहरदगा संसदीय सीटें जीत लेने और कतिपय अन्य क्षेत्रों में खासा वोट मिल जाने का मतलब विधानसभा चुनाव की राह निष्कंटक हो जाना कतई नहीं है. देश के स्तर पर महिला केंद्रित राजनीति का दौर प्रारंभ हो गया है. झारखंड में कुछ अरसा पहले कांग्रेस की पांच महिला विधायक हुआ करती थीं, आज भी चार हैं. उनको कितना महत्व दिया गया, यह सवाल उठना लाजिमी है. कांग्रेस के लिए यही वह समय है, जब सरकार में वह ठोंक-बजाकर भागीदारी निभाये, ताकि चुनाव आते-आते जन मानस में सकारात्मक संदेश चला जाए. मंत्रियों और विधायकों में ही सही, वह तालमेल तो बैठा ले. चंपाई सीएम रहते तो हार का ठीकरा उन पर फूटता. अब हेमंत मैदान में कूद गये हैं तो सारी जवाबदेही इन पर आ जाएगी. उन्होंने गंभीर चुनौती ओढ़ ली है. लोकसभा चुनाव में कुछ खूंटे डगमगाए हैं. इस लिहाज से उनको झामुमो में भी ओवरहॉलिंग करनी पड़ेगी और गठबंधन के साथियों को भी ऊर्जा देनी पड़ेगी. अपना कार्यकाल पूरा करने जा रही महागठबंधन सरकार के पास गिनाने के लिए कई काम हैं और प्रतिपक्षी भाजपा के पास भी इस सरकार की नाकामियां गिनाने के लिए बहुत कुछ है. रोजगार, कानून-व्यवस्था आदि स्थायी मुद्दे हैं. असल बात होती है सरकार का इकबाल. वह किस हद तक प्रभावित किये हुए है, इस पर भी चुनाव निर्भर करता है. इस बार जनजातीय आबादी के साथ-साथ कुड़मी महतो भी एक फैक्टर होंगे. फैक्टर तो खुद हेमंत भी रहेंगे. इनका पक्ष भाजपा द्वारा भली-चंगी सरकार को तबाह करने की कोशिश पर खेलेगा, जबकि भाजपा भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाएगी. हेमंत की जमानत के साथ ही उसने कह दिया था, उनको जमानत मिली है, केस तो कायम है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं.)**

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

सत्य का भ्रम

एक सरल स्वभाव के ग्रामीण ने बाजार से एक बकरी खरीदी. खुशी-खुशी वह बकरी को कंधे पर लिये घर जा रहा था. रास्ते में उसे तीन ठग मिल गये. उन्होंने उसे मूर्ख बनाकर बकरी हड़पने की योजना बनायी और उसके गांव के रास्ते में थोड़ी-थोड़ी दूरी पर खड़े हो गये. जब पहले ठग को वह ग्रामीण मिला, तो ठग बोला - ₹भैया, इस कुतिया को क्यों पीठ पर उठाये ले जा रहे हो ?₹ ग्रामीण ने उसकी ओर उपेक्षा से देखकर कहा - ₹अपनी आंखों का इलाज करा लो. यह कुतिया नहीं, बकरी है. इसे मैंने आज ही बाजार से खरीदा है.₹ ठग हंसा और बोला - ₹मेरी आंखें तो ठीक हैं, पर गड़बड़ तुम्हारी आंखों में लगती है. खैर, मुझे क्या फर्क पड़ता है. तुम जानो और तुम्हारी कुतिया.₹ ग्रामीण थोड़ी दूर और चला कि दूसरा ठग मिल गया. उसने भी यही बात कही - ₹क्यों भाई, कुतिया को कंधों पर लादकर क्यों अपनी हंसी करा रहे हो. इसे फेंक क्यों नहीं देते ?₹ अब ग्रामीण के मन में संदेह पैदा हो गया. उसने बकरी को कंधों से उतारा और उलट-पलटकर देखा. पर वह थी तो बकरी ही. इसलिए वह फिर अपने रास्ते पर चल पड़ा. थोड़ी दूरी पर तीसरा ठग भी मिल गया. उसने बड़ी नम्रता से कहा - ₹भाई, आप शक्ल-सूरत और कपड़ों से तो भले आदमी लगते हैं; फिर कंधों पर कुतिया क्यों लिये जा रहे हैं ?₹ ग्रामीण को गुस्सा आ गया. वह बोला - ₹तुम्हारा दिमाग तो ठीक है, जो इस बकरी को कुतिया बता रहे हो ?₹ ठग बोला - ₹तुम मुझे चाहे जो कहो; पर गांव में जाने पर लोग जब हंसेंगे और तुम्हारा दिमाग खराब बतायेंगे, तो मुझे दोष मत देना.₹ जब एक के बाद एक तीन लोगों ने लगातार एक जैसी ही बात कही, तो ग्रामीण को भरोसा हो गया कि उसे किसी ने मूर्ख बनाकर यह कुतिया दे दी है. उसने बकरी को वहीं फेंक दिया. ठग तो इसी प्रतीक्षा में थे. उन्होंने बकरी को उठाया और चलते बने. यह कथा बताती है कि गलत तथ्यों को बार-बार व बढ़ा चढ़ाकर सुनने में आने से भले-भले विद्वान भी भ्रम में पड़ जाते हैं. निसंदेह अपनी कमियों का अवलोकन करना और उन्हें दूर करने के प्रयास करना विकास में सहायक है. किन्तु बार बार उन्हीं कमियों की स्मृति में ही डूबे रहना, उन्हें विकराल स्वरूप में पेश करना, समझना और उसी में शोक संतप्त रहना, आशाविहीन अवसाद में जाना है. शोक कितना भी हृदय विदारक हो, आखिर उससे उबरने में ही जीवन की भलाई है. समस्याएं चिंताए कितनी भी दूभर हो, गांठ बांधने, बार बार याद करने से कुछ भी हासिल नहीं होना है. उलट कमियों का निरंतर चिंतन हमें नकारात्मकता के गर्त में गिराता है.

नये आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की चुनौती

• सामयिकी

प्रमोद जोशी

औपनिवेशिक व्यवस्था को बदलने की बातें अरसे से होती रही हैं, पर जब बदलाव का मौका आता है, तो सवाल भी खड़े होते हैं. ऐसा ही तीन नए आपराधिक कानूनों के मामले में हो रहा है, जो गत 1 जुलाई से देशभर में लागू हो गए हैं. स्वतंत्रता के बाद से न्याय-व्यवस्था में परिवर्तन की यह सबसे बड़ी कवायद है. ये कानून नए मामलों में लागू होंगे. जो मामले भारतीय दंड संहिता के तहत पहले से चल रहे हैं, उन पर पुराने नियम ही लागू होंगे. इसलिए दो व्यवस्थाओं का कुछ समय तक चलना चुनौती से भरा काम होगा. इस लिहाज से नए कानूनों को लागू करने से जुड़े तमाम तकनीकी-मसलों को चुस्त-दुरुस्त करने में भी चार-पांच साल लगेंगे. इसका अर्थ यह भी है कि देश में जब 2029 में लोकसभा चुनाव होंगे, तब इन कानूनों की उपादेयता और निरर्थकता भी एक मुद्दा बनेगी. इस लिहाज से इन कानूनों का लागू होना बहुत बड़ा काम है. चूंकि कानून-व्यवस्था संविधान की समवर्ती सूची में आते हैं, इसलिए राजनीतिक और प्रशासनिक सवाल भी खड़े होंगे. कर्नाटक उन राज्यों में से एक है, जिसने तीन नए कानूनों का अध्ययन करने के लिए औपचारिक रूप से एक विशेषज्ञों की समिति का गठन किया है. संभव है कि कुछ मसले अदालतों में भी जाएं. इन कानूनों की दो बातें ध्यान खींचती हैं. दावा किया गया है कि अब मुकदमों का फैसला तीन-चार साल में ही हो जाएगा. पुराने दकियानूसी कानूनों और उनके साथ जुड़ी प्रक्रियाओं की वजह से मुकदमे दसियों साल तक घिसटते रहते थे. दूसरे कुछ नए किस्म के अपराधों को इसमें शामिल किया गया है, जो समय के साथ जीवन और समाज में उभर कर आए हैं. इनमें काफी साइबर-अपराध हैं और कुछ नए सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल में उभरी प्रवृत्तियां हैं. जिस आईपीसी का स्थान भारतीय न्याय संहिता ने लिया है, वह अंग्रेज शासकों के हित में बनाई गई थी. उसका उद्देश्य न्याय से ज्यादा शासन करना था. सरकार का दावा है कि ये कानून औपनिवेशिक कानूनों की जगह पर राष्ट्रीय-दृष्टिकोण की स्थापना करेंगे, इसीलिए इनके नाम अंग्रेजी में नहीं, हिंदी में हैं. हालांकि स्वतंत्रता के बाद से पुराने कानूनों में कई बार संशोधन किए गए, पर जैसा कि गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि ये कानून भारतीयों द्वारा भारतीयों के लिए बनाए गए हैं. इन नए कानूनों ने तीन पुराने कानूनों का स्थान लिया है. भारतीय दंड संहिता, 1860- आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 (सीआरपीसी) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 (आईई एक्ट) की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 लागू किए गए हैं. देश में इस बात को लेकर काफी हद तक आमराय रही है कि पुराने कानूनों में 'भारी बदलाव' की जरूरत है. नए कानून इस 'भारी बदलाव' को व्यक्त करते हैं या नहीं, यह इस वक्त चर्चा का विषय है. राजद्रोह कानून अब निरस्त हो जाएगा. वस्तुतः उच्चतम न्यायालय ने मई, 2022 में कहा था कि राजद्रोह का अपराध प्रथम दृष्ट्या अवैधानिक है और इसे समाप्त किया जाना चाहिए. नए कानून के अनुसार सरकार के खिलाफ नफरत, अवमानना, असंतोष पर दंडात्मक प्रावधान नहीं होंगे, लेकिन इसमें देशद्रोह को नए अपराध के रूप में शामिल किया गया है. राष्ट्र के खिलाफ कोई भी गतिविधि दंडनीय होगी. महिलाओं और बच्चों को हिंसा से बचाने के लिए इसमें नए प्रावधान हैं. कानून में आतंकवाद को परिभाषित किया गया है. सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियों, अलगाववादी गतिविधियों या भारत की संप्रभुता या एकता और अखंडता को खतरा पहुंचाने वाली गतिविधि के लिए नए प्रावधान जोड़े गए हैं. गैंगरेप के लिए 20 साल की कैद या आजीवन जेल की सजा होगी. पीड़िता नाबालिग है तो आजीवन कैद/मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है. समय के साथ नई तकनीकों का इस्तेमाल भी बढ़ा है. इसके अनुरूप साक्ष्य अधिनियम में बदलाव हुए हैं. अब 'दस्तावेज' में इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल रिकॉर्ड, ईमेल, सर्वर लॉग, कंप्यूटर में फाइलें, स्मार्टफोन/लैपटॉप संदेश, वेबसाइट, लोकेशन डाटा; डिजिटल उपकरणों पर मेल संदेश शामिल हो गए हैं. नए कानूनों को लागू करना आसान काम नहीं है, क्योंकि काफी समय तक पुलिस-प्रशासन और न्यायिक-प्रशासन को नए और पुराने कानूनों में अंतर करना होगा. पुराने मुकदमे चलते रहेंगे और नए आते जाएंगे. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> कर्नाटक उन राज्यों में से एक है, जिसने तीन नए कानूनों का अध्ययन करने के लिए औपचारिक रूप से एक विशेषज्ञों की समिति का गठन किया है. संभव है कि कुछ मसले अदालतों में भी जाएं. इन कानूनों की दो बातें ध्यान खींचती हैं. दावा किया गया है कि अब मुकदमों का फैसला तीन-चार साल में ही हो जाएगा. पुराने दकियानूसी कानूनों और उनके साथ जुड़ी प्रक्रियाओं की वजह से मुकदमे दसियों साल तक घिसटते रहते थे.

सवालों से घिरे एनटीए पर पुनर्विचार जरूरी

• विमर्श

अजीत दूबे

इसरो के पूर्व अध्यक्ष के राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली सात सदस्यों की कमेटी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए में सुधारों पर विचार कर रही है. सात सदस्यों की यह उच्चस्तरीय समिति दो महीने में अपनी रिपोर्ट सरकार को देगी. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान हर जगह इसका हवाला दे रहे हैं कि सरकार परीक्षा सुधारों के लिए काम कर रही है. लेकिन सवाल है कि क्या काम हो रहा है? क्या एक कमेटी बना देने और उसकी सिफारिशों से परीक्षा की व्यवस्था में सुधार हो जाएगा? यह इतना आसान काम नहीं है.शिक्षा और परीक्षा दोनों का मामला बहुत जटिल है और व्यापक विचार विमर्श के जरिए ही इसमें सुधार किया जा सकता है. केंद्र सरकार की बनाई कमेटी पिछले करीब दो हफ्ते से एनटीए में सुधार के लिए काम कर रही है, लेकिन कहीं भी यह देखने को नहीं मिला है कि उसने संबंधित पक्षों से विचार विमर्श किया है. इस मामले में जितने स्टेकहोल्डर्स हैं, उनके साथ सलाह मशविरा करने की जरुरत है. छात्रों और अभिभावकों की राय लेने की भी जरूरत है और राज्य सरकारों के साथ भी विचार विमर्श किया जाना चाहिए. उसके बगैर किसी भी सुधार की सिफारिश का कोई मतलब नहीं रहेगा. आखिर इसी तरह की किसी कमेटी की सिफारिश पर केंद्र सरकार ने छह साल पहले एनटीए का गठन किया था लेकिन उससे क्या हुआ? परीक्षा की एक केंद्रीकृत व्यवस्था बन गई, परंतु छात्रों का भला नहीं हुआ. उलटे उनकी मुसीबतें बढ़ गईं. पूरे देश के लिए होने वाली एक केंद्रीकृत परीक्षा में अगर किसी एक राज्य में कोई गड़बड़ी हुई तो पूरे देश के परीक्षार्थियों के लिए मुश्किल पैदा हो जाती है. पहले राज्यवार परीक्षाएं होती थीं तो उनकी समस्या भी स्थानीय स्तर की होती थी और दूसरे राज्यों पर उसका असर नहीं होता था. लेकिन एक देश, एक परीक्षा की सोच में केंद्रीकृत परीक्षाएं हो रही हैं. इसके लिए एक बड़ी एजेंसी बना दी गई, लेकिन न तो सरकार और न एनटीए जैसी एजेंसियां फुलप्रूफ परीक्षा की गारंटी दे पा रही हैं. सरकार को यह समझना होगा कि परीक्षा सिर्फ किसी संस्थान में दाखिला प्राप्त करने या कोई नौकरी हासिल कर लेने का माध्यम नहीं है. यह देश की शीर्ष शिक्षण संस्थानों और परीक्षा आयोजित करने वाले संस्थानों के प्रति आम नागरिक के भरोसे की परीक्षा है. देश का आम नागरिक अपने बच्चों को प्रतियोगिता और प्रवेश परीक्षाओं में इस भरोसे के साथ शामिल करता है कि वहां उसकी योग्यता और क्षमता का ईमानदारी से आकलन होगा. लगातार हो रही गड़बड़ियों से नागरिकों का यह भरोसा टूट रहा है. सोचें, मेडिकल में दाखिले के लिए हुई नीट यूजी की परीक्षा में 24 लाख छात्र शामिल हुए थे. यानी करीब 24 लाख परिवार इससे जुड़े थे. यानी कम से कम एक करोड़ 20 लाख लोग किसी न किसी रूप में इसमें शामिल थे. सरकार को समझना चाहिए कि किस तरह से परिवार अपने जरूरी खर्चों में कटौती करके बच्चों को परीक्षा की तैयारी कराते हैं. किस तरह से किशोर उम्र के छात्र अपने शौक और अपनी भावनाओं को दबा कर रात दिन एक करके परीक्षा की तैयारी करते हैं. कितनी मुश्किलों से परीक्षा केंद्र तक जाकर लाखों बच्चे परीक्षा में शामिल होते हैं. यह सिर्फ बच्चों की नहीं, उनके पूरे परिवार की परीक्षा होती है. और उसमें इस तरह की घटनाएं हों तो वह सिर्फ कानून के प्रति नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपराध होता है, जिसमें सरकार भी शामिल होती है. सरकार को शिक्षा और परीक्षा की बुनियादी चुनौतियों को समझना चाहिए. इसकी बुनियादी समस्या यह है कि आबादी के अनुपात में न तो शिक्षण संस्थान हैं और न नौकरियां हैं. अच्छे शिक्षण संस्थानों की कमी से पढ़ाई महंगी होती जा रही है और अच्छी नौकरी हासिल करने की चुनौती भी बड़ी होती जा रही है. नौजवानों की आकांक्षा और उपलब्ध अवसर के बीच इतनी बड़ी खाई है, जिसे पाटना असंभव दिख रहा है. इसलिए जब सरकार परीक्षा में सुधार पर चर्चा कर रही है तो उसे इस बुनियादी समस्या को भी समझना होगा कि कैसे अच्छे शिक्षण संस्थाओं की संख्या बढ़ाई जाए और कैसे पढ़ाई को सस्ता बना कर आम लोगों के लिए उसे सुलभ बनाया जाए. ऐसा होगा तभी परीक्षा में पेपर लीक और कदाचार रोकने में आसानी होगी. अब समय आ गया है कि इसे समवर्ती सूची से निकाल कर राज्य सूची में डाला जाए. अभी शिक्षा पर देश में हर साल औसतन छह लाख करोड़ रुपये खर्च होते हैं, जिसका 85 फीसदी राज्य सरकारें ही करती हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> आखिर इसी तरह की किसी कमेटी की सिफारिश पर केंद्र सरकार ने छह साल पहले एनटीए का गठन किया था लेकिन उससे क्या हुआ? परीक्षा की एक केंद्रीकृत व्यवस्था बन गई, परंतु छात्रों का भला नहीं हुआ. उलटे उनकी मुसीबतें बढ़ गईं. पूरे देश के लिए होने वाली एक केंद्रीकृत परीक्षा में अगर किसी एक राज्य में कोई गड़बड़ी हुई तो पूरे देश के परीक्षार्थियों के लिए मुश्किल पैदा हो जाती है.

मीडिया में अन्यत्र

सतत विकास के लक्ष्य और भारत की प्रगति

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास के 2030 के एजेंडे के एक हिस्से, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में छह वर्ष से भी कम समय शेष रह गया है. ऐसे में इसके 17 लक्ष्यों और 169 संबद्ध लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भारत को अभी बहुत प्रयास करने की आवश्यकता है. इन वैश्विक लक्ष्यों को 2015 में अपनाया गया था और ये गरीबी उन्मूलन, लैंगिक न्याय हासिल करने, पृथ्वी को सुरक्षित रखने तथा सभी के वास्ते शांति और समृद्धि हासिल करने की दिशा में कदम उठाने के लिए एक सार्वजनिक आह्वान हैं. इस संदर्भ में हाल में जारी भारत में एसडीजी की प्रगति रिपोर्ट डेटा आधारित प्रमाण पेश करती है. यह बताती है कि एसडीजी और उससे जुड़े लक्ष्यों को हासिल करने की प्रक्रिया में भारत की प्रगति मिलीजुली रही है. एसडीजी1 के तहत भारत ने हाल के वर्षों में गरीबी उन्मूलन के मामले में बेहतर प्रदर्शन किया है. रिपोर्ट के अनुसार बहुआयामी गरीबी में 9.89 फीसदी की कमी आई और यह 2015-16 से 2019-21 के बीच घटकर 14.96 फीसदी रह गई. नीति आयोग की एक हालिया रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि 2022-23 में यह और गिरकर 11.28 फीसदी रह जाएगी. भविष्य में गरीबी के स्तर में और कमी लाने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता होगी तथा लोगों की खर्च योग्य आय बढ़ानी होगी. अन्य क्षेत्रों में जीवन स्तर सुधारने के लिए सरकार के निरंतर हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी. उदाहरण के लिए रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि एक ओर जहां मांओं और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है तथा कुपोषण, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आई है, वहीं 15 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं तथा पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में खून की कमी के मामलों में इजाफा हुआ है. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामलों में उच्चतर माध्यमिक शिक्षा में नामांकन, व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण में भागीदारी दर, दिव्यांग बच्चों के नामांकन, शिक्षक-छात्र अनुपात और स्कूल बुनियादी ढांचे के मामले में 2015-16 से अब तक काफी सुधार हुआ है. बहरहाल, कक्षा पांचवीं और आठवीं की पढ़ाई पूरी करने वाले बच्चों की तादाद महामारी के पहले के स्तर से नीचे आ गई है. यह बताता है कि महामारी ने अर्थव्यवस्था को किस तरह प्रभावित किया है. इसके अलावा महिला श्रमिकों की भागीदारी बढ़ने के साथ ही वेतन की असमानता, दहेज के मामले और अपराधों की तादाद भी बढ़ी है. इनमें महिलाओं पर यौन अपराध शामिल हैं. ये कारक बताते हैं कि स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक संरक्षण के क्षेत्र में सरकारी व्यय बढ़ाने की आवश्यकता है. बहरहाल, रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि कुल सरकारी व्यय में अनिवार्य सेवाओं पर होने वाला व्यय महामारी के पहले के स्तरों से कम हुआ है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सूरत/सीरत

तेरी प्यारी प्यारी सूरत को किसी की नजर न लगे. यह 1960 में बनी फिल्म ससुराल के एक गीत का प्यारा-सा मुखड़ा. हसरत जयपुरी के शब्दों की सूरत को मोहम्मद रफी ने खूबसूरती के चरम पर पहुंचा दिया था. यही कारण है कि लगभग ढाई दशक के बाद भी इस गाने की सूरत में कोई अंतर नहीं आया है. इस गीत में केवल महसूस की जानेवाली प्यारी-सी सूरत ही नहीं है, बल्कि दिल के तारों को झंकृत कर देनेवाली सीरत भी है. सूरत और सीरत दोनों ही अरबी भाषा मूल के संज्ञा स्त्री लिंग शब्द हैं. दोनों के बीच समानता तो नहीं है, लेकिन एक दूसरे के लिए ये आवश्यक अवश्य ही हैं. सूरत हो, लेकिन सीरत नहीं हो तो अच्छी-भली सूरत भी अप्रिय लगने लगती है. सांप और बाघ, दोनों की सूरत बहुत लुभावनी होती है, लेकिन सीरत से हिंसक और घातक होने के कारण इनकी सुंदरता किसी को मोहित नहीं कर पाती. मैंने अपने एक मित्र से पूछा कि सूरत और सीरत में क्या अंतर है. उसने तपाक से जवाब दिया-सूरत गुजरात का एक सुप्रसिद्ध नगर है और सीरत हिमाचल प्रदेश का एक गांव. यह भी सही है, लेकिन जिस सूरत और सीरत की बात हम कर रहे हैं, वह नहीं है. अरबी भाषा मूल के सूरत का मतलब है रूप, आकृति, चेहरा शक्ल, जीव-जंतु, पदार्थ, व्यक्ति आदि की आकृति या रूप जिससे उसकी पहचान होती है, मामला, रास्ता, किसी व्यक्ति या वस्तु का बाह्य रूप, देशा, हालत, चित्र, तस्वीर, उपाय, तदबीर, रूपरेखा. भेष, कुरान शरीफ का एक अध्याय. सीरत उस गुण को कहा जाता है, जो चरित्र, आदत, गुण, कौशल, विशेषता, स्वभाव, प्रकृति, जीवन-चरित, प्रकृति आदि के रूप में महसूस किया जा सकता है. अच्छी सूरतवाले लोग भले ही सुंदर और मासूम हों, पर जबतक सीरत अच्छी नहीं हो तो वह बेकार ही है. सूरत आकृति है तो सीरत गुण. सूरत बाहरी सुंदरता है तो सीरत आंतरिक सौंदर्य.

चुनाव और चिम्मनलाल की चालाकी

• तीर-तुक्का

डॉ. एस. के. पाण्डेय

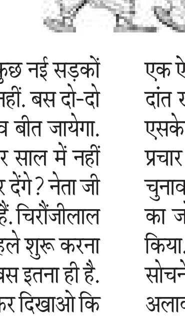

चिम्मनलालजी की अपनी पार्टी-'एसकेएपी' यानी 'सबकुछ अपना पार्टी' की चुनाव पूर्व बैठक चल रही थी. बैठक में मौजूद दर्जनों कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए चिम्मनलालजी उन्हें जोरदार ढंग से संबोधित कर रहे थे-हां तो मित्रो, चुनाव से पहले हमें जनता की भलाई के लिए बहुत करना है. कुछ आवश्यक चीजों के दाम जो हम अब तक बढ़ाते आयें हैं, अब थोड़ा कम करना चाहते हैं. बेचारी जनता महंगाई के बोझ से दबी जा रही है. थोड़ी सी राहत पाकर उसके जान में जान आएगी और वह अनजान होकर एसकेएपी के लिए मतदान करेगी. जिन गावों में आठ घंटे भी बिजली नहीं रहती. उनमें अठारह घंटे सप्लाई होगी और जिन शहरों में चार घंटे की कटौती होती हैं. वहां चौबीस घंटे बिजली दी जायेगी. जो सड़कें वर्षों से टूटी हैं, उन पर जल्द ही काम चालू कर दिया जायेगा. कुछ नई सड़कों का भी नक्शा पास करवा रहे हैं. इन्हें बनवाएंगे नहीं. बस दो-दो महीने पर जांच-पड़ताल होती रहेगी और चुनाव बीत जायेगा. किसी ने कहा कि नेता जी जो काम पिछले चार साल में नहीं हुआ, उसे आप केवल एक साल में कैसे पूरा कर देंगे? नेता जी बोले पूरा कौन कर रहा है? हम शुरुआत कर रहे हैं. चिरौंजीलाल जी समझाते हुए बोले जो काम हमें चार साल पहले शुरू करना चाहिए था. उसे हम आज शुरू करने जा रहे हैं. बस इतना ही है. आप लोग परेशान मत हों. यह समझ कर कुछ कर दिखाओ कि चुनाव एक साल बाद नहीं, बल्कि एक महीने बाद ही है. अभी तक जो प्रमुख काम हमने किया है, वह है वस्तुओं की मूल्य वृद्धि और आज पहली बार घटाने का निर्णय ले रहे हैं. किसी ने कहा इससे हमारे बजट में असंतुलन की स्थिति आ जायेगी. उससे कैसे निपटा जायेगा. चिरौंजीलालजी बोले कि वस्तुओं का मूल्य हम मजबूरी में घटा रहे हैं. वैसे हम इस स्थिति में हैं नहीं. वस्तुतः हमें कम से कम दो रूपये हर जरूरत वाली चीजों के मूल्यों में इसी वक्त बढ़ा देना चाहिए. परन्तु अब ऐसा न करके चुनाव के बाद दो के जगह चार बढ़ा देंगे तो सूद और ब्याज सब वापस हो जायेगा. चिम्मनलालजी एसकेएपी के बरिष्ठ नेता तिवारी जी से बोले हमने एजेंडा बनाने के लिए एक समिति बनाई है. जिसका दारोमदार आपके ऊपर ही होगा. आपलोग 'न भूतो न भविष्यति' के तर्ज पर एक ऐसा एजेंडा तैयार करवाइए कि जिसे देखकर विरोधियों के दांत खट्टे हो जाएं और जनता चार साल के सारे गम भुलाकर एसकेएपी को सिर पर बिठा ले. चिम्मनलालजी बोले- चुनाव प्रचार में भी हमें दिल खोलकर खर्च करना है. मकसद सिर्फ चुनाव जीतना है. इसके लिए कुछ भी करेंगे. एड़ी से चोटी तक का जोर लगा देंगे. यह सब सुनकर किसी कार्यकर्ता ने प्रश्न किया. इन खर्चों की भरपाई कहाँ से होगी? नेता जी बोले. यह सोचने का समय अभी नहीं है. और चुनाव जीतने के बाद इसके अलावा और कुछ सोचने का समय ही कहां रहता है?

वर्ल्ड किस डे आज

किस्सा किस का

'फिल्म में किसिंग सीन हों तो बॉक्स ऑफिस पर अच्छी ओपनिंग मिल जाती है. बॉलीवुड आज इतना आगे निकल गया है कि प्यार के दृश्यों में अब आप कभी दो फूल, दो भंवरे या दो पक्षी एक-दूसरे की तरफ झुकते हुए नहीं देख सकेंगे. हीरो-हीरोइनों को चुंबन दृश्य में कोई परहेज नहीं है.' करन जौहर ने कभी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बात कही थी और शायद यही आज बॉलीवुड की फिल्मों की सच्चाई है. आज (6 जुलाई को) वर्ल्ड किस डे है. आइए, इस मौके पर बॉलीवुड के बहाने जाने किस्सा किस का...

पहला किसिंग सीन

बॉलीवुड का पहला और करीब 4 मिनट से अधिक समय का किसिंग सीन 1933 में फिल्म कर्मा में नजर आया. सीन ऐसा था कि एक्टर हिमांशु राय बेहोशी की हालत में था. एक्ट्रेस देविका रानी को उन्हें किस करके जगाना था. इस किसिंग सीन की वजह से बहुत बवाल हुआ, देविका रानी और हिमांशु राय की फजीहत हुई. बाद में इस कपल से शादी कर ली थी और आलोचकों का मुंह बंद कर दिया था.

बहू जब पर्दे पर करे किस

बहू तो बहू होती है, भले विश्वसुंदरी हो, एक्ट्रेस हो. जब 'धूम-2' में ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय का किसिंग सीन आया तो ससुर जी यानी अमिताभ बच्चन फिल्म का स्पेशल शो छोड़ कर चले गए. बहू को गैर मर्द के साथ पर्दे पर किस करता देखना उन्हें गवारा नहीं था.

"किस" के लिए नो-नो

सलमान खान किसिंग सीन से दूर रहते हैं. उनका तर्क है कि उनकी फिल्म परिवार के सारे सदस्य मिलकर देखते हैं, इसलिए वे अपनी फिल्म में एक भी असहज करने वाला सीन नहीं डाल सकते हैं. निर्माता और निर्देशक साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म 'किक' में सलमान के लिए एक किसिंग सीन डाल दिया था. सलमान खान को जब सीन के बारे में पता चला, तो वे भड़क उठे. उन्होंने फौरन साजिद के नाम फरमान जारी कर दिया कि वे अपनी स्क्रिप्ट पर दोबारा काम शुरू कर दें. उन्हें किसिंग सीन कतई नहीं चाहिए.

शिल्पा के ये तीन किस

किस्सा किस का हो तो शिल्पा शेट्टी को कैसे भूला जा सकता है. शिल्पा खुद भी शायद अपने जीवन में इन तीन चुंबनों को कभी नहीं भूल पाएंगी. प्रयाग में 2012 में हुए महाकुंभ के दौरान शिल्पा जब एक साधू के करीब पहुंची तो उसने शिल्पा का चेहरा पकड़कर चूमना शुरू कर दिया. यह किस तो बहुत विवादों में रहा. हॉलीवुड निर्देशक रिचर्ड गेरे भारत में आए थे तब एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान रिचर्ड सार्वजनिक जगह पर शिल्पा को बुरी तरह से चूम बैठे. इस किस पर भी खूब हो-हल्ला हुआ. धड़कन फिल्म में अक्षय कुमार के साथ उनके किस सीन की चर्चा खूब हुई. उस दौरान वह अक्षय की प्रेमिका भी रहीं और यह किस सीन खूब चर्चित हुआ है.

"किस" की गिनती

शाहिद-कियारा की फिल्म 'कबीर सिंह' के बारे में कहा जाता है कि इसमें जितने चुंबन हैं शायद उतने बॉलीवुड की किसी फिल्म में आज तक नहीं नजर आए. लेकिन इस फिल्म में कितने चुंबन दृश्य हैं, इसकी गिनती भी शायद आज तक किसी ने नहीं की. वहीं एक ऐसी फिल्म की बात भी करें जिसमें एक्टर ने दो एक्ट्रेस के साथ करीब दो दर्जन किस कर डाले. जी हां, बात हो रही है फिल्म शुद्ध देसी रोमांस की जिसमें सुशांत सिंह ने परिणीति चोपड़ा और वानी कपूर के साथ 23 चुंबन सीन फिल्माए. नील नितिन मुकेश और सोनल सिंह की मुख्य भूमिका वाली फिल्म '3 जी' 30 किस सीन के कारण चर्चा में रही. एक्ट्रेस सोनल चौहान को यह सीन उसके साथ ही करना था जो रियल लाइफ में उनके बॉयफ्रेंड थे. लिहाजा कोई असहजता नहीं हुई. मल्लिका शेरावत की 'ख्वाहिश' में 20 से अधिक चुंबन दृश्य थे, और यही फिल्म की सफलता की वजह बना.

"किस" की चालाकी

फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान और भाग्यश्री के बीच एक किस सीन था जिसके लिए दोनों इंकार कर दिया. डायरेक्टर सूरज बड़जात्या तब एक उपाय निकाला कि दोनों के बीच एक शीशा रख दिया. दोनों ने उस शीशे को किस किया और दर्शकों को इस किस के इस चालाकी का पता भी नहीं चला. कुछ ऐसा ही हुआ 2012 में आई तमिल/तेलुगु फिल्म 'मात्तारान' में. एक हॉल में काजल और सूर्या के बीच फिल्माया गया एक किसिंग सीन है, लेकिन हकीकत में काजल ने एक कुशन को किस किया था जबकि सूर्या ने एक प्लास्टिक शीट को किस किया था. बाद में विजुअल इफेक्ट्स की मदद से ऐसे दिखाया गया कि जैसे दोनों ने एक दूसरे को किस किया हो.

'ये साली जिंदगी' के किस

सुधीर मिश्रा की फिल्म 'ये साली जिंदगी' भी किस की वजह से ही चर्चा में रही. इसमें अदिति राव का अरूणोदय के साथ करीब एक मिनट लंबा किस सीन एक ऑटो में फिल्माया गया. कुछ और किस सीन चित्रांगदा सिंह पर भी फिल्माए गए.

बरसो रे बरसो मेघा, मेघा बरसो, मीठा है, कोसा है, बारिश का बोसा है

हस्ताक्षर

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

बारिश और हमारा रिश्ता अजीब है, हर साल बारिश के साथ हम डूबते उतराते हैं, फिर भी यदि किसी मौसम की हम सबसे अधिक प्रतीक्षा करते हैं तो वह बारिश ही होती है. कोई तो विज्ञान है कि बारिश हमें उदास नहीं रहने देती. बारिश के लिए हमारे पास संगीत में मेघ मल्हार है, तो कजरी भी. साहित्य में तो मेघदूत ही है. बचपन में पहली पेंटिंग हमसे कोई बनती है तो वह बादलों की ही होती.

जीवन का पर्याय

बारिश के प्रति हमारी इस कमजोरी का अहसास सिनेमा को भी रहा है. सच तो यही है कि सिनेमा की लोकप्रियता का आधार ही हमारी कमजोरियां हैं. शायद इसीलिए श्वेत श्याम के दिनों से ही सिनेमा के परदे को बारिश की बूंदें भिंगोती रही हैं. 'बरसात' से लेकर 'चमेली' तक बदरवा दर्शकों के मन धड़काए रहे हैं. 'गाईड' और 'लगान' जैसी फिल्म में बारिश की बूंदें जीवन का पर्याय बन कर आती हैं.

प्रेम की अभिव्यक्ति

यहां 'तुम मिले' को भी नहीं भूल सकते जिसमें बारिश से मुंबई को त्राहिमाम करते भी हमने देखा था. लेकिन सिनेमा के लिए बारिश का एक ही पक्ष महत्वपूर्ण रहा है, प्रेम. आर के स्टूडियो का प्रतीक चिन्ह बन चुका 'बरसात' का 'हमसे मिले तुम' हो या 'श्री 420' का 'प्यार हुआ इकरार हुआ'. बारिश की बूंदों के साथ प्रेम के उत्साह को अद्भुत अभिव्यक्ति मिली है. 'कश्मीर की कली' में नायक कहता है, "दिवाना हुआ बादल, सावन की घटा छायी'.

बारिश के बहाने

बदलते समय के साथ हमारे स्वभाव भी बदले हैं और प्रेम के तरीके भी. अब यह सिर्फ 'रिम झिम के तराने लेकर' नहीं आती, सीमाएं तोड़ने के बहाने लेकर आती है. 'नमकहलाल' में अमिताभ बच्चन स्मिता पाटिल बारिस में भींगते बीच सड़क पर लिपटते चिपकते उदघोष करते फिरते हैं, 'आज रपट जायें तो हमें ना बचैयो'. बारिश हिन्दी फिल्मकारों को दोहरा अवसर देते रही है, एक ओर मिथकों में चित्रित बारिश की पृष्ठभूमि नायिका की इच्छाओं की मुखर अभिव्यक्ति के लिए आधार देती है, दूसरी ओर इसकी बूंदे नायिका के शरीर को पूरी मादकता से उजागर करने का भी अवसर देती हैं. 'मेरा नाम जोकर' के 'मोरे अंग लग जा बालमा' से 'मि. इण्डिया' के 'काटे नहीं कटती दिन ये रात' तक बारिश की बूंदें बहाने बन कर ही आती दिखती है.

मिलन का प्रतीक

बारिश मिलन का प्रतीक है. प्रेमचंद की कहानी पर बने 'गबन' में भी साजन की याद को बारिश के साथ मधुरता से जोड़ने की कोशिश की गई है, 'तुम बिन सजन बरसे नयन, जब जब बादल बरसे. मजबूर हम, मजबूर तुम, दिल मिलने को तरसे'. जबकि एक अल्प चर्चित फिल्म 'देवता' में गुलजार ने विरह को कुछ इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है, 'मैं तो कारे बदरवा से हारी, गरजे तो रात जगाये, बरसे तो आग लगाये'. 'गुरु' में बारिश की बूंदे बोसे में बदलती सुनाई पड़ती है, : "बरसो रे बरसो मेघा मेघा बरसो, बारिश का बोसा है..'

बारिश, एक उम्मीद

हमें उम्मीद है कालीदास के 'मेघदूत' की तरह गीतों में अभिव्यक्त बारिश के रिमझिम की मधुरता आने वाले दिनों में भी याद की जाती रहेगी. 'कागज की कश्ती, बारिश का पानी' की जब चर्चा होगी, हमारे सुखद अहसास पुनर्जीवित का अर्थ हो उठेंगे. बारिश की बूंदों से इतनी तो उम्मीद हम रख ही सकते हैं कि तमाम विडम्बनाओं के बीच भी यह हमें 'पहेली' के इस गीत की तरह अपने नास्टेलजिया में तो ले ही जाएगी, ..काग़ज़ की छोटी सी नैय्या, जल की ये लहरें बन के खेवैय्या, होके इसी नैय्या पे सवार, चल दें चल नदिया के पार, जामुन जहां मधुर मधुर, बोली मधुर मधुर, वृष्टि पड़े टापुर टुपुर, टापुर टुपुर.

रश्मिका के हाथ लगा "कुबेर" का खजाना!

रश्मिका मंदाना जल्द ही धनुष के साथ कुबेर में नजर आएंगी. मेकर्स लगातार इसके कई अपडेट जारी कर रहे हैं. अब रश्मिका ने खुद एक वीडियो अपने सोशल एकाउंट पर शेयर किया है जिसमें उनके किरदार के बारे में खुलासा हो रहा है. वीडियो के साथ रश्मिका ने कैप्शन लिखा है-कुबेर.

वीडियो में रश्मिका आधी रात को हथियार लेकर घर से निकल कर एक सुनसान जगह पर जाती दिखती है. यहां वह मिट्टी खोदती है और उससे एक सूटकेस निकालती दिखती है. सूटकेस पैसों से भरा है. इसे लेकर वह आगे बढ़ती नजर आती है. सस्पेंस से भरपूर यह टीजर जारी होते ही प्रतिक्रिया की भरमार आ गई. दर्शक उत्साहित नजर आने लगे. बता दें कि रश्मिका मंदाना का नाम साउथ दिग्गज एक्ट्रेस में शुमार है. अल्लू अर्जुन के साथ वे पुष्पा में दिखी थीं और इसी फिल्म से उनके फिल्मी करियर को उड़ान मिली. बीते साल रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल में गीतांजली की भूमिका अदा कर रश्मिका मंदाना ने फैंस को दिलों को आसानी से जीत लिया. यही कमाल वह कुबेर फिल्म के जरिए भी करती दिख सकती हैं.

इंटरव्यू : निखिल नागेश भट

"सिनेमा हॉल में फिल्म देख कर गुस्सा उतर जाए तो बेहतर है"

निर्देशक निखिल नागेश भट की चर्चित फिल्म 'किल' रिलीज हो चुकी है. पिछले दिनों उन्होंने एक मीडिया हाउस को इंटरव्यू दिया जिसमें बिहार से अपने नाते की भी चर्चा की. पेश है इंटरव्यू का संपादित अंश...

Q. आपकी पिछली फिल्म 'अपूर्वा' एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में सीमित थी, किल भी ज्यादातर एक ट्रेन की कहानी है.

A. कह सकते हैं कि फिल्म 'किल' की कहानी एक चलती ट्रेन पर घटती कहानी है तो 'अपूर्वा' की कहानी भागती जिंदगी के बीच हुए एक हादसे की कहानी है. इन दोनों फिल्मों के बीच बस यही समानता है. वैसे दोनों फिल्मों का इतिहास, भूगोल, गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र सब अलग है.

Q. 'अपूर्वा' देखकर क्या आपने कभी अनुभव किया कि यह फिल्म और बेहतर हो सकती थी?

A. देखिए कोई फिल्म बनाएं या कोई किताब लिखे या फिर कोई पेंटिंग आदि तैयार करें, कभी कोई सृजन करने के बाद यह नहीं कह सकता कि यह सौ प्रतिशत मुक्कमल है, सम्पूर्ण है. मेरी फिल्म में भी एक दो खामियां हैं, जो मैंने महसूस की, कुछ लोगों ने भी मेरी कमियों की ओर संकेत किया. इन कमियों को मैंने समझा, गुना है. अब मेरी कोशिश रहेगी कि इन कमियों को मैं अपनी अगली फिल्म में दूर करूं और दर्शकों की अपेक्षाओं पर अधिक खरा उतर सकूं.

Q. फिल्म 'किल' में हिंसा की भरमार है, फिर भी दर्शकों का शुरुआती रुझान इस फिल्म को लेकर बहुत बेहतर है. क्या भारतीय दर्शकों को भी हिंसक एक्शन फिल्में पसंद आने लगी हैं?

A. हिंसा, क्रोध कोई नया चलन तो है नहीं. बच्चे वीडियो गेम खेलकर अपने दिल की भड़ास निकालते हैं. बड़े यही काम सिनेमाहॉल में दूसरे तमाम दर्शकों के साथ करते हैं. हमारी भावनाएं यदि फिल्म देख कर निकल रही, तो इससे अच्छा और क्या है. अगर 'किल' या 'एनिमल' जैसी फिल्में इंसान के गुस्से को सिनेमाहॉल में निकाल देने में मदद कर रही हैं तो ऐसे लोग बाहर आकर बहुत सरलता से अपनी आगे की जिंदगी में बढ़ सकते हैं.

Q. फिल्म रांची से शुरू होती है, आप कहां के हैं?

A. मैं कुल से कोंकणस्थ ब्राह्मण हूं, हालांकि मेरा पालन पोषण बिहार में हुआ. सिंधिया राजघराने की मदद के लिए मराठों का जाना तो आपको याद ही होगा. वहां महाराष्ट्र से लड़ने गए तमाम मराठा परिवार फिर वहीं उत्तर भारत में ही बस गए. हमारा परिवार बिहारशरीफ में बसा. दादा मेरे वहां के नामी वकील रहे. पिताजी ने भी वकालत की. एक चाचा हमारे जज बने.

Q. बड़ा भाई भी शायद वकील है, फिर वकीलों के परिवार में ये फिल्ममेकर कैसे..?

A. कोशिश तो मैंने भी की थी वकील बनने की. उससे पहले घरवालों के दबाव में डॉक्टर बनने के लिए मेडिकल प्रवेश परीक्षाएं भी दी. नहीं सफल हुआ तो कॉमर्स से बीकॉम किया. एलएलबी भी दो साल पढ़ा. लेकिन फिल्म में दिल लगा ही नहीं. तब मॉस कॉम में दाखिला ले लिया. नोएडा में जी न्यूज की इंटर्नशिप की. लेकिन जब मैं मुंबई आया और एमटीवी से जुड़ा तो मुझे समझ आया कि मुझे जाना कहां है.

Q. करियर की शुरुआत अनुराग कश्यप की फिल्म 'ब्लैक फ्राइडे' से हुई है?

A. जी नहीं. उन दिनों मैं मिडडे में काम करता था और वहीं मुझे अंडरवर्ल्ड पर एक डॉक्यूमेंट्री बनाने का मौका मिला. उसमें एक हिस्सा बबलू श्रीवास्तव के ऊपर भी था. हिंदी मेरी अच्छी थी तो मैंने इसकी पटकथा लिखी थी. फिर निर्देशन का आग्रह मिला. जहां तक फिल्म 'ब्लैक फ्राइडे' की बात है तो इसके निर्माता ही मेरे मिडडे में बॉस थे. जब तक मैं इस फिल्म से जुड़ा, तब तक ये फिल्म बन चुकी थी. मैंने और मेरे मित्र देबोलय ने तो बस इस फिल्म के ट्रेलर काटे थे और इसकी पैकेजिंग में थोड़ी-बहुत मदद की थी.

फिल्म समीक्षा : किल

जिंदगी से छूटती है जब रांची की प्रेमिका तो सफर में... दिखती है बस मार-काट

कमजोर दिल वाले इस फिल्म को नहीं देखें, अब तक की सबसे अधिक हिंसा वाली फिल्म... प्रमोशन के दौरान जिस फिल्म के बारे में कुछ ऐसे ही प्रचार प्रसार किए गए, वह फिल्म अब दर्शकों के सामने है और उसके दावे भी सच नजर आ रहे. फिल्म का अधिकांश हिस्सा मार-काट दिखाता है. कहानी पर अधिक और स्टार पर कम फोकस्ड है. फिल्म के पहले दस मिनट, जहां हीरो अपनी गर्लफ्रेंड की सगाई में पहुंच जाता है, उसके बाद आने वाले खूनी सीनों से इतने अलग हैं कि यह विश्वास करना मुश्किल होगा कि वे उसी फिल्म का हिस्सा हैं. फिल्म में केवल एक गाना है, जो अंत में दिखाई देता है. हिंसा की भरमार है और ज्यादातर ऐसी कि आप नजर फेर लें. 1 घंटे 55 मिनट की इस फिल्म में दर्शकों को नाम के अनुसार सिर्फ किल और किल ही परोसा जाता है. एक दृश्य में डकैतों के सरगना का बेटा फणी अमृत से पूछ बैठता है कि ऐसे कोई मारता है क्या बे? एक्शन फिल्म के शौकीन हैं तो आपके लिए इसे देखना रोमांचक हो सकता है.

मूवी रिव्यू

नाम : किल
रेटिंग : 3
कलाकार : लक्ष्य लालवानी, राघव जुयाल, तान्या मानिकताला, अभिषेक चौहान, आशीष विद्यार्थी, हर्ष छाया, अद्रिजा सिन्हा
निर्देशक : निखिल नागेश भट्ट
निर्माता : करण जौहर, गुनीत मोंगा
लेखक : निखिल नागेश भट्ट
कहां देखें : सिनेमाहॉल

▪ रांची से खुलने वाली ट्रेन से शुरू होती कहानी

एनएसजी कमांडो अमृत (लक्ष्य) को रांची में रहने वाली अपनी प्रेमिका तूलिका (तान्या मानिकतला) की सगाई की सूचना मिलती है और पता चलता है कि सगाई के बाद तूलिका दिल्ली पहुंचेगी. वह अमृत को दिल्ली बुलाती है, लेकिन तूलिका को भगाने के इरादे से अमृत अपने दोस्त विरेश (अभिषेक चौहान) के साथ रांची पहुंच जाता है. लेकिन तूलिका उसके साथ भागने से इंकार कर देती है. अगले दिन तूलिका अपने पिता बलदेव सिंह ठाकुर (हर्ष छाया), बहन आहना (अद्रिजा सिन्हा) और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ दिल्ली के लिए ट्रेन से यात्रा पर निकलती है. इसी ट्रेन के दूसरे कोच में अमृत और उसका दोस्त होता है. अगले स्टेशन पर करीब चार दर्जन बदमाश ट्रेन में डकैती के इरादे से चढ़ जाते हैं. वे जैमर से मोबाइल नेटवर्क बंद कर देते हैं. देखते ही देखते ट्रेन में हर तरफ खून और मासूम लोगों की लाशें नजर आती हैं. इसके विरोध में उतरते हैं अमृत और वीरेश. वे डकैतों को मारते हैं, लेकिन जान से नहीं. मारकाट के ये दृश्य भरपूर हैं लेकिन आश्चर्य होगा कि वे कहीं से भी ओवर नहीं लगते.

▪ एक्टिंग और परफॉर्मेंस

कमांडो अमृत के किरदार में लक्ष्य बेहद फिट नजर आते हैं. इमोशंस से एक्शन तक हर दृश्य में गहरे तक उतर कर किरदार से न्याय करते दिखते हैं. फानी के रूप में राघव जुयाल दर्शकों को बांधे रखते हैं. तान्या मानिकतला, आशीष विद्यार्थी, हर्ष छाया, अभिषेक चौहान, और अन्य एक्टर्स अपनी अदाकारी से कहानी को बढ़ाते हैं. फिल्म की रफ्तार, इसके एक्शन और इसका प्रेजंटेशन, सब दर्शकों को बांधे रखता है. एक्शन कोरियोग्राफी क्रूर और बैलेस्टिक है, जिसमें जॉन विक से लेकर द रेड: रिडेम्पशन तक का प्रभाव है. अमृत ट्रेन के तंग डिब्बों और संकरे स्पेस में जो एक्शन दृश्य करते हैं, वह देख कुछ पल को सांसे थमी रह सकती है. स्टंट का काम प्रभावशाली है, जिसमें एक्टर कुछ ऐसे सीन करते दिखाई दे रहे हैं, जिसे देखकर लगता है कि शरीर से हड्डियां बाहर आ जाएंगी. बेशक कुछ दृश्य ऐसे हैं जो कमजोर दिल वालों के देखना मुश्किल है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक जा रहे भारतीय खिलाड़ियों से ऑनलाइन-ऑफलाइन बात की

टीम ओलंपिक को पीएम मोदी ने दिया विजय मंत्र

भाषा। नयी दिल्ली

- चकाचौंध में खोना नहीं, दबाव लिये बिना खेलना है
- यह कद काठी का खेल नहीं है,बल्कि कौशल का खेल है
- जीत- हार की चिंता मत कीजिए, अपना शत-प्रतिशत दीजिए

पेरिस ओलंपिक जा रहे भारतीय खिलाड़ियों को जीत हार का दबाव नहीं लेते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की सलाह देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्हें ओलंपिक की चकाचौंध में खोये बगैर अपना फोकस बनाये रखना है. प्रधानमंत्री मोदी ने पेरिस ओलंपिक जा रहे खिलाड़ियों से शुक्रवार को व्यक्तिगत और आनलाइन बातचीत में कहा, मेरी कोशिश रहती है कि खेल जगत से जुड़े देश के सितारों से मिलता रहूं, नयी चीजें जानता रहूं और उनके प्रयासों को समझता रहूं. सरकार के नाते व्यवस्था में कुछ बदलाव लाने हैं तो काम करता रहूं. मेरी कोशिश सभी से सीधे बात करने की होती है. उन्होंने कहा कि ओलंपिक की चकाचौंध में खोना नहीं है क्योंकि इससे फोकस हटता है और ना ही विरोधी को देखकर विचलित होना है. यह कद काठी का खेल नहीं है बल्कि कौशल का खेल है. विरोधी खिलाड़ी की कद काठी से विचलित हुए बिना अपनी प्रतिभा पर फोकस रखें और वही परिणाम दिलायेगा. बहुत से लोग सब कुछ जानते हुए भी परीक्षा में गड़बड़ कर देते हैं और उसका मूल कारण है कि परीक्षा पर ध्यान कम होता है और वह अच्छे अंक लाने के दबाव में रहते है. आप जीत हार की चिंता मत कीजिए, पदक आते हैं और नहीं भी आते. इसका दबाव मत लीजिए लेकिन अपना शत प्रतिशत दीजिए. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि भारतीय खिलाड़ी पेरिस में पुराने तमाम रिकॉर्ड तोड़कर देश के लिए गौरव लेकर आयेंगे. आप अपनी तपस्या से इस स्थान तक पहुंचे हैं. अब देश को खेल के मैदान पर कुछ देने का मौका है. खेल के मैदान में अपना सर्वश्रेष्ठ देने वाला देश के लिए गौरव लेकर आता है. मुझे विश्वास है कि इस बार पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़कर हमारे खिलाड़ी आयेंगे. उन्होंने कहा कि वह ओलंपिक से लौटने के बाद खिलाड़ियों के स्वागत का इंतजार करेंगे. मैं आपका फिर से इंतजार करूंगा, जब आप 11 अगस्त को ओलंपिक खत्म होने के बाद लौटेंगे. मैं कोशिश करूंगा कि 15 अगस्त को लालकिले पर होने वाले स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में आप मौजूद रहें ताकि देश आपको देख सके क्योंकि जीत हार तो अलग लेकिन ओलंपिक खेलने जाना ही बहुत बड़ी बात है. उन्होंने खिलाड़ियों से अपनी नींद का पूरा ध्यान रखने के लिए भी कहा.

प्रधानमंत्री के साथ बातचीत में हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह, गोलकीपर पी आर श्रीजेश , तीरंदाज दीपिका कुमारी, पहलवान अंतिम पंघाल, निशानेबाज मनु भाकर, रमिता जिंदल, चौदह वर्ष की तैराक धिनिधि देसिंघु के अलावा आनलाइन जुड़ने वालों में ओलंपिक और विश्व चैंपियन भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और मुक्केबाज निकहत जरीन समेत लगभग 90 खिलाड़ी शामिल थे. पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच खेले जाएं. भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन टोक्यो ओलंपिक में रहा है.

प्रधानमंत्री मोदी ने नीरज चोपड़ा से कहा

तुम्हारी मां के हाथ का चूरमा खाना है...

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटे नीरज चोपड़ा से मजाकिया अंदाज में कहा कि उसने अभी तक चूरमा भेजा नहीं. इस पर ओलंपिक और विश्व चैंपियन भालाफेंक स्टार ने इस बार उन्हें चूरमा खिलाने का वादा किया. प्रधानमंत्री मोदी ने इस महीने के आखिर में हो रहे पेरिस ओलंपिक के लिये जा रहे खिलाड़ियों से व्यक्तिगत और ऑनलाइन बातचीत के दौरान नीरज से चूरमे की फरमाइश की तो एथलीट प्रियंका गोस्वामी से पूछा कि वह ओलंपिक में अपने बालकृष्ण को साथ ले जा रही है या नहीं.

ऑनलाइन बातचीत में जुड़े नीरज से चुटकी लेते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, चूरमा आया नहीं तेरा अभी तक. इस पर सकुचाते हुए नीरज ने कहा, सर चूरमा लेकर आएंगे इस बार. पिछली बार दिल्ली में चीनी वाला चूरमा था लेकिन आपको हरियाणा का देसी घी और गुड़ का चूरमा खिलाएंगे. प्रधानमंत्री ने इस पर कहा, मुझे तो तेरी मां के हाथ का चूरमा खाना है. पिछली बार टोक्यो ओलंपिक से लौटने के बाद खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए मोदी ने अपने आवास पर चोपड़ा को चूरमा और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू आइसक्रीम खिलाई थी. रियो ओलंपिक में रजत और टोक्यो में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू ने कहा कि यह उनका तीसरा ओलंपिक है और रजत व कांस्य जीतने के बाद अब मकसद पदक का रंग बदलना है.

स्विटजरलैंड में अभ्यास कर रही पैदलचाल खिलाड़ी प्रियंका गोस्वामी से प्रधानमंत्री ने पूछा कि इस बार भी बालकृष्ण को लेकर जा रही हो ना. इस पर गोस्वामी ने कहा, जी हां । यह उनका भी दूसरा ओलंपिक है. गोस्वामी ने राष्ट्रमंडल खेलों में 10000 मीटर पैदल चाल में रजत पदक जीतने के बाद पदक लेते समय हाथ में लड्डू गोपाल की मूर्ति ले रखी थी और अपना पदक भी उन्हें समर्पित किया था. चौथी बार जा ओलंपिक जा रही तीरंदाज दीपिका कुमारी से उन्होंने पूछा कि पहली बार ओलंपिक खेलने वालों को क्या संदेश देंगी.

पीएम मोदी ने पेरिस ओलंपिक जा रहे खिलाड़ियों से की अपील

2036 का दावा मजबूत करेंगे आपके अनुभव

नयी दिल्ली। ओलंपिक 2036 की मेजबानी की भारत की दावेदारी कामयाब रहने को लेकर आश्वस्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक जा रहे खिलाड़ियों से इस दावे को मजबूत करने के लिये पेरिस में व्यवस्थाओं का अनुभव साझा करने का आग्रह किया. प्रधानमंत्री मोदी ने पेरिस ओलंपिक जा रहे खिलाड़ियों से व्यक्तिगत और ऑनलाइन बातचीत में कहा कि उनके द्वारा साझा की जाने वाली जानकारी 2036 ओलंपिक की मेजबानी का दावा मजबूत करने में काम आएगी. प्रधानमंत्री ने कहा, भारत की कोशिश है कि हम 2036 में ओलंपिक की मेजबानी करें. इससे भी बड़ा माहौल बनता है और हम प्रयास कर रहे हैं. बुनियादी ढांचा तैयार करने पर विशेषज्ञ काम कर रहे हैं. मैं ओलंपिक से पहले नहीं आपसे आग्रह करूंगा. आप लोग भी खेल के बाद वहां व्यवस्थाएं लेकिन बाद में वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लेने का क्या हैं, उसे देखें. खिलाड़ियों से जो इनपुट मिलेगा, वह 2036 के लिए काम आएगा. आप यह देखकर आएंगे तो हमें बहुत सुविधा होगी. प्रधानमंत्री मोदी की खिलाड़ियों से बातचीत का पूरा वीडियो उनके कार्यालय से शुक्रवार को जारी किया गया. बातचीत में खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा भी मौजूद थे. भारत ने ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा बार-बार जताई है जिसे अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाक का भी समर्थन मिला है. भारत की राह हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि कतर और सऊदी अरब भी दौड़ में हो सकते हैं. ओलंपिक 2036 के मेजबान का फैसला अगले साल आईओसी के चुनाव से पहले आने की संभावना नहीं है जिसमें नया अध्यक्ष चुना जाएगा.

एशियाई युगल स्क्वाश के पहले दिन जीते अभय सिंह

नयी दिल्ली। एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह ने मलेशिया के जोहोर में चल रही एशियाई युगल स्क्वाश चैंपियनशिप के पहले दिन भारतीय चुनौती की अगुवाई करते हुए अपने दोनों वर्गों में जीत दर्ज की. अभय और वेलावन सेंथिलकुमार ने फिलीपीन के डेविड पेलिनो और रेमार्क बेगोर्निया को पुरुष युगल में 2 . 0 से हराया. वहीं अभय और जोशना चिनप्पा ने मिश्रित युगल में फिलीपीन के वोन्ने डालिडा व बेगोर्निया को हराया.

प्रज्ञानानंदा ने कारूआना को ड्रॉ पर रोक दिया

बुकारेस्ट (रोमानिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के आठवें दौर में अमेरिका के फेबियानो कारूआना से ड्रॉ खेला जबकि विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर डी गुकेश ने नीदरलैंड के अनीश गिरि से बाजी बराबरी पर खत्म की. चौथी बार एक भी मुकाबले का नतीजा नहीं निकला और सभी बाजियां ड्रॉ रही. कारूआना ने दस खिलाड़ियों के राउंड रॉबिन टूर्नामेंट में आधा अंक की बढ़त बना रखी है.

महाराष्ट्र सरकार ने टीम इंडिया को किया सम्मानित

भाषा। मुंबई

भारतीय टीम रोहित शर्मा की अगुआई में टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने के बाद शुक्रवार को कप्तान रोहित शर्मा को महाराष्ट्र सरकार ने सम्मानित किया. महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, यशस्वी जायसवाल को मिलने के लिए बुलाया और उन्हें सम्मानित किया। सीएम शिंदे न रोहित शर्मा को शॉल और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भेंट की. रोहित शर्मा ने महाराष्ट्र विधान सभा में नेता पक्ष और विपक्ष को संबोधित किया और सीएम शिंदे का आभार व्यक्त किया. रोहित शर्मा ने इस दौरान कहा कि सूर्यकुमार यादव ने बताया कि गेंद उसके हाथ में फंस गई थी, भगवान का शुक्र है कि ऐसा हुआ, वरना मैं उसे पकड़ लेता. वहीं महाराष्ट्र सरकार ने टीम इंडिया की जीत के लिए 11 करोड़ रुपये इनाम के रूप में देने का ऐलान किया.

महाराष्ट्र पुलिस को धन्यवाद दिया : भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने खिलाड़ियों के भव्य स्वागत और खेल प्रशंसकों को संभालने के लिए इतनी अधिक संख्या में पुलिस की मौजूदगी से अभिभूत होकर शुक्रवार को यहां टी 20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम की विक्ट्री परेड के दौरान अभूतपूर्व काम करने के लिए मुंबई पुलिस को धन्यवाद दिया. मुंबई पुलिस ने खिलाड़ियों के स्वागत के लिए उमड़े जनसैलाब को व्यवस्थित ढंग से संभाला.

राजावत पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में

कैलगरी (कनाडा)। भारत के उदीयमान बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जापान के ताकुमा ओबायाशी को सीधे गेम में हराकर कनाडा ओपन एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया. दुनिया के 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत ने 33वीं रैंकिंग वाले ओबायाशी को 38 मिनट में 21-19, 21-11 से हराया. अब उनका सामना डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन से होगा. महिला युगल में तीसरी वरीयता प्राप्त त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई.उन्होंने डेनमार्क की नताशा एंथोनिसेन और नीदरलैंड की एलिसा टी को अंतिम 16 के मुकाबले में 17-21, 21-7, 21-8 से हराया. अब उनका सामना चीनी ताइपै की पेइ एस सियेह और एन जू हंग से होगा. अनुपमा उपाध्याय और तान्या हेमंत की जोड़ी दूसरे दौर में हार गई. पुरुष युगल में कृष्ण प्रसाद गारागा और के साई प्रतीक को भी पराजय का सामना करना पड़ा जबकि मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रूत्विका गाड्डे की जोड़ी हार गई.

आज से विराट कोहली और रोहित शर्मा के बिना पांच मैचों की टी20 श्रृंखला खेलेगी टीम इंडिया

जिंबाब्वे में नई शुरुआत करेगी भारत की युवा टीम

भाषा। हरारे

रोहित शर्मा और विराट कोहली के बिना की युवा ब्रिगेड जिंबाब्वे के खिलाफ शनिवार से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में उतरेगी तो इस प्रारूप में यह भारतीय क्रिकेट के नये दौर का सूत्रपात भी होगा. भारत में टी20 विश्व कप की जीत के सतत जारी जश्न के बीच शुभमन गिल की कप्तानी वाली आईपीएल सितारों से सजी यह युवा टीम जीत का अपना सिलसिला शुरू करना चाहेगी.

आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले पंजाब के अभिषेक शर्मा और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले असम के रियान पराग इस श्रृंखला के जरिये पदार्पण करेंगे. पिछले कुछ साल में रोहित और कोहली टी20 क्रिकेट में कई द्विपक्षीय श्रृंखलाओं से बाहर रहे हैं. अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दोनों के संन्यास के बाद उनकी कमी जरूर खलेगी. इसकी भरपाई करना तो मुश्किल है लेकिन फिर परिवर्तन संसार का नियम है. जिंबाब्वे मजबूत टीम नहीं है, लेकिन टी20 प्रारूप में दोनों टीमों के बीच बहुत गहरा अंतर नहीं है. आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए खेलने वाले सिकंदर रजा भारत के लिए चुनौती साबित हो सकते हैं. शिवम दुबे, संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल तीसरे मैच से ही उपलब्ध होंगे. भारत के भावी टी20 कप्तान हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव भी भविष्य में इस प्रारूप में लौटेंगे लिहाजा अंतिम एकादश में ज्यादा जगह खाली नहीं है. अब से 2026 टी20 विश्व कप तक भारतीय टीम इस प्रारूप में 34 मैच खेलेगी.

कप्तान गिल पारी का आगाज करेंगे और देखना होगा कि उनके अजीज दोस्त अभिषेक शर्मा को पदार्पण का मौका मिलता है या चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ खेलते हैं. अभिषेक पारी की शुरुआत करते हैं तो गायकवाड़ तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं. पराग चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं. लिहाजा उनके चयन की संभावना अधिक है. टी20 क्रिकेट के आक्रामक फिनिशर रिंकू सिंह पांचवें नंबर पर उतर सकते हैं.

टीमें इस प्रकार हैं

भारत (पहले दो मैचों के लिए) : शुभमन गिल (कप्तान), रूतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे, साइ सुदर्शन, जितेश शर्मा, हर्षित राणा.

जिंबाब्वे : सिकंदर रजा (कप्तान), फराज अकरम, ब्रायन बेनेट, जोनाथन कैंपबेल, टेंडाइ चतारा, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट केइया, क्लाइव एम, वेसली मेदेवेरे, टी मारूमानी, वेलिंगटन मसाकाजा, ब्रेंडन मावुता, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डियोन मायर्स , एंटम नकवी, रिचर्ड एंगारावा, मिल्टन शुम्बा.

मैच का समय : शाम 4. 30 से.

कोपा कप — अर्जेंटीना ने इक्वाडोर को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराया

अर्जेंटीना की टीम लगातार पांचवीं बार सेमीफाइनल में

एजेंसी। न्यू जर्सी

कोपा अमेरिका कप में अर्जेंटीना की टीम ने लगातार पांचवीं बार सेमीफाइनल में जगह बना ली है. क्वार्टर फाइनल मैच में अर्जेंटीना ने इक्वाडोर को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराया. अर्जेंटीना का सेमीफाइनल में वेनेजुएला बनाम कनाडा मैच के विजेता से शुक्रवार को मुकाबला होगा, जो नौ जुलाई को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा.

एनआरजी स्टेडियम पर मौजूदा चैंपियन के कब्जे के बावजूद, इक्वाडोर अधिक खतरनाक था, मैच के पहले तीन शॉट्स में, जिसमें सरमिएंटो शॉट पर एमिलियानो मार्टिनेज द्वारा महत्वपूर्ण बचाव भी शामिल था. अर्जेंटीना के लिए पहला अच्छा मौका एंज़ो फर्नांडीज के माध्यम से आया. एक हेडर और एक पलटवार के बाद एक कॉर्नर मिला. मेसी के कार्नर से, मैक एलिस्टर के बाद लिसेंड्रो मार्टिनेज का दूसरा हेडर, अलेक्जेंडर डोमिंगुएज़ ने बचा लिया लेकिन गेंद पहले ही गोल रेखा पार कर चुकी थी.पहले हाफ के अंतिम मिनटों में, निकोलस गोंजालेज के एक प्रयास ने एल्बीसेलेस्टे को दूसरे गोल का मौका दिया, लेकिन इक्वाडोर की रक्षा फिर से संगठित होने और खतरे को बेअसर करने में कामयाब रही. स्कालोनी की टीम मध्यांतर के बाद 1-0 की बढ़त के साथ उतरी. दूसरे हाफ की शुरुआत धीमी गति से हुई लेकिन मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा. 55वें मिनट में डिबू मार्टिनेज की लंबी गेंद के बाद लुटारो मार्टिनेज ने मौका बनाया. टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर ने इसे अपनी छाती से नियंत्रित किया, मुड़े और डोमिंगुएज़ के गोल के ठीक सामने बाएं पैर से शॉट लगाने से चूक गया.

इक्वाडोर ने अपने खेल से अर्जेंटीना को परेशान कर दिया और रोड्रिगो डी पॉल के हैंडबॉल के बाद पेनल्टी अर्जित की, लेकिन एनर वालेंसिया का शॉट पोस्ट से टकरा गया, जिससे अर्जेंटीना ने जश्न मनाया. फेलिक्स सांचेज़ की टीम आगे बढ़ी लेकिन स्टॉपेज टाइम तक स्पष्ट मौके बनाने में विफल रही जब येबोआ के क्रॉस पर केविन रोड्रिग्ज के हेडर ने मैच 1-1 से बराबर कर दिया, अर्जेंटीना ने कोपा अमेरिका में इस तरह अपना पहला गोल खाया. पेनल्टी शूटआउट में, मेसी ने क्रॉसबार को हिट किया, लेकिन डिबू मार्टिनेज ने मेना और मिंडा के शॉट बचा लिए. जूलियन अल्वारेज़ ने गोल करके अर्जेंटीना का आगे बढ़ना सुनिश्चित किया.

क्रिकेट की जीत पर गर्व

अब हमारी बारी : हरमनप्रीत

भाषा। बेंगलुरू

टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की शानदार जीत पर भारतीय हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह को गर्व है और उनका वादा है कि पेरिस ओलंपिक में उनकी टीम भी देशवासियों को फिर इसी तरह से जश्न मनाने का मौका देगी. रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी खिताब के लिए 11 साल का इंतजार खत्म करते हुए बारबडोस में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप जीता. चैंपियन टीम का स्वेदश लौटने पर पलक पांवड़े बिछाकर अभूतपूर्व स्वागत किया गया.

इस महीने के आखिर में होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिए शिविर में मसरूफ भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में कहा, एक खिलाड़ी होने के नाते बड़े टूर्नामेंट में जाना और अच्छा प्रदर्शन करके विश्व कप जीतना, उससे बड़ी कोई बात नहीं है. पूरा देश आपके साथ झूम रहा है. इससे बड़ी गर्व की बात क्या हो सकती है. बतौर कप्तान पहला लेकिन करियर का तीसरा ओलंपिक खेलने जा रहे 28 वर्ष के इस ड्रैग फ्लिकर ने कहा, हमारी भी यही कोशिश है कि ओलंपिक जाकर पदक जीते और स्वर्ण पदक जीतकर देशवासियों को यही खुशी फिर से दें. देश के साथ इन पलों को हम भी जियें. मेरे लिये इससे बड़ी गर्व की बात नहीं होगी.

उन्होंने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए कहा, पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल हारने के बाद उन्होंने टी20 विश्व कप जीता जो बहुत बड़ी बात है. रोहित का भी काफी लंबा सफर रहा है और उन्होंने कई उतार चढ़ाव देखे हैं. पूरे देश को और हमें भी उन पर गर्व है.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष चंद्रमा अस्त है, ज्यादा मेहनत और लाभ कम होगा, पर मेहनत तो करनी ही होगी. धन का आगमन सामान्य होगा. साथ ही यात्रा में सावधानी रखें, नुकसान हो सकता है. वाद-विवाद से प्रतिष्ठा में कमी आयेगी. जोखिम-जमानत के कार्य न करें.

वृषभ राहु चंद्रमा का योग शैय्या सुख बाधित करता है. साथ ही खर्च में वृद्धि होगी. विरोधी हार मानेंगे. पर बहुत जल्दी आय के द्वार भी खुल रहे हैं. राजकीय कार्यों में गति आएगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता मिलेगी. निवेशादि लाभ देंगे.

मिथुन आय के लिए दिन ठीक है, पर जल्द बाजी में लिए हुए निर्णय ठीक नहीं होंगे. सोच-समझकर निर्णय लें. सुख के साधनों की चिंता हो सकती है. संपत्ति के कार्य सफल होंगे. धन लाभ होगा. कुछ धर्म और सत्कर्म भी किया विवाद से बचें.

कर्क समय बहुत ही उत्तम है. अधिक धन भी उन्माद का कारण बनता है. इस बात का ध्यान रखें. कर्म और भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा. पराक्रम से वृद्धि होगी. विद्यार्थी वर्ग अल्प प्रयास से सफलता मिलेगी. निवेशादि से लाभ होगा.

सिंह अभी कर्म और भाग्य में भाग्य प्रबल है. तो इसका लाभ लेने से नहीं चुकें. क्योंकि भाग्य के बल से कार्य होगा. कोशिश करने से कार्य बनेंगे. परिश्रम द्वारा सफलता मिलेगी, किसी वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें. व्यापार-व्यवसाय में अचानक लाभ के योग हैं.

कन्या समय को बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता है. थोड़ी दिक्क्त है, पर थोड़े समय के लिए. कोई कार्य करने या बोलने से पहले सोच समझ लें. खर्च बढ़ सकता है. पराक्रम में वृद्धि होगी. निवेश करने के लिए समय सही है. रोजगार की प्राप्ति हो सकती है. की गयी छोटी यात्रा शुभ रहेगी.

तुला व्यापार में खुलकर सामने आने का समय है. जीवनसाथी के चलते प्रतिष्ठा बढ़ेगी. परिवार का सुख सहयोग मिलेगा. निवेशादि से लाभ होगा. रोजगार की प्राप्ति हो सकती है. बौद्धिक कार्य सफल होंगे. कार्य होगा, पर दूसरों की देखादेखी नहीं करें.

वृश्चिक समय सामान्य है. नेत्र रोग से बचें. खान पान पर विशेष ध्यान रखें. रोग शत्रु से बचें. अचानक कार्य बनने के योग उपस्थित होंगे. यदि कोई छोटी यात्रा हो तो यात्रा शुभ होगी. निवेशादि लाभदायक रहेंगे, व्यापार अच्छा चलेगा.

धनु क्रोध से बचें. खास कर बच्चों से विशेष प्रेम करें. शिक्षा में सुधार होगा, पर ज्यादा आत्मविश्वास घातक है. व्यय बढ़ने से क्लेश हो सकता है. निर्णय सोच समझ कर लें, जोखिम न लें. प्रतिष्ठित व्यक्ति से भेंट हो सकती है. इसका लाभ आगे मिलेगा.

मकर रुका हुआ धन प्रयास करने पर वापस आएगा. पर इसके लिए विशेष प्रयास करना होगा. यात्रा शुभ रहेगी. निवेशादि से लाभ होगा.कार्य व्यवसाय में सफलता की संभावना है. पराक्रम सिद्ध करने का समय है.

कुंभ आसपास के लोगों से विवाद भी होगा. कार्य करें, पर सजग रहें. राजकीय कार्यों की रुकावटें दूर होंगी. निवेशादि से लाभ होगा. नोकरी इन्टरव्यू में सफलता मिलेगी. आपके कार्य और प्रभाव से रुके हुए काम बन सकते है.

मीन भाई का सहयोग मिलेगा. धर्म मे ब्यय होगा. बिगड़ते कार्य बनने लगेंगे. निवेशादि लाभ देंगे. कार्य व्यवसाय ठीक चलेगा. वाहन का प्रयोग सावधानी से करें. कुछ हानि हो सकती है. मंदिर में दूध का दान करें.

विमुक्त हुए सभी सांसद प्रतिनिधि

रांची । 17वीं लोकसभा के दौरान सांसद संजय सेठ ने रांची जिला के रांची, हटिया, कांके, सिल्ली, ईचागढ़ व खिजरी विधानसभा क्षेत्र के लिए वर्ष 2019- 24 के लिए मनोनीत सांसद प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है. केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इस मनोनय को शुक्रवार को भंग कर दिया गया है. इसलिए आज से सभी मनोनीत सांसद प्रतिनिधि पद से विमुक्त माना जाएगा. इसकी सूचना रांची और सरायकेला के उपायुक्त को पत्र के माध्यम से दे दी गई है. मंत्री संजय सेठ ने सभी प्रतिनिधियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि 5 साल सभी ने अपने-अपने क्षेत्र में मेरे प्रतिनिधि के रूप में जनता की समस्याओं के समाधान के लिए काम किया. इन सभी प्रतिनिधियों का धन्यवाद.

एक इंजीनियर का तबादला, एक को प्रमोशन

रांची। ऊर्जा विभाग में एक इंजीनियर का तबादला और एक इंजीनियर को प्रमोशन दिया गया है. इसको लेकर ऊर्जा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है. विद्युत कार्यपालक अभियंता, (मूल कोटी कार्यपालक अभियंता) वर्तमान में पदास्थापन सहायक विद्युत अभियंता विद्युत कार्य अवर प्रमंडल धुर्वा और अतिरिक्त प्रभार विद्युत निरीक्षक रांची को कार्यपालक अभियंता विद्युत कार्य प्रमंडल रांची में पदस्थापित किया गया है. जबकि प्रफुल्ल कुमार गुप्ता सहायक विद्युत अभियंता विद्युत कार्य अवर प्रमंडल धनबाद को कार्यपालक अभियंता के पद पर प्रमोशन करते हुए विद्युत निरीक्षक, रांची निरीक्षणालय में पदास्थापित किया गया है.

डीसी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

खूंटी । उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभागार में शुक्रवार को आत्मा शासकीय निकाय और जिला स्तरीय खाद्य एवं पोषण सुरक्षा कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 में आत्मा और खाद्य और पोषण सुरक्षा योजना के तहत किये गये कार्यों की समीक्षा की गई. इस दौरान आत्मा द्वारा कराये गये कार्यों को पावर पॉइट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया. इस दौरान उपायुक्त ने केवीके के वैज्ञानिक एवं प्रगतिशील किसानों से खेती में उत्पादन एवं रबी फसलों के अच्छादन संबंधी सलाह मांगी.

12 राज्यों में प्रभारी और सह प्रभारियों की हुई नियुक्ति

लक्ष्मीकांत वाजपेयी फिर बनाए गए झारखंड भाजपा के प्रभारी

विशेष संवाददाता। रांची

लक्ष्मीकांत वाजपेयी को फिर से भाजपा का झारखंड प्रभारी बनाया गया है. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने झारखंड सहित विभिन्न प्रदेशों में प्रदेश प्रभारी व सह-प्रभारियों की नियुक्ति की है. पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह के हस्ताक्षर से इसकी अधिसूचना जारी की गयी है.

झारखंड विधानसभा चुनाव के प्रभारी और सह प्रभारी हो चुके हैं नियुक्त : झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी में भाजपा जुट गयी है. लक्ष्मीकांत वाजपेयी को झारखंड प्रभारी नियुक्त करने से पहले केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को झारखंड विधानसभा चुनाव का प्रभारी नियुक्त किया, वहीं असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा को सह प्रभारी नियुक्त किया है. वे लगातार झारखंड का दौरा भी कर रहे हैं. केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को रामगढ दौरे पर हैं. रामगढ़ में उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर कई दिशा-निर्देश दिया.

लक्ष्मीकांत वाजपेयी : संक्षिप्त परिचय

20 जुलाई 1951 को मेरठ में जन्मे लक्ष्मीकांत वाजपेयी को भाजपा ने एक बार फिर से झारखंड का प्रभारी बनाया है. 1977 में भाजपा के युवा मोर्चा के युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया था. 1980 से 1987 तक वे मेरठ जिला भाजपा के महासचिव पद पर रहे. 1984 से 1986 तक यूपी में भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष पद पर रहे. वे मेरठ से चार बार विधायक रह चुके हैं. 2012 से 2014 तक वे यूपी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं.

राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश बिहार भाजपा के सह प्रभारी बने

पार्टी ने बिहार में विनोद तावड़े को प्रदेश प्रभारी बनाया है. वहीं दीपक प्रकाश को सह प्रभारी बनाया गया है. पंजाब में पार्टी ने विजयभाई रूपानी को प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया है. जबकि डॉ. नरिंदर सिंह को सह प्रभारी बनाया है. डॉ. सतीश पुनिया को हरियाणा का प्रदेश प्रभारी और सह प्रभारी सुरेंद्र सिंह नागर को बनाया है. वहीं पार्टी ने प्रकाश जावड़ेकर को केरल का प्रभारी नियुक्त किया है जबकि अपराजिता सारंगी को सह प्रभारी नियुक्त किया है.

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान पहुंचे रामगढ़

झारखंड को लूटने के लिए सत्ता का भूखा है शिबू सोरेन परिवार: चौहान

संवाददाता। रामगढ़

केंद्रीय कृषि मंत्री सह झारखंड भाजपा के विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को रामगढ़ पहुंचे. इस दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पार्टी कार्यलाय परिसर में पौधरोपण भी किया. केंद्रीय मंत्री के आगमन को लेकर भाजपाइयों में खासा उत्साह नजर आया. इसके बाद रामगढ़ जिला कार्यालय में बैठक कर विधानसभा चुनाव की तैयारी के संबंध में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा की. बैठक में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को कई दिशा निर्देश दिए.

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह आपने संबोधन में कहा कि मेरा सौभाग्य है कि झारखंड की इस पवित्र धरा पर आने का अवसर मिला. आज मैं रामगढ़ में हूं, मां छिन्नमस्तिका के चरणों में प्रणाम करता हूं. जो हालात मैंने यहां देखें हैं, जो कार्यकर्ताओं ने मुझे बताया है, पूरा झारखंड बेहाल है. ऐसी लूट, बालू की लूट, खनिज की लूट, संसाधनों की लूट, सरकारी योजनाओं में लूट, जिसे देखकर मन तकलीफ से भर जाता है. ये गठबंधन की सरकार झारखंड को तबाह और बर्बाद कर रही है.

सिंह ने कहा ये ऐसी सरकार है जिसने एक भी वादा नहीं निभाया. बेरोजगारों को नौकरी का आता-पता नहीं, पेपर लीक में उनका भविष्य तबाह कर दिया है. बेरोजगारी भत्ता दिया नहीं, लोगों को 6 महीने से पेंशन नहीं मिली. योजनाओं की घोषणा होती है लेकिन लाभ नहीं. किसान परेशान है, उसे बिजली नहीं मिल रही, मुश्किल से 6- 7 घंटे बिजली आती है और जैसी घुसपैठ झारखंड की पवित्र धरती पर हो रही है उसके कारण झारखंड का भविष्य इस सरकार ने अंधकारमय कर दिया है. इसलिए भारतीय जनता पार्टी इस कुशासन का अंत करेगी और सुशासन फिर से झारखंड में स्थापित करेगी. इसके लिए कार्यकर्ता ही मेहनत करता है. यह भारतीय जनता पार्टी नेताओं की नहीं कार्यकर्ताओं की पार्टी है.

पौधरोपण कर पानी डालते चौहान.

- रामगढ़ जिला भाजपा की विशेष बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह हुए शामिल
- बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव तैयारी की समीक्षा
- कार्यकर्ता ही पार्टी के प्राण हैं और मैं इनकी हर हाल में रक्षा करूंगा : शिवराज सिंह चौहान

चंपाई सोरेन का आखिर क्या दोष

कृषि मंत्री ने कहा कि चंपाई सोरेन जी का दोष क्या था, कोई यह तो बता दे. उनको पहले सीएम बनाया गया, फिर ऐसे हटा दिया गया उस आदिवासी नेता को. अरे जिसको आपने बनाया उसे कुछ दिन सहन कर लेते, लेकिन सत्ता की भूख ऐसी है कि एक परिवार के अलावा कोई दूसरा ना आ जाए. यह चंपाई जी का अपमान है.

2024 का विधानसभा चुनाव नहीं जीते तो झारखंड भी बंगाल बन जाएगा : मनीष जायसवाल

रामगढ़ जिला कार्यसमिति की बैठक की अध्यक्षता व स्वागत भाषण जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता ने किया. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल, प्रदेश प्रवक्ता अविनेश सिंह, जिला प्रभारी शशिभूषण भगत शामिल हुए. कार्यक्रम का मंच संचालन महामंत्री रंजन फौजी व धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री खिरोधर साहू ने किया. बैठक को संबोधित करते हुए हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जयसवाल ने अपनी जीत के लिए कार्यकर्ताओं का आभार जताया और बताया की देश के चुनिंदे नेताओं में शुमार शिवराज सिंह चौहान का चुनाव प्रभारी बनकर हमारे बीच आना ही हमारी उपलब्धि है. साथ ही लोकसभा चुनाव की तरह हीं विधानसभा चुनाव को भी हमें एक चैलेंज के रूप के लेना है और मामा के अनुभवों से हम प्रेरणा लेते हुए झारखंड विधानसभा में भी जीत का परचम लहराएंगे. उन्होंने बंगाल में उत्पन्न परिस्थितियों का जिक्र करते हुए कहा की अगर आगामी विधानसभा में झारखंड में भाजपा की सरकार नही बनती है तो झारखंड को भी बंगाल बनने से कोई रोक नहीं सकता .बैठक में मुख्य रूप से जिला के नेता रंजीत कुमार सिन्हा, रामगढ़ विधानसभा में पूर्व भाजपा प्रत्याशी रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू, अमरेंद्र गुप्ता, चंदशेखर चौधरी, डॉ. संजय कुमार सिंह, इलारानी पाठक, राजू चतुर्वेदी, बलराम महतो, सरिता ठाकुर, आनंद बेदिया, स्नेहलता चौधरी, अखिलेश प्रसाद, राजू कुशवाहा सहित मंडलों के महामंत्री व प्रमुख कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की उपस्थिति रही.

चालक को बाहर निकालते स्थानीय लोग.

ट्रेलर के धक्के से ऑटो चालक की हुई मौत, ट्रेलर चालक घायल हुआ

संवाददाता । रामगढ़

रांची-पटना मुख्यमार्ग पर चुटूपालू घाटी में शुक्रवार को एक अनियंत्रित ट्रेलर ऑटो को ठोकते हुए खाई में जा गिरा. इस हादसे में ऑटो चालक की मौत हो गई, जबकि ट्रेलर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी के अनुसार रांची की ओर से आ रहे स्पंज लदा ट्रेलर का अचानक चुटूपालू घाटी में ब्रेक फेल हो गया . ट्रेलर चालक बचते बचाते आगे जा रहे ऑटो को टक्कर मारते हुए मायाटुंगरी के पास खाई में जा गिरा. घटना के बाद ऑटो सड़क के बीचों बीच पलट गया. मृतक की पहचान रांची के कुम्हार टोला चुना भट्ठा निवासी 44 वर्षीय राजेश कुमार वर्णवाल पिता गिन्निलाल वर्णवाल के रूप में कई गई.

घटना के बाद ट्रेलर चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया. घटना की सूचना पाकर करीब एक घंटे बाद पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों और क्रेन की सहायता से घंटों मशक्कत के बाद उसे निकाला. घायल ड्राइवर का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है, जहां उसकी स्थिति ठीक बताई जा रही है.

भाजपा छह जुलाई को चलाएगी स्वच्छता अभियान

तालाबों की करेगी सफाई

संवाददाता। रांची

प्रदेश भाजपा की ओर से डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस 23 जून से छह जुलाई जयंती तक एक पेड़ मां के नाम अभियान एवं जल स्रोत सफाई अभियान चलाया जा रहा है. अब तक प्रदेश के सभी जिलों में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा हजारों की संख्या में फलदार एवं उपयोगी छायादार वृक्ष लगाए गए हैं. इसी क्रम में पार्टी द्वारा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर शनिवार को स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा. अरगोड़ा तालाब के सफाई कार्यक्रम में प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, विधायक नवीन जायसवाल, राकेश भास्कर, सूरज चौरसिया, अरुण झा, शोभा यादव, उमेश साहू सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल होंगे. बड़ा तालाब रांची के सफाई कार्यक्रम में विधायक सीपी सिंह, महामंत्री मनोज सिंह, शिवपूजन पाठक शामिल होंगे. टाटी सिल्वे स्थित बड़ा तालाब की सफाई में प्रदेश महामंत्री एवं सांसद प्रदीप वर्मा सुरेंद्र महतो, खिजरी में आरती कुजूर, नगड़ी में शशांक राज शामिल होंगे.

दीवार तोड़ कर 260 पेटी शराब की चोरी

लातेहार। शहर के रेलवे स्टेशन क्षेत्र मे संचालित अंग्रेजी शराब दुकान मे बीती रात अज्ञात चोरो ने दुकान के पीछे हिस्से वाले शटर और दिवाल तोड कर 260 पेटी शराब की चोरी कर ली. जिसमे अंग्रेजी शराब के अलावा बीयर भी शामिल है. उत्पाद अधीक्षक रंजन तिवारी ने बताया कि बीती रात दुकान का प्रभारी कन्हाई प्रसाद निर्धारित समय कू बाद दुकान बंद कर घर चला गया. शुक्रवार की सुबह दस बजे जब वह दुकान खोला. सामने मे लगा शटर सही सलामत थी. दुकान मे प्रवेश किया तो देखा की दुकान के पिछले हिस्से का दिवाल टूटा हुआ था. अंग्रेजी शराब के दुकान के पीछे देशी शराब की दुकान चलती है. उन्होंने आगे बताया कि चोरो ने पहले देशी शराब के दुकान का शटर तोड़ा उसके बाद उससे सटे अंग्रेजी शराब दुकान के दिवाल को तोड कर शराब की पेटी की चोरी कर ली. उन्होने बताया कि चोरो ने शराब की पेटी को वाहनो मे लाद कर ले गये.

इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल का प्रस्ताव दोबारा नहीं लाने की मांग

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल

विशेष संवाददाता। रांची

ऑल इंडिया पावर इंजीनियर फेडरेशन (एआईपीइएफ) का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मिला. इन्होंने एक ज्ञापन ऊर्जा मंत्री को सौंपा. फेडरेशन के सेक्रेटरी जनरल संजय सिंह ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से मांग की कि बिजली उपभोक्ताओं के हित को देखते हुए अब इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल का प्रस्ताव दोबारा नहीं लाया जाए. साथ ही कोयले के लगातार बढ़ रहे उत्पादन को हुए राज्यों के बिजली उत्पादन घरों को अनिवार्य रूप से कोयला आयात करने का निर्देश वापस लिया जाए. सिंह ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से केंद्रीय मंत्री से कहा गया है कि विगत कुछ वर्षों में केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल के जरिये इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 में संशोधन करने का प्रयास किया गया. इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल का मुख्य उद्देश्य यह था कि विद्युत वितरण के क्षेत्र में निजी घरानों को लाइसेंस दिया जाये और उन्हें सरकारी क्षेत्र की विद्युत वितरण कंपनियों के नेटवर्क के इस्तेमाल की इजाजत दी जाए. ज्ञापन में कहा गया है कि अर्बन वितरण फ्रेंचाइजी का प्रयोग महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और कुछ राज्यों में किया गया लेकिन यह प्रयोग विफल रहा. साथ ही अधिकतर अर्बन वितरण फ्रेंचाइजी के करार निरस्त किए जा चुके हैं. फेडरेशन ने कहा कि उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मिले, इसके राज्यों की जेनरेशन कंपनियों को और सशक्त करना होगा. प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दूबे, सेक्रेटरी जनरल पी रत्नाकर राव, मुख्य संरक्षक पदमजीत सिंह, अजयपाल सिंह, प्रशांत चतुर्वेदी और एके जैन शामिल थे.

एआईपीइएफ के प्रतिनिधिमंडल के साथ केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर.

शिवराज सिंह चौहान से मिले जदयू प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो

संवाददाता। रांची

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने भारत सरकार के कृषि मंत्री और प्रदेश भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान से शुक्रवार को मुलाकात की. उनके साथ पार्टी के प्रदेश महासचिव भगवान सिंह, उपेंद्र सिंह और प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने भी उनसे मुलाकात की. खीरू महतो और शिवराज सिंह के बीच आगामी विधानसभा चुनाव और प्रदेश में एनडीए घटक दलों के साथ बेहतर समन्वय पर चर्चा हुई. महतो ने शिवराज सिंह को अंगवस्त्र से सम्मानित किया.

प्रतियोगिता

मुरहू में आयोजित तीन दिवसीय हॉकी प्रतियोगिता का हुआ समापन

हॉकी का हब बनेगा खूंटी, खिलाड़ियों को मिलेगी सुविधा

संवाददाता । खूंटी

मुरहू प्रखंड की रूमुतकेल पंचायत के सोकोय खेल मैदान में आयोजित तीन दिवसीय हॉकी प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को हो गया. समापन समारोह में स्थानीय सांसद कालीचरण मुंडा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. सांसद के सोकोय पहुंचते ही उनका पारंपरिक ढ़ंग से स्वागत किया गया. खेल के पूर्व सांसद ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और खेल के प्रति उनका उत्साहवर्धन किया. प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित करते हुए सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि खेल हमें जीने के तरीके सिखाता है. इसके नियमों को अपने जीवन मे भी उतारना चाहिए. जिस तरह खिलाड़ी मैदान में अंतिम क्षण तक हार नहीं मानते, जीतने के लिए संघर्ष करते हैं, उसी प्रकार हमें अपने जीवन में भी जीत के लिए अंतिम समय तक संघर्ष करते रहना चाहिए. उन्होंने कहा कि खेल से शारीरिक विकास के साथ मानसिक विकास भी होता है. प्रतियोगिता की भावन जागृत होती है. उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों मे भी खेल संसाधनों की कमी के बावजूद खिलाड़ी जिस तरह खेल दिखाते है काबिले तारीफ है. शारीरिक और मानसिक रूप से स्वास्थ्य के लिए तन और मन को सौंदर्यता का बोध कराने की एक मजबूत कड़ी हैं. खेल को खेल भावना और अनुशासित होकर खेलना चाहिए. उन्होंने कहा कि खिलाड़ी खेल को हमेशा अनुशासन में रहकर खेलें. खेल में जीत या हार महत्वपूर्ण नही होता, खेल को खेल के भावना से खेलना महत्वपूर्ण होता है. सांसद ने कहा कि खूंटी के खिलाड़ियों में ऊर्जा की कोई कमी नहीं है. युवाओं में खेल प्रतिभा को निखारने के लिए में हर संभव प्रयास किया जाएगा. उन्होंने कहा, खेल को बढ़ावा देने के लिये सांसद निधि से कार्य करूंगा और खिलाड़ियों को मजबूत करूंगा.

विजयी टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित करते खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा.

अव्यवस्था के कारण बैठक का बहिष्कार

पलामू । मोहर्रम को लेकर मेदिनीनगर शहर थाना में आयोजित शांति समिति की बैठक अव्यवस्था की भेंट चढ़ गई. व्यवस्थित तरीके से बैठक का आयोजन नहीं होने और मौके पर बड़े अधिकारियों और विभिन्न विभागों के पदाधिकारी की गैर मौजूदगी रहने के कारण बैठक का बहिष्कार किया गया. शुक्रवार की शाम पांच बजे से शहर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक रखी गई थी. बैठक के लिए थाना परिसर में पंडाल लगाया गया था, लेकिन दोपहर के समय बारिश होने के कारण पंडाल की व्यवस्था गड़बड़ा गई थी. टेबल क्लॉथ भींग गए थे. कोई साउंड सिस्टम नहीं लगा हुआ था. पंखा की भी व्यवस्था नहीं थी. निर्धारित समय पर हिंदू और मुस्लिम समाज के लोग बैठक में शामिल होने के लिए पहुंचे,

पेज एक का शेष

शायद हेमंत मुजरिम नहीं...

और जो केस हेमंत सोरेन के खिलाफ बनाया गया, उसमें जज ने साफ तौर पर कह दिया है कि जो ब्रॉड पॉसिबिलिटी है, वह यह कि शायद हेमंत सोरेन इस केस में गिल्टी (दोषी) नहीं हैं. इसका जो पॉलिटिकल मीनिंग होगा, वो मुझे नहीं मालूम. देश की राजनीति और राज्य की राजनीति पर क्या असर होगा, वह मुझे नहीं मालूम. लेकिन कई महीनों से एक मुख्यमंत्री, जिसने गिरफ्तारी से पहले त्यागपत्र दे दिया, वह जेल में रहा. उसको तो चुनावों में प्रचार करने की भी अनुमति नहीं मिली. इस तरह हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन को एक बहुत बड़ा सर्टिफिकेट दिया है कि वह इस केस में शायद मुजरिम नहीं है. और बेल के दौरान वह इस तरह का कोई अपराध नहीं करेगा.

(नोटः यह लेख फैजान मुस्तफा की लीगल एवयरनेस वेब सीरिज की मदद से तैयार किया गया है. फैजान मुस्तफा, एक कानूनी विद्वान हैं और वह नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद के पूर्व कुलपति हैं.)

ब्रीफ खबरें

पॉप गायक जस्टिन बीबर भारत पहुंचे

मुंबई। 'बेबी', 'सॉरी', 'लव योरसेल्फ' जैसे गानों के लिए मशहूर अंतरराष्ट्रीय पॉप गायक जस्टिन बीबर शुक्रवार सुबह लॉस एंजिलिस से मुंबई पहुंचे. बीबर यहां अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के विवाह समारोहों के तहत होने वाले संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगे. बीबर इससे पहले 2017 में अपने पहले संगीत कार्यक्रम के लिए भारत आए थे. उन्हें शुक्रवार को स्थानीय पुलिस अधिकारियों और अपनी टीम के साथ मुंबई के कलीना हवाई अड्डे से बाहर निकलते देखा गया. बीबर ने गुलाबी टी-शर्ट, स्वेटपैंट और लाल टोपी पहनी हुई थी.

अमृतपाल व इंजीनियर रशीद ने ली शपथ

नयी दिल्ली। पैरोल पर जेल से बाहर आए कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह और कश्मीरी नेता शेख अब्दुल रशीद ने शुक्रवार को संसद भवन के अंदर और बाहर कड़ी सुरक्षा के बीच लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ली. इंजीनियर रशीद के नाम से जाने जाने वाले रशीद गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज आतंकवाद के वित्तपोषण मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं,जबकि सिंह राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत दर्ज मामले में असम के डिब्रूगढ़ की जेल में कैद हैं.

संजय सिंह संसदीय दल के अध्यक्ष नियुक्त

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को पार्टी के संसदीय दल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. इसके साथ ही उन्हें राज्यसभा में पार्टी का नेता भी चुना गया है. सिंह ने 'एक्स' पर कहा, ''दिल्ली के मुख्यमंत्री आदरणीय अरविंद केजरीवाल ने हमेशा (मुझे) सड़क से सदन तक आवाज़ बुलंद करने का अवसर दिया. पार्टी संसदीय दल के अध्यक्ष की जो ज़िम्मेदारी दी गई है उसे पूरी निष्ठा से निभाऊंगा. इसके लिये अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का अत्यंत आभार.'

केजरीवाल की जमानत याचिका पर जवाब तलब

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से शुक्रवार को जवाब मांगा. न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने जमानत याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 जुलाई की तारीख निर्धारित की. केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता के भागने का खतरा नहीं है और न ही वह आतंकवादी हैं.

मोदी व पुतिन के बीच कई मुद्दों पर चर्चा होगी

नयी दिल्ली। आगामी शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस यात्रा से पहले विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच वार्ता के एजेंडे में क्षेत्रीय और वैश्विक हित के मुद्दे शामिल होंगे. उन्होंने यह भी कहा कि वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन तीन वर्षों के बाद हो रहा है और "हम इसे बहुत महत्व देते हैं." प्रधानमंत्री मोदी 22वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आठ और नौ जुलाई को रूस की दो दिवसीय यात्रा पर रहेंगे.

आम चुनाव : ऐतिहासिक जनादेश के साथ केअर स्टार्मर बने नए प्रधानमंत्री, कंजर्वेटिव पार्टी की 250 सीटों पर बुरी हार

ब्रिटेन में 14 साल बाद लेबर पार्टी की सरकार

प्रचंड जीत के बाद नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर अपनी पत्नी के साथ. **प्रेट्र**

परिवर्तन अब शुरू हुआ है और यह अच्छा लग रहा है. इस तरह का जनादेश एक बड़ी जिम्मेदारी का अहसास दिलाता है. हमारा काम इस देश को एक साथ रखने वाले विचारों को नवीनीकृत करने से कम नहीं है यानी राष्ट्रीय नवीनीकरण. आप जो भी हों, जीवन में जहां भी शुरुआत करें, अगर आप कड़ी मेहनत करते हैं, अगर आप नियमों का पालन करते हैं, तो इस देश को आपको आगे बढ़ने का उचित मौका देना चाहिए.' **- नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर**

आज शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से सत्ता परिवर्तन होगा और यह ऐसी चीज है जिससे हमें अपने देश की स्थिरता और भविष्य के प्रति विश्वास होना चाहिए. इन परिणामों से सीखने और विचार करने के लिए बहुत कुछ है. मुझे माफ कर दीजिए. वह आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी की हार की 'जिम्मेदारी' लेते हुए पार्टी के नेता का पद छोड़ देंगे.' **-हार के बाद निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक**

एजेंसी। लंदन

ब्रिटेन में चार जुलाई को हुए आम चुनाव में लेबर पार्टी की प्रचंड जीत के साथ 14 साल बाद सत्ता में वापसी पर शुक्रवार को केअर स्टॉर्मर ने देश के नए प्रधानमंत्री के रूप में अपने पहले भाषण में देश वासियों के 'हृदय में व्याप्त निराशा' को दूर करने और राष्ट्र के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया. चुनाव में भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा. सुनक ने अपनी हार स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया. ब्रिटेन के महाराजा के साथ सुनक की मुलाकात के बाद 61 वर्षीय स्टॉर्मर ने बकिंघम पैलेस में महाराजा चार्ल्स तृतीय के साथ रस्मी बैठक के बाद 58वें प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया. लेबर पार्टी ने 650 सदस्यीय 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में 412 सीट हासिल कीं. यह संख्या 2019 में पिछले चुनाव में प्राप्त सीट से 211 अधिक है. सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी ने 121 सीट पर जीत दर्ज की जो पिछले चुनाव में प्राप्त सीट से 250 कम हैं. लेबर पार्टी का मत प्रतिशत 33.7 और कंजर्वेटिव पार्टी का मत प्रतिशत 23.7 रहा.

पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस और कई कैबिनेट मंत्री पराजित, ऋषि सुनक ने पराजय स्वीकार की

किंग चार्ल्स तृतीय से मिलने पहुंचे लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर. **प्रेट्र**

10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर पत्नी के साथ निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक.

लेबर सरकार में एफटीए में कुछ संशोधन संभव

नयी दिल्ली। ब्रिटेन में लेबर पार्टी के सत्ता में आने के साथ ही उसके और भारत के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को मंजूरी मिलने की उम्मीद है, हालांकि इसमें मामूली बदलाव हो सकते हैं. आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने शुक्रवार को यह कहा. चुनाव नतीजों के बाद आधिकारिक तौर पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बन जाएंगे. ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि लेबर पार्टी एफटीए के फायदों को पहचानेगी, क्योंकि इससे उच्च टैरिफ बाधाओं को दूर करते हुए तेजी से बढ़ते और बड़े भारतीय बाजार तक पहुंच मिलती है. जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने उम्मीद जताई कि लेबर पार्टी इस बात पर गौर करेगी कि भारत के साथ एफटीए ब्रिटेन के निर्यातकों को महत्वपूर्ण बढ़त देता है, जिससे भारत को उनका निर्यात बढ़ेगा. कहा, 'इसके प्रमाण के लिए, ऐतिहासिक उदाहरणों को देखा जा सकता है, जैसे भारत के साथ अपने-अपने एफटीए के बाद आसियान, जापान और दक्षिण कोरिया के निर्यात में लगातार सुधार हुआ.' लेबर पार्टी के सत्ता में आने पर, वह मामूली बदलाव के साथ एफटीए को मंजूरी दे सकती है.

मोदी ने लेबर पार्टी की जीत पर स्टार्मर को बधाई दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन के आम चुनाव में जीत के लिए लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को बधाई दी तथा दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के साथ ही पारस्परिक विकास व समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक व रचनात्मक सहयोग की उम्मीद जताई. मोदी ने इसके साथ ही निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नेतृत्व की सराहना की और अपने कार्यकाल के दौरान भारत और ब्रिटेन के संबंधों को प्रगाढ़ करने में उनके 'सक्रिय योगदान' के प्रति आभार जताया. ब्रिटेन में चार जुलाई को हुए आम चुनाव में लेबर पार्टी ने बहुमत हासिल कर लिया है. आधिकारिक परिणामों से स्पष्ट है कि लेबर पार्टी अगली सरकार बनाएगी और स्टार्मर नए प्रधानमंत्री होंगे. प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'ब्रिटेन के आम चुनावों में उल्लेखनीय जीत पर कीर स्टार्मर को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं.

पूर्ववर्ती सुनक के लिए भी गर्मजोशी भरे शब्द कहे

स्टॉर्मर ने कहा, 'राजनीति जनकल्याण के लिए एक शक्ति हो सकती है, हम यह दिखाएंगे. हमने लेबर पार्टी को सेवा में लौटा दिया है और इसी तरह हम शासन करेंगे. देश पहले, पार्टी बाद में.' अपने 44 वर्षीय पूर्ववर्ती सुनक के लिए भी गर्मजोशी भरे शब्द कहे और उनकी एक अतिरिक्त उपलब्धि के लिए प्रशंसा की. स्टॉर्मर ने कहा, 'हमारे देश के पहले ब्रिटिश एशियाई प्रधानमंत्री के रूप में उनकी (सुनक) उपलब्धि के किए गए उनके अतिरिक्त प्रयास को किसी को भी कम नहीं आंकना चाहिए. हम आज उनका सम्मान करते हैं और उनके द्वारा किए गए समर्पण एवं कड़े परिश्रम को स्वीकार करते हैं.'

स्टॉर्मर ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास, 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश ने परिवर्तन, राष्ट्रीय नवीनीकरण और सार्वजनिक सेवा के लिए राजनीति की वापसी के वास्ते निर्णायक रूप से मतदान किया है. आगे का काम अत्यावश्यक है और हम इसे आज ही शुरू कर रहे हैं. हालांकि, उन्होंने कहा कि यह 'स्विच दबाने' जितना आसान नहीं होगा. उन्होंने कहा, 'जब लोगों द्वारा किए गए त्याग और राजनीतिक नेताओं से प्राप्त सेवा के बीच अंतर काफी बढ़ जाता है, तो इससे राष्ट्र के हृदय में निराशा उत्पन्न हो जाती है, आशा, भावना, बेहतर भविष्य में विश्वास खत्म हो जाता है. हमें एक साथ आगे बढ़ने की जरूरत है.' स्टॉर्मर ने कहा कि विश्वास की कमी को केवल काम करके दूर किया जा सकता है, शब्दों से नहीं. उन्होंने संकल्प लिया कि उनकी सरकार देश के प्रत्येक व्यक्ति के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करेगी.

उड़ीसा उच्च न्यायालय ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए व्यवस्था दी

किराये की कोख के जरिए मां बनने वाली महिलाओं को भी मातृत्व अवकाश का हक

एजेंसी। भुवनेश्वर

उड़ीसा उच्च न्यायालय ने हाल में व्यवस्था दी है कि किराये की कोख के जरिए मां बनने वाली महिला कर्मियों को वैसे ही मातृत्व अवकाश एवं अन्य लाभ पाने का अधिकार है जो प्राकृतिक रूप से बच्चे को जन्म देने वाली या बच्चा गोद लेकर मां बनने वाली महिलाओं को प्राप्त है. न्यायमूर्ति एस के पाणिग्रही की एकल पीठ ने 25 जून को ओडिशा वित्त सेवा की महिला अधिकारी सुप्रिया जेना की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह व्यवस्था दी. याचिकाकर्ता ने 2020 में यह याचिका दायर की थी. जेना किराये की कोख के जरिए मां बनीं लेकिन उन्हें ओडिशा सरकार में उनके उच्च अधिकारी ने 180 दिन का मातृत्व अवकाश देने से मना कर दिया. इसलिए उन्होंने सरकार के विरुद्ध उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया. उच्च न्यायालय ने कहा कि जिस तरह प्राकृतिक रूप से मां बनने वाली सरकारी कर्मियों को 180 दिन का अवकाश मिलता है, उसी तरह एक साल उम्र तक के बच्चे को गोद लेने वाली सरकारी कर्मियों को भी उसकी (बच्चे की) देखभाल के लिए 180 दिन की छुट्टी मिलती है. उच्च न्यायालय ने कहा कि लेकिन किराये की कोख के माध्यम से प्राप्त संतान की देखभाल के लिए मातृत्व अवकाश का प्रावधान नहीं है.

उच्च न्यायालय ने कहा, 'यदि सरकार गोद लेकर मां बनने वाली महिला को मातृत्व अवकाश दे सकती है तो उस माता को मातृत्व अवकाश से वंचित करना सर्वथा अनपयुक्त होगा, जिसे किराये की कोख देने वाली महिला के गर्भ में संतान पाने को इच्छुक दंपति के अंडाणु या शुक्राणु से तैयार भ्रूण के अधिरोपण के बाद इस प्रक्रिया से बच्चा मिला हो.' उच्च न्यायालय ने व्यवस्था दी कि सभी नयी माताओं के प्रति समान बर्ताव एवं सहायता सुनिश्चित करने के लिए उन (महिला) कर्मियों को भी मातृत्व अवकाश दिया जाए, भले ही वह किसी भी तरह मां क्यों न बनी हों. उच्च न्यायालय ने कहा कि इन माताओं को मातृत्व अवकाश देने से यह सुनिश्चित होता है कि उनके पास अपने बच्चे के लिए स्थिर एवं प्यार भरा माहौल तैयार करने के लिए जरूरी वक्त होता है तथा जच्चा एवं बच्चा के कल्याण को बढ़ावा मिलता है. उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को इस आदेश की सूचना मिलने के तीन महीने के अंदर याचिकाकर्ता को 180 दिन का मातृत्व अवकाश प्रदान करने का निर्देश दिया.

समलैंगिक विवाह को मान्यता से इनकार के फैसले की समीक्षा पर विचार करेगा न्यायालय

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय 10 जुलाई को अपने पिछले साल के उस फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली याचिकाओं पर विचार करेगा जिसमें समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया गया था. न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई 10 जुलाई की वाद सूची के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ पिछले वर्ष 17 अक्टूबर के फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिकाओं पर अपने कक्ष में विचार करेगी. परंपरा के अनुसार, पुनर्विचार याचिकाओं पर न्यायाधीशों द्वारा अपने कक्ष में विचार किया जाता है. प्रधान न्यायाधीश के अलावा पीठ के अन्य सदस्य न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति हिमा कोहली, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा होंगे. समलैंगिक अधिकार कार्यकर्ताओं को झटका देते हुए उच्चतम न्यायालय ने पिछले वर्ष 17 अक्टूबर को समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया था और कहा था कि कानून द्वारा मान्यता प्राप्त विवाहों को छोड़कर विवाह करने का कोई भी दूसरा तरीका विधिक तौर पर उचित नहीं है. इसके साथ ही न्यायालय ने कहा था कि इस बारे में कानून बनाने का काम संसद का है.

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोको पायलट से मिले राहुल गांधी

- **सुनीं समस्याएं, दिया समाधान का आश्वासन**

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ट्रेन चालकों (लोको पायलट) से मुलाकत की. इस दौरान वह करीब 50 लोको पायलट से मिले. राहुल गांधी ने चालकों की समस्याएं सुनी और उन्हें मदद का आश्वासन दिया. चालकों ने राहुल गांधी से पर्याप्त आराम न मिलने की शिकायत की. कहा कि रिक्त पदों पर भर्ती नहीं होने से चालकों की कमी है, जिसकी वजह से रेल हादसे हो रहे हैं. चालकों की बातों को सुन राहुल गांधी ने उनकी बातों को केंद्र सरकार के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया. इससे पहले गुरुवार को राहुल गांधी दिल्ली के जीटीबी नगर गए थे. उन्होंने वहां पर मजदूरों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनी थी. राहुल गांधी शुक्रवार दोपहर साढ़े 12 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंचे. यहां पर उन्होंने पूरे भारत से आए लगभग 50 लोको पायलटों से मुलाकात की. ट्रेन चालकों ने राहुल गांधी को अपनी समस्याएं बताईं.

भर्ती नहीं होने से लोको पायलट की भारी कमी

चालकों ने राहुल गांधी को बताया कि सरकार द्वारा लोको पायलट की सभी भर्तियों पर रोक लगाने के कारण कर्मचारियों की कमी है. ऐसे में उन्हें आराम नहीं मिल पाता है. बीते 4 साल में रेलवे भर्ती बोर्ड ने हजारों पद खाली होने के बावजूद एक भी लोको पायलट की भर्ती नहीं की. चालकों ने कहा कि यह जानबूझकर किया गया.

कुएं से जहरीली गैस के रिसाव की घटनाओं में नौ लोगों की हुई मौत

एजेंसी। जांजगीर-चांपा/कोरबा

छत्तीसगढ़ में शुक्रवार को दो अलग-अलग घटनाओं में कुएं से संदिग्ध जहरीली गैस के रिसाव से 16 वर्षीय लड़की सहित नौ लोगों की मौत हो गई. पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इन घटनाओं पर दुख व्यक्त किया तथा मृतकों के परिजनों को नौ-नौ लाख रुपये की सहायता प्रदान करने घोषणा की. अधिकारियों ने बताया कि जांजगीर-चांपा जिले में बिर्रा थाना क्षेत्र के किकिरदा गांव में हुई घटना में एक व्यक्ति और उसके दो बेटों सहित पांच लोगों की मौत हो गई जबकि पड़ोसी कोरबा जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र के जुराली गांव में इसी तरह की घटना में कोरबा में पिता-पुत्री सहित चार लोगों की जान चली गई. इनकी पहचान जहरू पटेल (60), उनकी बेटी सपीना (16) और परिवार के दो अन्य सदस्यों शिवचरण पटेल (45) और मनबोध पटेल (57) के रूप में हुई है. बिलासपुर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक संजीव शुक्ला ने बताया कि किकिरदा गांव में जान गंवाने वाले लोगों की पहचान रामचंद्र जायसवाल (60), रमेश पटेल (50), उनके दो बेटों राजेंद्र (20) और जितेंद्र (25) तथा टिकेश्वर चंद्र (25) के रूप में हुई है.

उपलब्धि रक्षा मंत्री ने कहा-वर्ष 2023-24 में मूल्य के संदर्भ में स्वदेशी रक्षा उत्पादन में अभी तक की सर्वाधिक वृद्धि

रक्षा उत्पादन 1.27 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा

- **वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा उत्पादन का मूल्य 1,08,684 करोड़ रुपये था : राजनाथ**

एजेंसी। नयी दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 2023-24 में करीब 1.27 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया तथा यह 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम में एक और उपलब्धि है. वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा उत्पादन का मूल्य 1,08,684 करोड़ रुपये था. सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि भारत को एक अग्रणी वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए सरकार अधिक अनुकूल व्यवस्था बनाने को प्रतिबद्ध है. रक्षा मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, 'रक्षा मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार की नीतियों और पहलों के सफल कार्यान्वयन के आधार पर, 'आत्मनिर्भरता' प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए वित्त वर्ष 2023-24 में मूल्य के संदर्भ में स्वदेशी रक्षा उत्पादन में अभी तक की सर्वाधिक वृद्धि हासिल की है.'

बयान में कहा गया, 'सभी रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू), रक्षा सामग्री बनाने वाले अन्य सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों और निजी कंपनियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देश में रक्षा उत्पादन का मूल्य रिकॉर्ड स्तर अर्थात 1,26,887 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. यह गत वित्त वर्ष के रक्षा उत्पादन की तुलना में 16.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है.' सिंह ने इस उपलब्धि के लिए रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों तथा रक्षा सामग्री बनाने वाले अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित भारतीय उद्योग व निजी उद्योग को बधाई दी.

2023-24 में रक्षा निर्यात 32.5 प्रतिशत बढ़ा

रक्षा मंत्रालय ने कहा, '2023-24 में उत्पादन के कुल मूल्य (वीओपी) में से करीब 79.2 प्रतिशत योगदान डीपीएसयू/अन्य पीएसयू का और 20.8 प्रतिशत का योगदान निजी क्षेत्र का रहा.' मंत्रालय ने कहा यह उपलब्धि पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए लाए गए नीतिगत सुधारों और पहलों तथा व्यापार सुगमता की वजह से हासिल हुई है. कहा गया है कि वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात 32.5 प्रतिशत बढ़कर 21,083 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छू गया. यह गत वित्त वर्ष में 15,920 करोड़ रुपये था. बयान के अनुसार, (2019-20 से) पिछले पांच वर्षों में रक्षा उत्पादन का मूल्य लगातार बढ़ रहा है। इसमें 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है.

भारत को एक अग्रणी वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा उत्पादन में वृद्धि पर शुक्रवार को कहा कि भारत को एक अग्रणी वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए सरकार एक सहायक वातावरण तैयार करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं और इससे सुरक्षा तंत्र को तो मजबूती मिलेगी ही, यह देश को आत्मनिर्भर भी बनाएगा. प्रधानमंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से 'एक्स' पर पोस्ट की उस जानकारी पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही. प्रधानमंत्री ने कहा, 'बहुत उत्साहजनक घटनाक्रम. उन सभी को बधाई जिन्होंने इस उपलब्धि में योगदान दिया है.

मेधा पाटकर को सजा का लोकतांत्रिक राष्ट्रनिर्माण अभियान ने किया विरोध

शुभम संदेश नेटवर्क। दिल्ली

लोकतांत्रिक राष्ट्रनिर्माण अभियान के राष्ट्रीय संयोजक आनंद कुमार ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को साकेत कोर्ट के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा दोषी करार देकर 5 महीने के कारावास तथा 10 लाख रुपए की मुआवजा राशि- जुर्माना भरने की सजा का लोकतांत्रिक राष्ट्रनिर्माण अभियान तीव्र विरोध करता है. इस संदर्भ में कई संगठनों और समूहों के प्रतिनिधियों द्वारा राष्ट्रपति से सजा रद्द करने हेतु दी गयी सामूहिक अपील के साथ एकजुटता व्यक्त करता है. मेधा पाटकर को यह सजा बीके सक्सेना द्वारा 2001 में दर्ज मानहानि मामले में दी गई है. सक्सेना ने एक फर्जी मेल के आधार पर मेधा पाटकर के खिलाफ यह मामला दर्ज कराया था. वीके सक्सेना आज दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर हैं, लेकिन वे 1990 के दिनों में जेके सीमेंट और अडानी की संयुक्त परियोजना 'धोलेरा प्रोजेक्ट' के अधिकारी थे. उन्हीं दिनों से सक्सेना ने मेधा पाटकर के खिलाफ षडयंत्रपूर्ण मोर्चा बांध रखा है. 'मेधा पाटकर को फांसी दो', 'होलिका में मेधा पाटकर का दहन करो' जैसे वक्तव्य मीडिया में छपवाये. नर्मदा बचाओ आंदोलन को विदेशी पैसों से चलने वाली संस्था बता कर पीआईएल भी दाखिल की थी, जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने जुलाई 2007 में प्राइवेट इंटरेस्ट लिटिगेशन घोषित करते हुए खारिज कर दिया था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)